राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शुक्रवार, 19 जून 2026

वर्ष 07, अंक 252, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा जल जीवन मिशन योजनाः पानी भरते ही 'वॉटरफॉल' बनी लाखों की टंकी...02

पौराणिक स्थल अवध नाथ धाम में अनवरत एक माह श्री हरि कीर्तन एवं दिव्य भण्डारा संपन्न..10

टेलीग्राम नया डार्क वेब, अपराधियों और आतंकवादियों का अड्डा... कोर्ट में केंद्र ने कहा?

21 जून को होने वाली नीट यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा से पहले भारत में टेलीग्राम सेवाओं को कुछ समय के लिए रोकने के केंद्र के फैसले के खिलाफ टेलीग्राम की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है. सुनवाई के दौरान जस्टिस तेजस करिया ने नीट री-एग्जाम से पहले टेलीग्राम पर बैन को लेकर केंद्र सरकार के वकील से पूछा कि क्या हम 150 मिलियन लोगों के अधिकारों को सिर्फ़ इसलिए कैसे रोक सकते हैं क्योंकि कुछ नागरिक परीक्षा दे रहे हैं? क्या किसी परीक्षा के लिए 15 करोड़ यूजर्स की आवाज दबाई जा सकती है?

कोर्ट ने टेलीग्राम की तरफ से पेश सीनियर एडवोकेट ध्रुव मेहता से पूछा कि आपकी बात समझने के लिए आप यह कहकर कि यह कोई इमरजेंसी नहीं है. यहां पावर के नेचर पर सवाल उठा रहे हैं. दूसरा आप कह रहे हैं कि जानकारी ब्लॉक की जा सकती है, पूरे प्लेटफॉर्म को नहीं. टेलीग्राम और केंद्र सरकार की लंबी दलीलें सुनने के बाद जस्टिस तेजस करिया ने इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट के सेक्शन 69 के तहत जारी ब्लॉकिंग ऑर्डर को चुनौती देने वाली प्लेटफॉर्म की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। सरकार की कार्रवाई का बचाव करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ब्लॉकिंग ऑर्डर सही प्रक्रिया का पालन करके पास किया गया था और बाद में कैबिनेट सेक्रेटरी की अध्यक्षता वाली एक कमेटी ने इसका रिव्यू किया था. मेहता ने इस बात पर जोर दिया कि अधिकारियों के पास परीक्षा में गड़बड़ी के संबंध में प्लेटफॉर्म के गलत इस्तेमाल का संकेत देने वाला काफी मटीरियल है और तर्क दिया कि कोर्ट को इसमें शामिल बड़े पब्लिक इंटरेस्ट को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

ऑर्डर अपने आप में पूरा था: अटॉर्नी जनरल

अटॉर्नी जनरल ने सरकार के स्टैंड का समर्थन करते हुए कहा कि ऑर्डर 'अपने आप में पूरा' था और इसमें दखल देने की ज़रूरत वाले कारणों को ठीक से दर्ज किया गया था. उन्होंने तर्क दिया कि प्रोपोर्शनैलिटी के सिद्धांत के आधार पर टेलीग्राम की चुनौती मामले के तथ्यों को लेकर गलत थी. हमारे जैसा देश रोकथाम की कार्रवाई नहीं कर सकता तो हम कहां जाएं? वेंकटरमणी ने कहा कि सरकार को और नुकसान होने से पहले कार्रवाई करनी चाहिए।

सुनवाई के दौरान केंद्र ने दिल्ली हाई कोर्ट को बताया कि आतंकवाद, साइबर क्राइम और ड्रग तस्करी के लिए टेलीग्राम का इस्तेमाल किया जा रहा है. इंस्टेंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम नया डार्क वेब बन रहा है, जो क्रिमिनल्स को जोड़ रहा है और उनके गैर-कानूनी कामों को बढ़ावा दे रहा है. केंद्र सरकार ने ये बातें टेलीग्राम की उस पिटीशन का विरोध करते हुए फाइल किए गए एफिडेविट में कहीं, जिसमें नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट अंडरग्रेजुएट (नीट-यूजी) री-एग्जाम से पहले 22 जून तक भारत में इसके ऑपरेशन पर बैन लगाने के सरकार के फैसले को चुनौती दी गई थी।

टेलीग्राम नया डार्क वेब बन गया

काउंटर एफिडेविट में लिखा है कि टेलीग्राम नया डार्क वेब बन गया है, जो थ्रेट एक्टर्स को जोड़ रहा है. क्रिमिनल्स ने डीप वेब लिंक्स के जरिए डार्क वेब फोरम्स से जुड़ने वाले चैनलों पर लिंक पोस्ट करने के लिए तेज़ी से टेलीग्राम को अपनाया है, जिससे अधिकारियों के लिए क्रिमिनल्स को ट्रैक करना और उनके बारे में पता लगाना मुश्किल हो गया है। दरअसल, केंद्र सरकार का यह फैसला इस चिंता पर आधारित था कि टेलीग्राम का इस्तेमाल नीट-यूजी 2026 पेपर लीक में शामिल संगठित धोखाधड़ी नेटवर्क द्वारा किया गया था, जिसके कारण मूल रूप से मई 2026 में आयोजित परीक्षा रद्द कर दी गई थी. इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MEITY) ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69 के तहत एक निर्देश जारी किया, जिसमें 22 जून तक भारत में टेलीग्राम प्लेटफॉर्म तक पहुंच को प्रतिबंधित किया गया।

अधिकारियों ने क्या तर्क दिए?

एक अन्य आदेश ने प्लेटफॉर्म को पहले से पोस्ट किए गए संदेशों के लिए संदेश-संपादन सुविधा को 30 जून तक अक्षम करने का निर्देश दिया. सरकार ने 21 जून को होने वाली पुनः परीक्षा की रक्षा के लिए इस उपाय को आवश्यक बताया. अधिकारियों ने तर्क दिया कि टेलीग्राम चैनलों का इस्तेमाल लीक या फर्जी प्रश्न पत्रों को वितरित करने, धोखाधड़ी करने और मंच की संपादन सुविधा के माध्यम से संदेश टाइमस्टैम्प में हेरफेर करने के लिए किया जा रहा था। कंपनी ने यह भी दावा किया कि उसने गैर-कानूनी नीट कंटेंट से जुड़े 900 से ज़्यादा लिंक हटा दिए हैं और उल्लंघन की पहचान करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग टूल्स और मैनुअल मॉडरेशन का इस्तेमाल किया है. केंद्र ने अब टेलीग्राम की याचिका पर अपना जवाब दाखिल कर दिया है, जिसमें ऐप पर टेम्परी बैन को सही ठहराया गया है।

'नीट माफिया' नाम का टेलीग्राम चैनल

दूसरी दलीलों के अलावा केंद्र सरकार ने कहा है कि 'नीट माफिया' नाम का एक टेलीग्राम चैनल पहचाना गया था, जिसके पिछली बार चेक करने पर लगभग 18,617 सब्सक्राइबर थे. एफिडेविट के मुताबिक, यह चैनल कथित नीट परीक्षा के पेपर लीक, एडवांस बुकिंग अरेंजमेंट, पेमेंट कलेक्शन मैकेनिज्म और परीक्षा से जुड़े मटीरियल की उपलब्धता के बारे में आश्वासन से जुड़ा कंटेंट एक्टिव रूप से फैला रहा था।

पूरे देश में जंगलों को बचाने की जरूरत... जेएसपीसीबी की याचिका पर बोला सुप्रीम कोर्ट, हम कोई हेडमास्टर नहीं

● सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के जंगलों और प्राकृतिक इकोसिस्टम को बचाने पर जोर दिया है.

● जेएसपीसीबी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने खनन और पत्थर तोड़ने वाली मशीनों के लिए निर्धारित दूरी कम करने के झारखंड हाई कोर्ट के फैसले का समर्थन किया.

● कोर्ट ने कहा कि कुछ ही राज्य ऐसे हैं जहां प्राकृतिक सुंदरता बची है और झारखंड उनमें से एक है, जिसे बचाना जरूरी है

झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है. कोर्ट ने कहा कि पूरे देश में जंगलों को बचाने की जरूरत है। झारखंड जैसे कुछ राज्यों में प्राकृतिक इकोसिस्टम है, जिसे बचाकर रखना जरूरी है ये बात सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने कही. सीजेआई ने जेएसपीसीबी (झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) के वकील से कहा कि कुछ ही राज्य ऐसे हैं, जहां हम सच में अपने प्राकृतिक इकोसिस्टम को बचा सकते हैं और झारखंड उनमें से एक है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कुछ राज्यों में जंगल जैसी प्राकृतिक सुंदरता वाली जगहें हैं और उन्हें बचाने की जरूरत है. दरअसल, सुप्रीम कोर्ट झारखंड हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था. हाई कोर्ट ने अप्रैल में जंगलों या वन भूमि की सीमाओं के पास पत्थरों के खनन या पत्थर तोड़ने वाली मशीनें लगाने की मंजूरी के सिलसिले में कई दिशा-निर्देश जारी किए थे।

जनवरी में हाई कोर्ट ने दिया था ये निर्देश

इससे पहले जनवरी में हाई कोर्ट ने निर्देश दिया था कि राज्य में संरक्षित वनों की तय सीमाओं से एक किलोमीटर के दायरे में पत्थर के खनन या पत्थर तोड़ने वाली मशीनें लगाने के लिए कोई मंजूरी नहीं दी जानी चाहिए. अदालत ने यह आदेश जेएसपीसीबी की उस अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका पर पास किया था, जिसके तहत जंगल या वन भूमि के आसपास पत्थर के खनन और पत्थर तोड़ने वाली मशीनें लगाने के लिए निर्धारित न्यूनतम दूरी को 400-500 मीटर से घटाकर 250 मीटर कर दिया गया था।

अप्रैल में पास आदेश में हाई कोर्ट ने कहा था कि मंजूरी देने पर लगी रोक पत्थर के खनन मामले में जंगल या वन भूमि की सीमाओं से 500 मीटर के दायरे में, जबकि पत्थर तोड़ने वाली मशीनों के मामले में 400 मीटर के दायरे में लागू होगी. अब सुप्रीम कोर्ट ने जेएसपीसीबी की याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि बोर्ड ने अचानक दूरी कम कर दी थी।

हम कोई हेडमास्टर नहीं हैं, जो हाई कोर्ट को सलाह दें

जेएसपीसीबी की ओर से पेश वकील ने हाई कोर्ट की टिप्पणियों का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि सब कुछ रुका हुआ है. इस पर पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट मामले पर विचार कर रहा है. वहां इसकी अंतिम सुनवाई होनी है. हाई कोर्ट को अंतिम आदेश देने दें. जब जेएसपीसीबी ने हाई कोर्ट की टिप्पणियों का जिक्र किया तो पीठ ने कहा कि हम अपने हाई कोर्ट्स का मनोबल नहीं गिरा सकते. हम कोई हेडमास्टर नहीं हैं, जो हाई कोर्ट को सलाह दें कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

संक्षिप्त ख़बरें

मामूली विवाद मेकलवारी मे पीट पीट कर बुजुर्ग की हत्या

बस्ती। बस्ती जिले केकलवारी थाना क्षेत्र के कलवारी मुस्तहकम गांव में बुधवार दोपहर एक मामूली विवाद मे अधेड़ की हत्या हो गई। मृतक की पहचान गांव निवासी मोहम्मद शमी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बुधवार दोपहर करीब एक बजे मोहम्मद शमी का गांव के ही राजकुमार प्रजापति से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवद बढ़ने पर राजकुमार ने बांस के डंडे से मोहम्मद शमी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में शमी गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों और परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कलवारी पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही कलवारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बाद में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी गांव पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पीएम रिपोर्ट का इंतजार है। तदनुसार अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

बस्ती में निजीकरण के खिलाफ वकीलों-लेखकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू, रजिस्ट्री कार्य ठप

बस्ती। बस्ती की हरैया तहसील स्थित उप निबंधन कार्यालय में निजीकरण के विरोध में अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, स्टाम्प विक्रेताओं और मुंशियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। सभी प्रदर्शनकारी कार्यालय परिसर में ही धरने पर बैठ गए हैं और शासनादेश को तत्काल वापस लेने की मांग कर रहे हैं। ई-रजिस्ट्री व्यवस्था लागू करने और लेखन कार्य निजी कंपनी को सौंपने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसी आदेश के विरोध में यह हड़ताल की जा रही है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह कदम सीधे तौर पर उनके रोजगार पर हमला है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि निजीकरण से दस्तावेज लेखन, स्टाम्प विक्रय और मुंशीगिरी से जुड़े हजारों लोग बेरोजगार हो जाएंगे। यह पेशा पीढ़ियों से कई परिवारों की आजीविका का जरिया रहा है।

संगोबांध आरोग्य मंदिर में वर्षों से लापता डॉक्टर

● मरीज का ईलाज भगवान भरोसे फार्मासिस्ट संभाल रहे अस्पताल की कमान

● होमियोपैथिक कक्ष बना शोपीस, वर्षो से डॉक्टर नदारद, हाजिरी फुल, स्वास्थ्य विभाग के दावों की खुली पोल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

म्योरपुर/सोनभद्र- म्योरपुर क्षेत्र अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। संगोबांध स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में डॉक्टर की अनुपस्थिति के कारण मरीजों का इलाज फार्मासिस्ट के भरोसे चल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने कभी भी यहां नियुक्त डॉक्टर को नहीं देखा। उनके अनुसार वर्षों से फार्मासिस्ट ही मरीजों की जांच कर दवा दे रहे हैं और ग्रामीण उन्हें ही डॉक्टर मानते हैं। ग्रामीणों कुछ जानकार लोग का कहना है कि यदि यहां डॉक्टर तैनात हैं तो आखिर वे आते कब हैं? मरीजों की जांच कौन करता है? और उनकी उपस्थिति का सत्यापन कौन करता है? ऐसे कई सवाल हैं जिनका जवाब स्वास्थ्य विभाग के पास भी शायद नहीं है।

स्थिति और भी गंभीर तब दिखाई देती है जब आयुष्मान आरोग्य मंदिर में होमियोपैथिक चिकित्सा कक्ष भी मौजूद है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि होमियोपैथिक डॉक्टर वर्षो से नदारद हैं, लेकिन उनकी हाजिरी और वेतन पर कोई असर नहीं पड़ता। हैरानी की बात यह है कि होमियोपैथिक दवाइयां भी उपलब्ध हैं, लेकिन डॉक्टर के अभाव में उनका लाभ जनता को नहीं मिल पा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी केवल नियुक्ति पत्र जारी करने तक सीमित है? क्या अधिकारियों को यह जानने की जरूरत नहीं कि नियुक्त डॉक्टर अपनी ड्यूटी कर रहे हैं या नहीं? यदि डॉक्टर अस्पताल नहीं पहुंच रहे हैं तो उनकी उपस्थिति दर्ज कैसे हो रही है?

सोनभद्र के स्वास्थ्य विभाग की यह व्यवस्था कई सवाल छोड़ रही है। एक ओर सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर डॉक्टरों की अनुपस्थिति और फार्मासिस्ट के भरोसे चल रही स्वास्थ्य व्यवस्था उन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। अब देखना यह होगा कि संबंधित अधिकारी इस मामले का संज्ञान लेते हैं या फिर सब कुछ पहले की तरह कागजों में ही चलता रहेगा।

अब देखना यह है कि नदारद होमियोपैथिक और एलोपैथिक डॉक्टरों पर होगी क्या कार्रवाई

संगोबांध आयुष्मान आरोग्य मंदिर में डॉक्टरों की अनुपस्थिति का मामला सामने आने के बाद अब लोगों की निगाहें स्वास्थ्य विभाग पर टिक गई हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि एलोपैथिक और होमियोपैथिक दोनों डॉक्टर लंबे समय से अस्पताल में दिखाई नहीं देते, जबकि एलोपैथिक में मरीजों का इलाज अन्य कर्मचारियों के भरोसे चल रहा है। जब इनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया किन्तु उक्त फार्मासिस्ट व एक अन्य कर्मचारी द्वारा कोई ठोसजबाब नहीं दिया गया। शेष खबर पेज न, 10

जिला बार एसोसिएशन चुनाव को लेकर विवाद तेज, एल्डर्स कमेटी गठन पर उठे सवाल

● बार काउंसिल के निर्देशों के उल्लंघन का आरोप, तीन दिन में साधारण सभा बुलाने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिला बार एसोसिएशन के प्रस्तावित चुनाव को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। जिला बार एसोसिएशन के वरिष्ठतम अधिवक्ता एवं एल्डर्स कमेटी अध्यक्ष जीवनधरलाल जैन एड. ने बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सचिव को पत्र भेजकर चुनाव प्रक्रिया में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के निर्देशों की अनदेखी किए जाने का आरोप लगाया है। जारी पत्र में कहा गया है कि बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा पूर्व में गठित एल्डर्स कमेटी को त्रुटिपूर्ण मानते हुए भंग कर दिया गया था तथा मॉडल बायलॉज के प्रावधानों के अनुरूप वरिष्ठता क्रम के आधार पर नई एल्डर्स कमेटी गठित करने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही गठित कमेटी की जानकारी बार काउंसिल को उपलब्ध कराने के लिए भी कहा गया था। जीवनधरलाल जैन एड. का आरोप है कि इस संबंध में बार एसोसिएशन पदाधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई की कोई जानकारी उन्हें उपलब्ध नहीं कराई गई, जबकि वह इस प्रकरण के महत्वपूर्ण पक्षकार हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें नोटिस बोर्ड के माध्यम से जानकारी मिली कि बार काउंसिल के निर्देशों के बावजूद उसी विवादित एवं त्रुटिपूर्ण तरीके से गठित एल्डर्स कमेटी के माध्यम से चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया। पत्र में आरोप लगाया गया है कि यह कार्रवाई बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आदेशों तथा मॉडल बायलॉज के नियमों का प्रत्यक्ष उल्लंघन है। उन्होंने यह भी कहा कि मॉडल बायलॉज के नियम-18 के अंतर्गत एल्डर्स कमेटी को अतिरिक्त अवधि तक कार्य करने के लिए आवश्यक अनुमति भी प्राप्त नहीं की गई है। एल्डर्स कमेटी अध्यक्ष ने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि नियमों के विपरीत की जा रही किसी भी प्रशासनिक कार्रवाई अथवा वित्तीय लेन-देन को कदाचार एवं आपराधिक प्रकृति का कृत्य माना जा सकता है।

रिश्वतखोरी के आरोप में परसरामपुर थाने के तीन पुलिसकर्मी निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती में पुलिस विभाग की छवि को प्रभावित करने वाले मामले में पुलिस अधीक्षक ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना परसरामपुर में तैनात तीन पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबित किए गए कर्मियों में मुख्य आरक्षी जगत नारायण यादव, आरक्षी आनंद यादव तथा आरक्षी बृजभूषण सिंह शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस नोट के अनुसार इन पुलिसकर्मियों के कार्य एवं व्यवहार को लेकर क्षेत्र के लोगों द्वारा लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। शिकायतकर्ताओं का आरोप था कि संबंधित कर्मियों का आचरण आम जनता के प्रति संतोषजनक नहीं है, जिससे पुलिस विभाग की साख और जनविश्वास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था।

मामले ने उस समय गंभीर रूप ले लिया जब उक्त पुलिसकर्मियों का एक वीडियो पुलिस प्रशासन के संज्ञान में आया। वीडियो में उन्हें सार्वजनिक स्थान पर कथित रूप से उत्कोच (रिश्वत) लेते हुए देखा गया। वीडियो सामने आने के बाद विभागीय स्तर पर मामले की जांच कराई गई, जिसके

उपरांत प्रथम दृष्टया आरोपों को गंभीर मानते हुए पुलिस अधीक्षक ने तत्काल कार्रवाई का निर्णय लिया। पुलिस अधीक्षक ने तीनों पुलिसकर्मियों को निलंबित करते हुए उनके विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से कराई जाएगी तथा दोष सिद्ध होने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस विभाग ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार, अनुशासनहीनता तथा जनविश्वास को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी कृत्य के प्रति विभाग की नीति शून्य सहिष्णुता की है। ऐसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या पक्षपात नहीं बरता जाएगा। यह कार्रवाई जनपद में पुलिस व्यवस्था को अधिक जवाबदेह एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

ऐतिहासिक राम जानकी मंदिर की मूर्तियों में तोड़फोड़, ठेकेदार पर अवैध खनन के आरोप

कार्रवाई नहीं हुई तो डीएम कार्यालय परिसर में धरने पर बैठे राम जानकी मंदिर के महंत

ललितपुर। जिला प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाने वाला एक मामला सामने आया है। मामला थाना जाखलौन क्षेत्र के अंतर्गत धोर्रा चौकी क्षेत्र का है, जहां करीब 450 वर्ष पुराने ऐतिहासिक राम जानकी मंदिर के महंत ने कुछ दबंगों पर मंदिर में चोरी करने और सदियों पुरानी मूर्तियों के साथ तोड़फोड़ करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित महंत का आरोप है कि योगी राज में भी वे खुद को असुरक्षित और परेशान महसूस कर रहे हैं, क्योंकि रसूखदारों के आगे उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। महंत ने जिला प्रशासन को दी शिकायत में बताया कि एक स्थानीय ठेकेदार की मिलीभगत से मंदिर की बेशकीमती भूमि पर धड़ल्ले से अवैध खनन का खेल चल रहा है। इस संबंध में उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारियों से कई बार गुहार लगाई, लेकिन लंबी शिकायतबाजी के बाद भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। प्रशासनिक उदासीनता से आहत होकर पीड़ित महंत न्याय की आस में जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में पहुंचे और वहां घंटों धरने पर बैठे रहे।

भ्रष्टाचार छिपाने हेतु जांच अधिकारी अरुण पटेल नही प्रेषित कर रहे जांच रिपोर्ट

» या तो रुपया लेकर मामले को निपटारा करना चाह रहे हैं

» इससे पूर्व में अरुण कुमार पटेल द्वारा शौचालय जांच में रुपया लेकर फर्जी रिपोर्ट लगाकर और गलत फोटो लगाकर मामले को किया निस्तारण ऐसे जांच अधिकारी के ऊपर कार्रवाई होना चाहिए

» जांच अधिकारी के बिगड़े बोल नहीं दी जाएंगी आया कार्य होगा शून्यसुविधा शुल्क के बोझ तले दबे बीडीओ -सचिव/रोजगार सेवक पर कार्रवाई को कांप रहे हाथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कप्तानगंज ब्लॉक के नरहरपुर गांव में तालाब खुदाई कार्य में मनरेगा के तहत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की शिकायत सामने आई थी। इस मामले को समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद,जिला ग्राम्य विकास अभिकरण बस्ती ने कड़ा रुख अपनाया था और खंड विकास अधिकारी कप्तानगंज से स्पष्टीकरण तलब किया था।बीडीओ कप्तानगंज ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक जांच अधिकारी को मौके पर भेजकर जांच तो करवा ली, लेकिन एक सप्ताह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी जांच अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को नहीं सौंपी है।प्राप्त समाचार के अनुसार बीडीओ कप्तानगंज के मातहत क्रमचारी ग्राम पंचायत नरहरपुर के पानी भरे तालाब में लगी फर्जी हाजिरी की जांच तो कर लिया है। किन्तु एक सप्ताह बाद भी आख्या प्रेषित नही किया गया है। उनका यह रवैया बेहद गैर-जिम्मेदाराना है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि जांच आख्या को दबाने और मामले को ठंडे बस्ते में डालने के लिए जानबूझकर हीला-हवाली की जा रही है वही जांच अधिकारी के बोल भी बदले-बदले नजर आ रहे हैं। मीडिया से बातचीत में जांच अधिकारी ने बताया कि 'आख्या नहीं दी जाएगी और कार्य शून्य होगा ', जिससे पूरी जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि सुविधा शुल्क के भारी बोझ तले दबे होने के कारण जिम्मेदार अधिकारी सचिव और रोजगार सेवक पर कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं ।यह रिपोर्ट साफ तौर पर दर्शाती है कि कैसे धरातल पर भ्रष्टाचार की जांच को दबाने के लिए 'सुविधा शुल्क' और प्रशासनिक सांठगांठ का सहारा लिया जा रहा है, जिससे सरकारी धन का दुरुपयोग करने वाले दोषियों को शह मिल रही है। वहीं बीडीओ का सचिव व रोजगार सेवक पर कानूनी कार्रवाई करने को हाथ कांप रहे हैं।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा जल जीवन मिशन योजनाः पानी भरते ही 'वॉटरफॉल' बनी लाखों की टंकी, सवालों के घेरे में पूरी व्यवस्था

● जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार की खुली पोल! पानी भरते ही 'वॉटरफॉल' बनी लाखों की टंकी, सवालों के घेरे में पूरी व्यवस्था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में भ्रष्टाचार अंगदकी तरह पांव जमाए बैठे हैं जिसे रोक लगाने जिला प्रशासन फेल नजर आ रहा है बस्ती जिले में कोई ऐसा विभाग नहीं बचा है जहां पर भ्रष्टाचार ना हो रहा हो देखने में सबसे ज्यादा विकास विभाग राजस्व विभाग और पुलिस विभाग द्वारा मनमानी कर भ्रष्टाचार चरम पर है जिम्मेदार अधिकारी को सूचित किया जाता है जांच कर कार्रवाई करने की बात पर फर्जी रिपोर्ट लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना का उद्देश्य हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना है, लेकिन बस्ती जिले में इस योजना के क्रियान्वयन की हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। जिले के राजपुर क्षेत्र में बनी एक पानी की टंकी में जैसे ही पानी भरा गया, टंकी की दीवारें जवाब दे गई और देखते ही देखते पानी तेज धार के साथ बाहर निकलने लगा। कुछ ही मिनटों में पूरी टंकी किसी झरने या वॉटरफॉल का नजारा पेश करने लगी।

इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि लाखों रुपये की लागत से बनी टंकी से पानी कई जगहों से रिसते हुए बाहर निकल रहा है। वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों में भारी नाराजगी है और लोग निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिले में जल जीवन मिशन के तहत कई गांवों में पाइप लाइनें बिछाने का काम वर्षों पहले पूरा दिखा दिया गया, लेकिन आज तक नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी। कहीं सड़कें खोदकर छोड़ दी गई तो कहीं पाइप लाइनें डालने के बाद काम अधूरा पड़ा है। ऐसे में राजपुर की यह घटना पूरे जिले में चल रहे कार्यों की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है।

बताया जा रहा है कि टंकी में तकनीकी खामी सामने आने के बाद विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ऑपरेटर को जिम्मेदार ठहराने का प्रयास किया है। हालांकि संबंधित ऑपरेटर का दावा है कि उसने टंकी में मौजूद

कमियों और निर्माण संबंधी खामियों की जानकारी पहले ही ग्राम प्रधान तथा विभागीय अधिकारियों को दी थी। उसके अनुसार कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद कमियों को दूर करने के बजाय मामले पर पर्दा डालने की कोशिश की गई।

यह पहला मामला नहीं है जब जल जीवन मिशन की परियोजनाएं सवालों के घेरे में आई हों। इससे पहले पड़ोसी जनपद सिद्धार्थनगर में भी एक पानी की टंकी तेज हवा के दौरान धराशायी हो गई थी, जिसके बाद निर्माण गुणवत्ता को लेकर व्यापक चर्चा हुई थी। अब बस्ती की यह घटना भी यही संकेत दे रही है कि कहीं न कहीं निर्माण कार्यों में मानकों की अनदेखी और जवाबदेही की कमी गंभीर समस्या बन चुकी है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच कराई जाती और शिकायतों को गंभीरता से लिया जाता, तो करोड़ों रुपये की सरकारी परियोजनाओं की ऐसी दुर्दशा सामने नहीं आती। ग्रामीणों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों, ठेकेदारों और संबंधित एजेंसियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। राजपुर की फटी हुई पानी की टंकी केवल एक निर्माण की विफलता नहीं, बल्कि उन सवालों का प्रतीक बन गई है जो जल जीवन मिशन के तहत खर्च किए जा रहे करोड़ों रुपये की पारदर्शिता और गुणवत्ता पर लगातार उठ रहे हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को महज एक तकनीकी खराबी मानता है या फिर इसकी तह तक जाकर जिम्मेदार लोगों को बेनकाब करता है।

संक्षिप्त खबरें

वाल्टरगंज मे संदिग्ध परिस्थितियों मेंअधेड़ का शव मिला, जांच मे जुटी पुलिस

बस्ती। बस्ती जिले केवाल्टरगंज थाना क्षेत्र में रतनपुरा गांव के सिवान में गुरुवार सुबह एक अधेड़ व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। शव के मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लिया। मृतक की शिनाख्त रतनपुरा गांव निवासी 50 वर्षीय बाबूलाल पुत्र रामदीन के रूप में हुई।

प्रसारण और नेटवर्क समाचार

परिजनों ने पुलिस को बताया कि बुधवार रात बाबूलाल की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। उन्हे जिला चिकित्सालय ले जाया गया था, जहां प्राथमिक इलाज के बाद वे रात करीब 12 बजे घर लौट आए थे। इसके बाद वह कब और कैसे घर से बाहर निकले, इस बारे में परिवार के किसी सदस्य को जानकारी नहीं है। गुरुवार सुबह उनका शव गांव के खेत में मिला। वाल्टरगंज थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने पर मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा होगा

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, पचपेड़वा पुलिस की त्वरित कार्रवाई

बलरामपुर। पचपेड़वा थाना क्षेत्र में नाबालिग एवं मंदबुद्धि किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, थाना पचपेड़वा क्षेत्र की एक महिला ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसकी नाबालिग एवं मंदबुद्धि ननद के साथ गांव वीरपुर सेमरा निवासी राधेश्याम यादव उर्फ राजू ने दुष्कर्म किया है। शिकायत के आधार पर थाना पचपेड़वा में मुकदमा संख्या 95/2026 धारा 137(2)/64(2)K बीएनएस, 5च/6 पॉक्सो एक्ट तथा 3(2)V एससी/एसटी एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक तथा क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर के पर्यवेक्षण में थाना पचपेड़वा पुलिस टीम ने जांच और गिरफ्तारी अभियान तेज किया। प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश चौहान के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी राधेश्याम यादव उर्फ राजू पुत्र राम समुझ निवासी ग्राम वीरपुर सेमरा, थाना पचपेड़वा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पीड़िता को आवश्यक चिकित्सीय एवं विधिक सहायता उपलब्ध कराई गई है तथा मामले की विवेचना नियमानुसार की जा रही है। आरोपी के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अमोढ़ा पुलिस चौकी बनी शोपीस, ताले में कैद जनता की सुरक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के छावनी थाना क्षेत्र स्थित अमोढ़ा पुलिस चौकी की कार्यशैली को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि अमोढ़ा पुलिस चौकी अधिकांश समय बंद रहती है और चौकी पर न तो चौकी प्रभारी धर्मेंद्र प्रजापति मौजूद रहते हैं और न ही अन्य पुलिसकर्मी दिखाई देते हैं।ग्रामीणों का कहना है कि किसी भी समस्या, विवाद या शिकायत के लिए जब लोग चौकी पहुंचते हैं तो वहां ताला लटका मिलता है। इससे लोगों को मजबूर होकर छावनी थाने का चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि चौकी पर तैनात पुलिसकर्मी अधिकतर समय थाने पर ही रहते हैं और चौकी केवल नाम मात्र की बनकर रह गई है।

ग्रामीणों ने कहा कि सरकार ने जनता की सुरक्षा और त्वरित सहायता के लिए लाखों रुपये खर्च कर पुलिस चौकी का निर्माण कराया था, लेकिन जब चौकी पर पुलिसकर्मी मौजूद ही नहीं रहते तो इसका उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोगों का कहना है कि यदि चौकी हमेशा बंद ही रहनी है तो उसके निर्माण का क्या औचित्य है।

क्षेत्रवासियों ने पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों से मामले की जांच कर चौकी की नियमित कार्यप्रणाली सुनिश्चित कराने की मांग की है। उनका कहना है कि चौकी पर पुलिसकर्मियों की नियमित उपस्थिति से क्षेत्र में कानून व्यवस्था बेहतर होगी और आम जनता को तत्काल सहायता मिल सकेगी।

गौरीगंज में भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित हुआ 'संकल्प से सिद्धि' सम्मेलन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गौरीगंज, अमेठी। भारतीय जनता पार्टी के जिला मुख्यालय, गौरीगंज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन,सेवा एवं गरीब कल्याण को समर्पित 140 करोड़ भारतीयों की निरंतर सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक भव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप में डॉ एम.पी.सिंह ने संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्पों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता एवं वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित किए हैं। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है, जिससे करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने की। उन्होंने

उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संगठन की मजबूती एवं जनसेवा के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। सम्मेलन में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं,प्रमुख पदाधिकारियों,मंडल अध्यक्षों,जनप्रतिनिधियों,कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में भाजपा समर्थकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार की उपलब्धियों एवं जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय एवं वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ हुआ।

भारतीय मजदूर संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

सिद्धार्थनगर। भारतीय मजदूर संघ, सिद्धार्थनगर की जिला इकाई द्वारा गुरुवार को जिलाधिकारी कार्यालय में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों ने अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाते हुए उनके शीघ्र निस्तारण कि मांग की। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के जिला महामंत्री आशुतोष यादव, जिला कोषाध्यक्ष हरिशंकर सिंह, जिला संयुक्त मंत्री सुरेंद्र पाल, जिला उपाध्यक्ष दिग्विजय पांडेय, मनोज गौतम, मनोज चौधरी, रतनलाल, राहुल यादव आदि उपस्थित रहे।

किसान एग्रोटेक न्यू हालैंड ट्रैक्टर एजेंसी का भव्य शुभारंभ

● क्षेत्र के किसानों को मिलेगी आधुनिक कृषि सेवाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कमरौली/शुकुल बाजार, अमेठी। क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यापारी एवं जनता मशीनरी एंड ऑटोमोबाइल्स तथा जनता ट्रैक्टर्स के संचालक लतीफ अहमद एवं सफीर अहमद द्वारा स्थापित किसान एग्रोटेक न्यू हालैंड ट्रैक्टर्स, कठौरा का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, व्यापारियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने सहभागिता कर नए प्रतिष्ठान के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चंद्र शुक्ला ने कहा कि आधुनिक कृषि यंत्रों एवं उन्नत तकनीक से लैस ट्रैक्टर किसानों की उत्पादकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। क्षेत्र में न्यू हालैंड ट्रैक्टर एजेंसी की स्थापना किसानों को बेहतर सुविधाएं एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगी।

कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चन्द्र शुक्ला, वरिष्ठ भाजपा नेता पंडित राम उंजेरे शुक्ला, उद्योगपति महेन्द्र विजय सिंह, दशरथ देवी महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ. बृजेश तिवारी पूर्व विधायक राधेश्याम धोबी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने प्रतिष्ठान की सफलता की कामना करते हुए संचालकों को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान के प्रबंधक एवं समाजसेवी पी.के. तिवारी ने लतीफ अहमद एवं सफीर अहमद को पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।समारोह में पहुंचे अतिथियों एवं क्षेत्रवासियों का स्वागत करते हुए लतीफ अहमद और सफीर अहमद ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसान एग्रोटेक न्यू हालैंड ट्रैक्टर्स के माध्यम से क्षेत्र के किसानों को आधुनिक कृषि उपकरण, गुणवत्तापूर्ण ट्रैक्टर एवं बेहतर बिक्री पश्चात सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उद्घाटन समारोह के दौरान उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने नए प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संचालकों को बधाई दी।

होनहार बेटे ने रचा इतिहास, हिंदी माध्यम से पढ़कर पांच साल में बने चार्टर्ड अकाउंटेंट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुबेहा/हैदरगढ़। मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर हर कठिन लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इसका जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया है शहरी इस्लामपुर निवासी दीपांशू तिवारी ने, जिन्होंने भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (ICAI) द्वारा आयोजित देश की प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

गुरुवार को घोषित हुए सीए फाइनल परीक्षा परिणाम में सफलता हासिल करने वाले दीपांशू की उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि उनके पिता सरजू प्रसाद तिवारी हरियाणा के करनाल स्थित एक फैक्ट्री में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि उनकी माता कंचन देवी गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद परिवार ने बेटे की शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी और दीपांशू ने भी अपने माता-पिता के संघर्ष को सफलता में बदल दिया।दीपांशू ने वर्ष 2020 में इंटरमीडिएट की शिक्षा पूरी करने के बाद सीए बनने का लक्ष्य निर्धारित किया और करनाल जाकर तैयारी शुरू कर दी। हिंदी माध्यम से शुरुआती शिक्षा प्राप्त करने के कारण उन्हें शुरुआत में अंग्रेजी और पाठ्यक्रम की जटिलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। लगातार अध्ययन, आत्मविश्वास और अनुशासित दिनचर्या के दम पर उन्होंने महज पांच वर्षों में देश की सबसे कठिन पेशेवर परीक्षाओं में से एक को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर लिया।दीपांशू का कहना है कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अध्ययन, आत्मअनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने बताया कि शुरुआती दौर में अंग्रेजी भाषा को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया, जिससे सीए की पढ़ाई को समझने और आगे बढ़ने में काफी मदद मिली।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी भारत के सबसे प्रतिष्ठित और चुनौतीपूर्ण पेशेवर पाठ्यक्रमों में गिनी जाती है, जिसमें लेखांकन, लेखा-परीक्षण, कराधान, वित्तीय प्रबंधन, कंपनी

कानून और व्यावसायिक नैतिकता जैसे विषयों का गहन अध्ययन एवं प्रशिक्षण शामिल होता है। ऐसे कठिन पाठ्यक्रम में सफलता प्राप्त कर दीपांशू ने क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है।दीपांशू की सफलता की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने उनके घर पहुंचकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दीपांशू ने बताया कि भविष्य में किसी प्रतिष्ठित फर्म से जुड़कर अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करने का लक्ष्य है।मजदूर पिता के संघर्ष और बेटे की मेहनत की यह कहानी साबित करती है कि सपनों की उड़ान संसाधनों से नहीं, बल्कि हौसलों से तय होती है।

कौशल मेडिकल स्टोर पर निशुल्क रक्त जांच शिविर सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। कस्बे के अंबेडकर चौराहे स्थित कौशल मेडिकल स्टोर पर मंगलवार को निशुल्क रक्त जांच एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर विभिन्न स्वास्थ्य जांचों का लाभ उठाया।शिविर के दौरान टाइफाइड, हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, रक्तचाप (बीपी) सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जांचें निशुल्क की गईं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा लोगों को जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक परामर्श भी दिया गया तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए जागरूक किया गया।

कौशल मेडिकल स्टोर के संचालक शुभ कौशल ने बताया कि ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर ऐसे निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि लोगों को प्रारंभिक अवस्था में ही बीमारियों की जानकारी मिल सके और समय पर

उपचार कराया जा सके।

शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं, बुजुर्गों एवं युवाओं ने भाग लिया। क्षेत्रीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर आमजन के लिए बेहद लाभकारी साबित होते हैं, क्योंकि इससे लोगों को निशुल्क जांच एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।शिविर के सफल आयोजन में मेडिकल स्टोर के कर्मचारियों एवं सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और नियमित जांच कराने का संदेश भी दिया गया।

बस्ती मे कालर से मारपीट करने वाला आरक्षी निलंबित

बस्ती। बस्ती जिले केकप्तानगंज थाना क्षेत्र की दुबौला चौकी अंतर्गत भरवालिया गांव में बुधवार को सिपाही और युवक के बीच हाथापाई का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में पुलिसकर्मी और युवक के बीच मारपीट होती दिख रही है। गांव में पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद युवक ने डायल-112 पर फोन कर पुलिस को बुलाया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक नशे की हालत में था और उसने पुलिसकर्मियों से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। बाद में हाथापाई होने लगी। घटना का वीडियो किसी ग्रामीण ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो में पुलिसकर्मी युवक को जमीन पर गिराकर उसे जूतों से बूट से मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस अधीक्षक के सज्ञान मे आते ही आरोपी आरक्षी को तत्कल निलंबित कर दिया। मामले को लेकर चर्चायें जारी हैं।

महराजगंज तराई पुलिस ने साइबर ठगी के शिकार युवक को दिलाए 65 हजार रुपये वापस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। थाना महराजगंज तराई पुलिस की तत्परता और प्रभावी कार्रवाई से साइबर ठगी के शिकार एक व्यक्ति को बड़ी राहत मिली है। पुलिस ने साइबर अपराधियों द्वारा ठगे गए 65 हजार रुपये पीड़ित के खाते में वापस कराकर सराहनीय कार्य किया है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम जयनगरा निवासी फिरोज खान का मोबाइल 14 मई 2026 को हैक हो गया था, जिसके बाद उनके बैंक खाते से 65 हजार रुपये निकाल लिए गए थे। घटना की जानकारी होने पर पीड़ित ने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही साइबर हेल्पडेस्क थाना महराजगंज तराई सक्रिय हो गई। उपनिरीक्षक आदित्य कुमार यादव और आरक्षी धीरज तिवारी ने त्वरित तकनीकी जांच करते हुए संबंधित बैंक अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया। पुलिस की पहल पर ठगी गई धनराशि को आरोपी के खाते में तत्काल होल्ड कराया गया। इसके बाद न्यायालय से रिलीजिंग आदेश प्राप्त कर बैंक के नोडल अधिकारी

को भेजा गया। सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद 65 हजार रुपये की पूरी धनराशि सफलतापूर्वक पीड़ित के खाते में वापस करा दी गई। धनराशि वापस मिलने पर फिरोज खान ने खुशी जताते हुए थाना महराजगंज तराई पुलिस का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता के कारण उन्हें उनकी मेहनत की कमाई वापस मिल सकी। इस सराहनीय कार्रवाई में उपनिरीक्षक आदित्य कुमार यादव, आरक्षी धीरज तिवारी, आरक्षी अर्जुन प्रसाद वर्मा तथा महिला आरक्षी पूजा सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीमा के सन्नाटे में गूंजेगी डिजिटल क्रांति, अब जवान भी घरवालों से करेंगे वीडियो कॉल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रमेश कुमार यादव

बलरामपुर। भारत-नेपाल सीमा से सटे उन गांवों में, जहां मोबाइल नेटवर्क के लिए लोगों को कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता था, अब संचार क्रांति की शुरुआत होने जा रही है। बीएसएनएल सीमावर्ती क्षेत्र के बड़का भुकुरूवा कंचनपुर, मड़नी, सड़नी, नरिहवा भुसहर ऊंचवा सहित 22 स्थानों पर आधुनिक बीटीएस टावर स्थापित कर रहा है, जिससे हजारों ग्रामीणों और सीमा पर तैनात एसएसबी जवानों को बेहतर मोबाइल और इंटरनेट सुविधा मिलेगी।

अब तक संचार सुविधाओं से वंचित रहे इन इलाकों में जल्द ही 4जी नेटवर्क की पहुंच होगी। इसके बाद एसएसबी जवान भी आसानी से वीडियो कॉलिंग कर अपने परिवारों से जुड़ सकेंगे, वहीं ग्रामीणों को ऑनलाइन शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी सेवाओं का लाभ मिलेगा।

बीएसएनएल के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के तहत प्रत्येक टावर पर करीब 60 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। चार स्थानों पर कार्य पूरा हो चुका है, जबकि अन्य जगहों पर तेजी से निर्माण जारी है। टावर

चालू होने के बाद करीब पांच किलोमीटर के दायरे में बेहतर नेटवर्क उपलब्ध होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना केवल मोबाइल नेटवर्क तक सीमित नहीं है, बल्कि सीमा सुरक्षा को भी मजबूत करेगी। बेहतर कनेक्टिविटी से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत साझा की जा सकेगी, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी।

खास बातें 22 सीमावर्ती स्थानों पर बन रहे हैं बीटीएस टावर हजारों, ग्रामीणों को मिलेगा पहली बार बेहतर 4जी नेटवर्क, एसएसबी जवान कर सकेंगे निर्बाध वीडियो कॉलिंग, सीमा सुरक्षा और सूचना तंत्र होगा और मजबूत, दिसंबर 2026 तक 5जी नेटवर्क में अपग्रेड की तैयारी

जांच अधिकारी की जांच में खोट रिपोट प्रेषित को कर रहे हीलाहवाली, हफ्ते बाद भी नहीं सौंपी आख्या

● सुविधा शुल्क के इंतजार में रिपोर्ट दबाकर बैठे जांच अधिकार नही प्रेषित की रिपोट

● नरहरपुर में मनरेगा के तहत तालाब खुदाई में वित्तीय अनियमितता का खेल उजागर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कप्तानगंज.विकास कार्यो के नाम पर सरकारी धन की बंदरबांट करने वाले कथित जिम्मेदारों की कलई अब पूरी तरह खुलती नजर आ रही है। कप्तानगंज विकास खंड के ग्राम पंचायत नरहरपुर में मनरेगा के तहत तालाब खुदाई कार्य में हुए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला गरमाता जा रहा है। सोशल मीडिया पर खबर वायरल होने के बाद विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। प्राप्त

समाचार के अनुसार डीसी मनरेगा बस्ती ने नरहरपुर ग्राम पंचायत में पानी भरे तालाब पर लगी फर्जी हाजिरी मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व में पत्र जारी कर बीडीओ कप्तानगंज से स्पष्टीकरण तलब किया था।

इसके बाद बीडीओ कप्तानगंज ने आनन-फानन में जांच अधिकारी को मौके पर भेजकर नरहरपुर तालाब खुदाई कार्य की जांच तो करवा ली, किंतु एक सप्ताह से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन जांच अधिकारी द्वारा अपनी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित नहीं की गई है। या यू कहे सुबिधा शुल्क के इंतजार में जांच आख्या को दबाने और मामले को ठंडे बस्ते में डालने के लिए जानबूझकर हीला-हवाली की जा रही है। मीडिया टीम से बातचीत के दौरान जांच अधिकारी ने कहा कि 'आख्या नहीं दी जाएगी और कार्य शून्य होगा ', की बात कही।

जिससे पूरी जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि सुविधा शुल्क के भारी बोझ तले दबे होने के कारण जिम्मेदार अधिकारी सचिव और रोजगार सेवक पर कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं। अब देखना होगा कि बीडीओ चंद्रभान उपाध्याय के सर पर भ्रष्टाचार का तमगा यू ही लगा रहेगा या सेवा के अंतिम पड़ाव में कांपते हाथों से भ्रष्टाचार की फाइल जीरो कर नेक कार्य कर पाएगें।

संक्षिप्त खबरें

पंकज श्रीवास्तव ने महासंघ के प्रति आभार व्यक्त किया

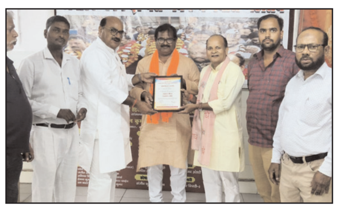

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पांडे एवं महामंत्री सुशील कुमार बच्चा द्वारा वेटरनरी फार्मासिस्ट मोहनलालगंज पंकज कुमार श्रीवास्तव को समाज गौरव सम्मान 2026 से अलंकृत किया गया। इस अवसर पर पंकज श्रीवास्तव ने महासंघ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए यह अस्वत किया कि वे सदैव कर्मचारी हेतु के प्रति समर्पित रहेंगे।

नाबालिक लड़की से छेड़छाड़ के मामले मे पीड़ित ने आईजीआरएस के माध्यम से केस दर्ज कराए जाने की लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात
ब्रेकिंग न्यूज़

बिसवां सीतापुर– नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है। कोतवाली पुलिस द्वारा केस दर्ज न करने पर पीड़ित ने आईआरजीएस के माध्यम से केस दर्ज कराए जाने की गुहार लगाई है। कोतवाली बिसवां इलाके के एक गांव की 15 वर्षीया लड़की अपने घर पर गांव में ही डाक्टर के पास दवा लेने गए माता पिता का इंतजार कर रही थी कि इसी बीच गांव के आरोपियों ने मुहं दबा कर और पीठ में चाकू लगाकर कहा कि चुपचाप मेरे साथ खेत में चलो नही तो तुम्हारे भाई को मार देंगें। और तुम्हारा भी काम खत्म कर देंगें। अश्लील हरकतें करते हुए और प्राइवेट पार्ट में हाथ लगाते हुए खींच कर ले जाने लगे। इस दौरान गांव का ही एक लड़का उधर से गुजरा और इन लोगों की हरकतें देख कर उनको ललकारा। आरोपी खतरा जान कर किसी अन्य दिन घटना की धमकी देते हुए भाग गए। घटना 04 जून की रात 09 बजे की है। लेकिन पुलिस ने केस दर्ज नही किया। जबकि पीड़िता के पिता ने रात में ही डायल112 पर फोन किया। गाड़ी मौके पर पहुंची और कहा की सुबह एफआईआर दर्ज करवा देना लेकिन कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज करना मुनासिब नहीं समझा पीड़िता के पिता ने आईजीआरएस के माध्यम से एफआईआर दर्ज करने की गुहार लगाई है।

मुहर्रम को लेकर प्रभारी निरीक्षक सुरियावा द्वारा ताजियादार एवं डीजे संचालकों सॉन्ग बैठक कर दिए दिशा निर्देश

सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील

सुरियावां। आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य प्रभारी निरीक्षक सुरियावा अश्वनी त्रिपाठी द्वाराथाना सुरियावां परिसर में ताजिया दार डीजे संचालको संघकी बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी निरीक्षकने उपस्थित लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और सुझाव प्राप्त किए। उन्होंने सभी से आपसी सौहार्द, भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में मुहर्रम मनाने की अपील की। साथ ही स्पष्ट किया कि बिना अनुमति किसी भी प्रकार का धार्मिक जुलूस नहीं निकाला जाएगा तथा सड़क अवरुद्ध कर कोई आयोजन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सभी लोग मिल-जुलकर त्योहार मनाएं। असामाजिक एवं अराजक तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर है और शांति व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सोशल मीडिया पर भी लगातार निगरानी रखी जा रही है। आपत्तिजनक, भ्रामक या अफवाह फैलाने वाली पोस्ट करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान ताजियादारों से कहा मानक के अनुसार ही ताजिया का निर्माण करें तथा समय का ध्यान रखते हुए निर्धारित समय पर ही कार्यक्रम को समाप्त करें। इस मौके पर डीजे संचालक को बताया कि शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार ही डीजे का उपयोग करें इस मौके पर नगर एवं ग्रामीण के ताजियादार एवं डीजे संचालक मौजूद रहे।

नाबालिग बालिका से बलात्कार का जघन्य अपराध, आरोपी अमरदीप उर्फ अमरजीत को 20 वर्ष का कठोर कारावास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः उत्तर प्रदेश के गोमतीनगर थाना क्षेत्र में पड़ोस की नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार और जान से मारने की धमकी देने के जघन्य मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश कुमार प्रशांत की अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। 18 जून 2026 को विशेष न्यायाधीश कुमार प्रशांत की अदालत ने इस मामले का फैसला सुनाते हुए अमरदीप उर्फ अमरजीत (24 वर्ष), पुत्र नंद कुमार, निवासी ग्राम जरौली, पोस्ट जरौली, थाना असंधा, जनपद बाराबंकी को धारा 376, 506 आईपीसी तथा POCSO अधिनियम की धारा 5/6 के तहत दोषी पाया। अदालत ने आरोपी पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया, जिसका भुगतान न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। सभी सजाएं समवर्ती (एक साथ) चलेंगी और जेल में बिताई गई अवधि को सजा में समायोजित किया जाएगा।

घटना का विवरण

19 अगस्त 2022 की शाम करीब 7:32 बजे गोमतीनगर क्षेत्र में यह जघन्य वारदात हुई। पीड़िता के अनुसार, आरोपी अमरदीप उर्फ अमरजीत उसके पड़ोस में रहता था। उसने पीड़िता को अकेला पाकर बलात्कार किया और धमकी दी कि 'अगर किसी को बताया तो तुम्हारे भाई को मार डालूंगा'। डरी-सहमी पीड़िता ने परिवार को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उसी दिन गोमतीनगर पुलिस थाने में मुकदमा नंबर 529/2022 दर्ज कराया गया।

मजबूत साक्ष्यों पर टिका अभियोजन पक्ष

इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक अभिषेक उपाध्याय और विशेष लोक अभियोजक अरुण कुमार ने अत्यंत प्रभावी पैरवी की। अदालत में कुल 13 अभियोजन प्रदर्श पेश किए गए, जिनमें पीड़िता का 164 Cr.P.C. बयान, चिकित्सकीय परीक्षण रिपोर्ट, फॉरेंसिक रिपोर्ट, अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट, जन्म प्रमाण पत्र, प्रवेश फॉर्म, आरोप पत्र और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज शामिल थे। गवाहों में पीड़िता के पिता कल्लू, डॉ. संध्या चौधरी (मेडिकल परीक्षण करने वाली डॉक्टर), कांस्टेबल मोहम्मद आसिफ, निरीक्षक बृजेश कुमार यादव समेत अन्य शामिल रहे। अदालत ने पीड़िता के बयान को विश्वसनीय मानते हुए कहा कि नाबालिग होने की पुष्टि जन्म प्रमाण पत्र और स्कूल रिकॉर्ड से हुई है।

अदालत का फैसला

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुमार प्रशांत ने अपने विस्तृत फैसले में कहा कि आरोपी ने नाबालिग बच्ची के साथ अत्यंत जघन्य अपराध किया है, जिससे समाज में बालिकाओं की सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा होता है। अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए साक्ष्यों की श्रृंखला को पर्याप्त और अटूट माना गया। आरोपी ने आरोपों से इनकार किया था, लेकिन साक्ष्यों के सामने उसकी दलीलें नहीं टिक सकीं। अदालत ने पीड़िता को उचित मुआवजा दिलाने और जुर्माना राशि पीड़िता को देने के भी निर्देश दिए। साथ ही, फैसले की प्रति पीड़िता को निःशुल्क उपलब्ध कराने और जेल रिकॉर्ड में सजा दर्ज करने का आदेश दिया।

अभियोजकों की प्रतिक्रिया

SPP अभिषेक उपाध्याय ने कहा, 'इस मामले में साक्ष्यों की मजबूत कड़ी थी। पीड़िता का साहस, चिकित्सकीय और फॉरेंसिक साक्ष्य तथा गवाहों के बयानों ने हमें मजबूती दी। POCSO कानून के तहत नाबालिगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाला यह एक महत्वपूर्ण फैसला है।'

SPP अरुण कुमार ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष ने पूरे मामले को बिना किसी कमी के अदालत के समक्ष रखा, जिससे पीड़िता को न्याय मिल सका।

उत्तर प्रदेश में उपभोक्ता परिषद की मांग, बिजली एक्सचेंजों पर कालाबाजारी रोकने को बने सख्त कानून

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उपभोक्ता परिषद ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर को जनहित प्रस्ताव भेजकर पावर व एनर्जी एक्सचेंज से बिजली की हो रही कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए कानून बनाने की मांग की है। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन द्वारा खरीदी और बेची गई बिजली के आंकड़ों को चिंताजनक बताया है कि चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक कारपोरेशन ने 1619.56 मिलियन यूनिट बिजली औसतन 6.52 रुपये प्रति यूनिट की दर से खरीदी, जबकि 6060.29 मिलियन यूनिट बिजली कारपोरेशन ने औसतन 3.77 रुपये प्रति यूनिट की दर से पावर एक्सचेंज को बेची है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने केंद्रीय मंत्री को भेजे गए जनहित प्रस्ताव में अवगत कराया है कि पावर एक्सचेंज उपभोक्ताओं की जेब पर डाका डालने का माध्यम बन गया है। केंद्र सरकार से मांग की है कि पावर एक्सचेंज में होने वाले लेन-देन की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। एक ही दिन बिजली बेचने और खरीदने के मामलों में जवाबदेही तय की जाए। बिजली बाजार में सट्टेबाजी, कृत्रिम अभाव और मूल्य में हेराफेरी को रोकने के लिए कठोर कानून बनाया जाए। सवाल उठाया है कि बिजली दिन में सस्ती और रात में महंगी क्यों है, इस पर रोक लगाई जाए। बिजली को बाजार की वस्तु बनाकर उपभोक्ताओं की जेब पर आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। पीक आवर्स (जब बिजली की सबसे अधिक मांग होती है) के नाम पर बिजली के दाम कई गुना बढ़ जाना इसका संकेत है कि व्यवस्था में गंभीर खामियां हैं। पावर कारपोरेशन ने कई बार एक दिन बिजली बेची भी और खरीदी भी है। जनता के हिस्से की बिजली दिन में सस्ते दामों पर एक्सचेंज में बेच दी गई और आवश्यकता पड़ने पर रात में महंगे दामों पर खरीद ली गई। सवाल यह भी है कि इस पूरे खेल का लाभ किसे मिल रहा है। एनर्जी एक्सचेंज पर बिजली बेचने और खरीदने का कानून तो है लेकिन कालाबाजारी पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया गया?बिजली मानव जीवन, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्योग और आर्थिक गतिविधियों का आधार है। आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी रोकने के लिए कानून है तो बिजली के क्षेत्र में भी ऐसी व्यवस्था की जाए।

'महापापियों के लिए कुरुक्षेत्र साबित होगी अयोध्या', अखिलेश यादव ने चढ़ावा मामले को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर के चढ़ावा प्रकरण को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने गुरुवार को एक्स पर लिखा,'अयोध्या महापापियों के लिए कुरुक्षेत्र साबित होगी। यहीं भाजपाई राजनीति का आरंभ हुआ था, यहीं अंत भी होगा।' सपा प्रमुख ने आगे लिखा कि चढ़ावे-चंदे-दान-शिला चोरी की घटना के बाद से दर्शनार्थियों की संख्या पर नकारात्मक असर पड़ा है। पावन सनातनी तीर्थ की शुचिता, जिन भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों की वजह से कलुषित हुई है, वो अपना कारनामा करके सदैव की तरह भूमिगत हो गए हैं। स्थानीय लोग मंदिर जाने से भी घबरा रहे हैं कि कहीं उनको ही जांच के नाम पर फंसा न दिया जाए। जांच कहां तक पहुंची, इसकी डेली ब्रीफिंग होनी चाहिए, क्योंकि भाजपा सरकार में हो रहे 'महा-भ्रष्टाचार' के कारण जनता का एसआईटी तक पर विश्वास नहीं है। मथुरा से भी आई धांधली की खबर गंभीर है, उसकी भी उच्च स्तरीय जांच हो। एक अन्य पोस्ट में सपा प्रमुख ने मुख्यमंत्री के बयान, 'गाय का दूध पियेंगे और सड़कों पर छोड़ देंगे', को लेकर लिखा, '14 दिन में छुट्टा पशुओं की समस्या से छुटकारा दिलाने का वादा करने वालों को जब यह बयान सुनाया जाएगा तो कहीं चुनाव से पहले ही इनका सफाया न हो जाए। ये अपनी बात का नहीं तो अपनों से बड़ों की बात का तो सम्मान करें, याद रहे दिल्ली की पर्ची सिर्फ किसी के बनाने के लिए नहीं आती है, वहां की पर्ची पर तो पूरी कैबिनेट बदल जाती है।' वहीं गुरुवार को पार्टी मुख्यालय पर बीएससी नर्सिंग के छात्रों ने सपा प्रमुख से मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं। वहीं मेरठ के अनुष्का पाल हत्याकांड मामले में पीड़ित स्वजन भी सपा प्रमुख से मिले। सपा प्रमुख ने पीड़ित परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी, 50 लाख रुपये की आर्थिक मदद और सीबीआई जांच की मांग की।

सुरियावां थाने के शिव मंदिर में पुलिस की पहल पर संपन्न हुई शादी

भदोही। सुरियावां थाना क्षेत्र में एक अनोखी और भावनात्मक शादी चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस की पहल और दोनों पक्षों की आपसी सहमति से एक महिला को नया जीवनसाथी मिला और परिवार भी बिखरने से बच गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम मऊ रामशाला निवासी अनिल कुमार सरोज की शादी वर्ष 2021 में रीना देवी निवासी हंडिया, प्रयागराज के साथ हुई थी। विवाह के दो वर्ष बाद वर्ष 2023 में बीमारी के चलते अनिल कुमार का निधन हो गया। पति की मृत्यु के बाद रीना देवी के सामने जीवनयापन और भविष्य की चिंता खड़ी हो गई। इसी दौरान अनिल कुमार के छोटे भाई सुनील कुमार सरोज ने रीना देवी को अपनाने का निर्णय लिया। दोनों परिवारों की सहमति होने के बावजूद विवाह की औपचारिक प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही थी। इससे परेशान होकर रीना देवी ने पुलिस अधीक्षक भदोही को प्रार्थना पत्र देकर विवाह कराने की गुहार लगाई। मामले को गंभीरता से लेते हुए सुरियावां पुलिस ने त्वरित पहल की। दोनों पक्षों की सहमति और परिवारजनों की मौजूदगी में गुरुवार को सुरियावां थाने के प्रांगण स्थित शिव मंदिर में रीना देवी और सुनील कुमार का विधि-विधान से विवाह संपन्न कराया गया।

'ओपी राजभर को कोई सीरियस नहीं लेता है', शिवपाल यादव का पलटवार

● सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुखिया ओमप्रकाश राजभर के सपा में टूट के बयान पर पर सपा नेता शिवपाल यादव का पलटवार सामने आया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुखिया ओमप्रकाश राजभर के सपा में टूट के बयान पर पर सपा नेता शिवपाल यादव का पलटवार सामने आया है. शिवपाल ने भाजपा के लोगों पर झूठ बोलने और षड्यंत्र करने का आरोप लगाया है. साथ ही दावा किया है कि समाजवादी पार्टी का कोई भी सांसद टूटेगा नहीं। शिवपाल ने कहा, ''ये लोग अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए और चुनाव के समय सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए ये बोलते हैं. मुझे तो लगता है इन्हें ट्वीट करने का भी पैसा मिलता है इसलिए इस तरह की बातें करते हैं, झूठ बोलते हैं.'' कहा, अखिलेश यादव के नेतृत्व में 2027 में उत्तर प्रदेश में सरकार बनेगी...ओम प्रकाश राजभर को पूरे उत्तर प्रदेश में कोई सीरियस नहीं लेता है। ' समाजवादी पार्टी के बलिया से सांसद सनातन पांडेय ने योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुसभपा) के मुखिया ओमप्रकाश राजभर के बयान पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि अगर वो सपा से बागी हो गए तो राजनीति से ही संन्यास ले लेंगे।

क्या कहा था ओपी राजभर ने?

बता दें कि योगी सरकार के मंत्री ओपी राजभर ने सपा में टूट को लेकर बड़ा दावा किया है. बुधवार को राजभर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया समाजवादी पार्टी में जल्द ही बड़ी टूट होगी. गुरुवार की सुबह भी उन्होंने एक पोस्ट किया जिसमें लिखा, ''कल से सब पूछ रहे हो कि सपा में क्या टूट होने वाली है? तो सुनो! सपा के बागी सांसदों के गुट का नेतृत्व उत्तर प्रदेश की 'बागी भूमि' का एक लाल करेगा और करे भी क्यों न? ''

सपा पर लगाए गंभीर आरोप

राजभर ने आगे लिखा, ''कल जिस तरह से सपा कार्यालय में सम्मेलन के नाम पर ब्राह्मणों को तिरस्कृत किया गया, उससे 'बागी बलिया' का लाल बहुत आहत है. योजना पहले से थी लेकिन कल कि घटना ने आग में घी डालने का काम कर दिया है. टूट होकर रहेगी. मेरी एक प्रतिक्रिया पर जिस तरह से पूरा सैफई खानदान मुझे गाली देने और सफाई देने में जुट गया, उससे ज्यादा बेहतर है कि अखिलेश बाबू ट्विटर, ऐसी और पीसी वाली नेतागिरी छोड़कर अब सांसद बचाओ अभियान शुरू कर दें. और दुखी एवं निराश सांसदों के घर जाकर उनसे माफी मांगे।''

फूट और टूट के नैरेटिव से समाजवादी पार्टी को घेरने में जुटा एनडीए

● बात राजनीतिक गलियारों में और तेजी से दौड़ी जब उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी ऐसा ही बयान दे दिया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राजनीतिक कुरुक्षेत्र में नए-नए नैरेटिव के तीर चलने लगे हैं। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने समाजवादी पार्टी में टूट पड़ने का दावा कर राजनीतिक पारा चढ़ा दिया है। सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर एवं उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य के बयान के बाद अब निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने भी सपा में बगावत का दावा कर नया दांव चला। महत्वपूर्ण ये है कि सपा को बेचैन करने वाले बयान पूर्वांचल के तीन बड़े ओबीसी नेताओं की तरफ से आए हैं, जहां पिछले लोकसभा चुनाव में सपा मजबूत साबित हुई थी। पिछले दिनों देशभर में कई राजनीतिक दलों में बगावत देखी गई। आम आदमी पार्टी में फूट पड़ी तो बंगाल में लंबे समय तक शासन करने वाली तृणमूल कांग्रेस कई गुटों में बंटकर बिखर गई। महाराष्ट्र में शिवसेना-उद्धव ठाकरे गुट के कई सांसद शिंदे गुट से हाथ मिलाने की तरफ बढ़ रहे हैं, जिससे वहां की राजनीति में बड़ी हलचल मची है। इसी बीच चर्चाओं का एक चक्रवात यूपी में भी उठने लगा जब योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा के दर्जनभर से ज्यादा सांसदों के अलग होने का दावा कर दिया। यह बात राजनीतिक गलियारों में और तेजी से दौड़ी जब उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी ऐसा ही बयान दे दिया।

मंत्री संजय निषाद ने भी कहा कि कई सपाई सांसद एनडीए के संपर्क में हैं। इस प्रकार के बयान ऐसे समय में आए हैं जब राम मंदिर से दान का धन चुराए जाने को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि एनडीए अपने सबसे मजबूत विरोधी दल सपा की घेरेबंदी में जुटा है। इस बहाने सपा के जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने का भी दांव चला गया है। अखिलेश अपना पीडीए का कार्ड फिर चलेंगे, जिसकी काट के रूप में भाजपा सुभासपा, निषाद पार्टी, रालोद एवं अपना दल-एस से हाथ मिलाकर रखेगी। पीडीए का दांव निस्तेज करने के लिए भाजपा ने ओबीसी नेताओं को विशेष वरीयता दी है, वहीं संगठन में भी भागीदारी बढ़ाई जाएगी। पार्टी के बड़े ओबीसी चेहरा केशव प्रसाद मौर्य सधी हुई रणनीति के तहत अखिलेश यादव पर लगातार हमलावर रहते हैं। गठबंधन के साथी ओमप्रकाश राजभर और संजय निषाद भी मुख्य रूप से सपा को निशाने पर रखते हुए नए नैरेटिव के साथ जमीन मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं।

यूपी के सरकारी स्कूलों में पढ़ाए जाएंगे AI और रोबोटिक्स

● IIT कानपुर 900 शिक्षकों को देगा ट्रेनिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। स्कूली शिक्षा में एआई और रोबोटिक्स जैसे तकनीकों को जोड़ने की कोशिश तेज हो गई है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में 900 शिक्षकों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के माध्यम से डिजिटल लिटरेसी, कंप्यूटेशनल थिंकिंग, कोडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स का विशेष प्रशिक्षण देने की तैयारी की है। एससीईआरटी के अनुसार मॉड्यूल तैयार कर उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विज्ञान विषय के लगभग 45 हजार शिक्षकों का क्षमता संवर्धन किया जा चुका है। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में आईआईटी कानपुर द्वारा 756 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अब वर्ष 2026-27 में 900 शिक्षकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कोडिंग, रोबोटिक्स जैसे विषयों की व्यावहारिक समझ भी दी जाएगी, ताकि वे विद्यार्थियों को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम से माध्यमिक शिक्षा विभाग के 750 शिक्षक, डायट के 140 प्रवक्ता और एससीईआरटी की विभिन्न इकाइयों के 10 प्रवक्ता शामिल होंगे।

डीएम ने जिला मेमोरियल चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने गुरुवार को जिला मेमोरियल चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, वार्डों एवं चिकित्सालय परिसर का भ्रमण कर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने ओपीडी में चिकित्सकों की उपस्थिति, मरीजों के पंजीकरण, परामर्श एवं दवा वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों एवं उनके तीमारदारों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चिकित्सालय में स्वच्छता, पेयजल, विद्युत व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। वार्डों के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने भर्ती मरीजों को दिए जा रहे उपचार, दवाओं की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य कर्मियों की कार्यप्रणाली का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मरीजों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने की बैंकिंग एवं सरकार प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोहीः- वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही (अप्रैल से जून) के दौरान संचालित बैंकिंग गतिविधियों एवं सरकार प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों एवं बैंकों द्वारा संचालित योजनाओं की उपलब्धियों, लक्ष्यपूर्ति तथा लाभार्थियों को प्रदान की जा रही सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बैंकवार एवं योजनावार प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों को निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभाग एवं बैंक आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), पीएम सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) सहित विभिन्न सरकार प्रायोजित योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि योजनाओं के लाभार्थियों का चयन पारदर्शी ढंग से करते हुए अधिक से अधिक पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाए तथा स्वीकृत आवेदनों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में बैंकिंग सेवाओं की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। आमजन को समयबद्ध एवं सुगम बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना सभी बैंकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बैंक शाखाओं में प्राप्त होने वाली शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े और शिकायतों की संख्या में कमी लाई जा सके। जिलाधिकारी ने विभिन्न योजनाओं के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विभागीय अधिकारियों एवं बैंक प्रबंधकों को समन्वित प्रयास करने पर जोर देते हुए कहा कि स्वरोजगार, उद्यमिता एवं वित्तीय समावेशन से जुड़ी योजनाएं जिले के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसलिए इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार गुप्ता ने किया। बैठक में जिला उद्योग केंद्र के दयाशंकर सरोज, परियोजना अधिकारी नेडा तुषार राय, जिला मिशन प्रबंधक अजय कुमार सहित जनपद के सभी जिला समन्वयक एवं चिन्हित बैंक शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

खैराबाद के सभी अज़ाखानों, इमामबारगाहों के साथ ही दरगाह हाफ़िज़ असलम मियां में दस दिवसीय मजलिस का शुभारम्भ

● इमाम आली मक़ाम हज़रत इमाम हुसैन से सच्ची मोहब्बत करना ईमान की मजबूती है:- फुरक़ान मियां हाशमी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर– क़स्बा खैराबाद में स्थित सभी अज़ाखानों इमामबारगाहों तथा स्थानीय दरगाह हाफ़िज़िया अस्लमियाँ में इस्लामी नव वर्ष के पहले माह मोहर्रम का चांद देखने के बाद विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 10 दिवसीय मजलिसे मोहर्रम का शुभारम्भ 17 जून से हो गया जो 26 जून तक निरन्तर चलता रहेगा,इसी क्रम में इस्लामी नव वर्ष के पहले और दूसरे दिन अर्थात एक और दो मोहर्रम 1448 हिजरी को मजलिस से सम्बोधित करते हुए खानकाह के सज्जादानशींन अल्हाज सैय्यद फुरक़ान मियां हाशमी ने कहा कि हम ईमान वाले हैं अल्लाह और उसके रसूल को सच्चे दिल से मानते हैं इसी पर हमारा ईमान भी है लेकिन अहले बैत से मोहब्बत करने में हम एक जगह पर नहीं ठहरते हैं इसकी वजह क्या है। इस मौक़े पर एक तारीखी बात बयान करते हुए फरमाया कि इस्लाम का पहला महीना कुर्बानी से शुरू होता है और आखिरी महीना भी कुर्बानी का ही होता है जिसका पहला महीना मोहर्रम कहलाता है इस माह की दस तारीख को सरकारे मदीना हुज़ूर अकरम के प्यारे नवासे मिस्ल औलाद हज़रत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम और आपके घर वालों को शहीद कर दिया गया था और आख़िरी महीना ज़िलहिज का है इसकी भी 10 तारीख़ को ही हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के बेटे हज़रत इस्माइल अलैहिस्सलाम की कुर्बानी मांगी गई तो जिस माह की शुरुआत आपके नवासे की कुर्बानी से होती है तो उस माह की मुबारकबादी किस लिए दी जाती है और कहां से साबित है कि मुबारकबाद दी जाए यह तो ग़ैर इस्लामी काम है क्या हम भी उन्हीं की तरह काम करने लगे हैं। आपने यह भी बयान किया कि सने हिजरी और मोहर्रम माह ही हिजरी का पहला महीना होगा यह खलीफा ए द्वितीय हज़रत सैयदना उमर फारुक रज़ी अल्लाहु ताला अनहू के दौर में तय हुआ था और हिजरी का चयन हिजरत से लिया गया इसके बाद मोहर्रम माह को उसका पहला महीना तय किया गया। जबकि मोहर्रम का महीना पहले से था लेकिन साल का पहला महीना नहीं था यह हिजरी तय हुई तब पहला महीना तय हुआ। हाशमी ने आगे कहा कि इमाम हुसैन से मोहब्बत करने से उनके पैग़ाम पर पाबंदी से अमल करने से ज़िंदगी को सुकून मिलेगा और ईमान की मजबूती भी होगी और इससे इंसानियत ज़िन्दा रहती है। कार्यक्रम के अंत मे मुल्क व मिल्लत के अमन व खुशहाली की दुआ भी की गई।इस अवसर पर बड़ी तादाद में लोग जमा थे जिसमें मुख्य रूप से सैय्यद फरजान मियां, सैय्यद नवेद असलम हाशमी सलमी मियां,सैय्यद फरहान मियां, सैय्यद फ़रमान मियां चिश्ती,क़ारी इस्लाम अहमद आरफ़ी, हाफ़िज़ आरिफ,हाफ़िज़ नईम,इमरान सिद्दीकीआदि मौजूद थे। ये कार्यक्रम 10 मोहर्रम तक निरंतर चलता रहेगा।

डांसिंग गर्ल- जिसे ढककर हम खुद को उजागर कर बैठे

[शेडिंग सिर्फ चित्र पर नहीं, इतिहास की समझ पर भी है]

[डांसिंग गर्ल पर परदा: इतिहास से संवाद या इतिहास पर संदेह?]

इतिहास बदलने के लिए बड़े फैसलों की जरूरत नहीं होती; कभी-कभी एक छोटी-सी शेडिंग ही काफी है। सिंधु घाटी सभ्यता की कांस्य प्रतिमा 'डांसिंग गर्ल' आज इसी कारण विवाद में है। मोहनजोदड़ो से प्राप्त लगभग 4500 वर्ष पुरानी (2500-2300 ईसा पूर्व) यह प्रतिमा भारतीय पुरातत्व की महत्वपूर्ण धरोहरों में गिनी जाती है। एक हाथ कमर पर रखे आत्मविश्वास से खड़ी यह किशोरी केवल कलाकृति नहीं, बल्कि उस सभ्यता की सहजता, कलाबोध और आत्मविश्वास का प्रमाण है। हाल ही में एनसीईआरटी की कक्षा 9 की कला शिक्षा पुस्तक 'मधुरिमा' में उसके नग्न धड़ को शेडिंग से ढक दिया गया। मामूली दिखने वाला यह बदलाव राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया। सवाल प्रतिमा का नहीं, उस दृष्टि का है जिससे हम अपने अतीत को देख रहे हैं। क्या हम इतिहास को उसके वास्तविक रूप में स्वीकार कर रहे हैं, या उसे अपने समय की नैतिक कसौटियों के अनुरूप बदल रहे हैं?

डांसिंग गर्ल केवल प्रतिमा नहीं, एक सभ्यता का आत्मविश्वास है। लॉस्ट-वैक्स तकनीक से बनी यह 10.5 सेंटीमीटर कांस्य मूर्ति दिखाती है कि सिंधु सभ्यता धातु-कला, सौंदर्य-बोध और रचनात्मकता में कितनी विकसित थी। उसकी मुद्रा उस समाज की सहजता का प्रमाण है, जहाँ शरीर संकोच का विषय नहीं था। दशकों तक यह प्रतिमा एनसीईआरटी की पुस्तकों में बिना बदलाव प्रकाशित होती रही और लाखों विद्यार्थियों ने इसे इतिहास के प्रमाण के रूप में देखा। ऐसे में अचानक इसे 'उम्र के अनुकूल' बनाने की जरूरत क्यों महसूस हुई? क्या इतिहास को इतिहास की तरह दिखाना अब पर्याप्त नहीं है? यह बदलाव केवल चित्र का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो अतीत को उसकी वास्तविकता से नहीं, बल्कि वर्तमान की असहजताओं से परिभाषित करती है।

यह बदलाव केवल संपादन नहीं, इतिहास की पुनर्रचना जैसा है। इतिहासकार मिशेल डैनिनो ने इसकी कड़ी आलोचना करते हुए इसे 'सेंसरशिप' और 'फर्जी कलाकृति' का निर्माण बताया। उनका तर्क था कि किसी ऐतिहासिक वस्तु का मूल रूप बदलने पर विद्यार्थी वास्तविक इतिहास नहीं, बल्कि उसका संपादित संस्करण देखते हैं—यह बौद्धिक अन्याय है। उन्होंने इसे प्राचीन भारत पर विक्टोरियन नैतिकता थोपने की कोशिश भी कहा। विडंबना यह है कि जिस सभ्यता ने कला को सहज स्वीकार किया, उसके प्रतीकों पर आज कृत्रिम शालीनता लादी जा रही है। जबकि इतिहास का काम सुविधा के अनुसार बदलना नहीं, बल्कि असुविधाजनक सच्चाइयों से रूबरू कराना है।

यह विवाद भारतीय सांस्कृतिक परंपरा की समझ पर सवाल खड़ा करता है। खजुराहो के मंदिर, कोणार्क का सूर्य मंदिर, अजंता-एलोरा की चित्रकला और गुप्तकालीन मूर्तिशिल्प बताते हैं कि

भारतीय कला में मानव शरीर सदैव सौंदर्य और अभिव्यक्ति का माध्यम रहा है। यहाँ नग्नता को अश्लीलता नहीं, बल्कि स्वाभाविकता, शक्ति, सृजन और सौंदर्य का प्रतीक माना गया। कामसूत्र की परंपरा वाली इस सभ्यता में यदि आज अपनी ही कलात्मक विरासत पर असहजता होने लगे, तो प्रश्न उठता है—बदल इतिहास रहा है या हमारी दृष्टि? डांसिंग गर्ल की नग्नता अश्लीलता नहीं, उस युग की सांस्कृतिक सहजता का प्रमाण है। उसे ढकने का प्रयास उस समझ को ढकने जैसा है, जिसने उस कला को जन्म दिया था।

इस विवाद की एक और परत भीतर का विरोधाभास खोलती है। एनसीईआरटी की कक्षा 6 की सामाजिक विज्ञान पुस्तक में यही प्रतिमा अपने मूल रूप में है, जबकि कक्षा 9 की कला शिक्षा पुस्तक में उसका संशोधित रूप दिखाया गया है। एक ही संस्था की दो पुस्तकों में एक ही ऐतिहासिक वस्तु के दो अलग-अलग रूप शिक्षा की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठाते हैं। क्या हम छात्रों को इतिहास पढ़ा रहे हैं या उसे अपने वर्तमान मानकों के अनुसार ढाल रहे हैं? यह केवल एक चित्र का मामला नहीं, बल्कि उस प्रवृत्ति का संकेत है जहाँ पाठ्यक्रम संशोधन के नाम पर इतिहास और पुरातत्व पर वैचारिक दबाव दिखने लगता है। जब तथ्य बदलते हैं, तो शिक्षा का आधार कमजोर पड़ता है।

सांस्कृतिक संवेदनशीलता का तर्क नकारा नहीं जा सकता। कुछ अभिभावक और शिक्षक मानते हैं कि किशोर विद्यार्थियों के सामने नग्नता का प्रदर्शन सावधानी से होना चाहिए। लेकिन सवाल यह है—समाधान समझाना है या छिपाना? शिक्षा का दायित्व संदर्भ देना है, न कि तथ्य बदलना। यदि किसी कलाकृति में नग्नता है, तो छात्रों को बताया जा सकता है कि प्राचीन कला में उसका अर्थ आधुनिक दृष्टि से अलग था—वह शक्ति, सौंदर्य, स्वतंत्रता और स्वाभाविकता का प्रतीक भी हो सकती है। हर असहज तथ्य पर शेडिंग चढ़ाते रहेंगे तो अगली पीढ़ी इतिहास नहीं, उसका सुविधाजनक संस्करण पढ़ेगी। तब पाठ्यपुस्तकें दस्तावेज़ कम और कल्पना अधिक बन जाएँगी।

शिक्षा मंत्रालय के स्पष्टीकरण और सार्वजनिक आलोचना के बाद एनसीईआरटी ने मूल छवि बहाल करने का निर्णय लिया। डिजिटल संस्करण में तुरंत संशोधन हुआ और भविष्य की मुद्रित प्रतियों में भी मूल प्रतिमा प्रकाशित करने की घोषणा की गई। यह कदम स्वागत योग्य है, लेकिन सवाल छोड़ता है कि शुरुआत में यह परिवर्तन क्यों किया गया। यह निर्णय दिखाता है कि पाठ्यपुस्तकें अब केवल शैक्षणिक सामग्री नहीं, बल्कि वैचारिक संघर्ष का भी हिस्सा बन चुकी हैं। यह घटना याद दिलाती है कि संवेदनशीलता और सेंसरशिप की रेखा बहुत पतली है, और उसे पार करने पर संस्थाओं पर भरोसा कमजोर पड़ सकता है।

डांसिंग गर्ल विवाद किसी प्रतिमा का नहीं, हमारे आत्मविश्वास का है। राष्ट्रीय संग्रहालय में रखी यह डांसिंग गर्ल हर वर्ष असंख्य विद्यार्थी और पर्यटक देखते हैं, और कोई उसे अश्लीलता नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की उपलब्धि मानता है। यदि हम अपनी विरासत को उसके वास्तविक रूप में स्वीकार नहीं कर सकते, तो उसके गौरव पर गर्व भी अधूरा है। इतिहास को ढक देने से वह बदलता नहीं, केवल हमारी समझ सीमित होती है। पाठ्यपुस्तकें ज्ञान की खिड़कियाँ हैं, नैतिकता की दीवारें नहीं। डांसिंग गर्ल को उसकी पूर्ण वास्तविकता के साथ स्वीकार करना ही उस सभ्यता का सच्चा सम्मान है, जिसने हजारों वर्ष पहले आत्मविश्वास को कांस्य में ढाल दिया था।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

पार्टियों की टूट व टूटता भरोसा: लोकतंत्र में सबसे बड़ा नुकसान यही है

संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

चुनाव बाद पार्टियों का टूटना या ये कहिए कि दलबदल होना अब आम बात हो चली है। यह दलबदल क्षेत्रीय पार्टियों में सबसे अधिक होती है। लेकिन यहां नेताओं से लोगों का भरोसा टूट चुका होता है। क्योंकि लोगों ने अपने नेता को दूसरी पार्टी में रहते वोट दिया था जबकि नेताजी चुनाव बाद अन्य पार्टी में शामिल हो जाते हैं। पिछले 10 साल में भारत में 25 से ज्यादा राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियां टूटीं। महाराष्ट्र में शिवसेना दो हिस्सों में बंटी, एनसीपी दो फाड़ हुई, बिहार में जेडीयू ने कई बार पाला बदला। हर बार कारण एक ही बताया जाता है - 'सिद्धांतों से समझौता', 'जनता के हित में फैसला'। लेकिन नतीजा एक ही निकलता है - वोटर का भरोसा टूटना।

टूट क्यों रही हैं पार्टियां? इस पर हमारी सोच वही है जो लगभग सभी की होती है। सत्ता और पद का गणित- पार्टी टूटने का 80% कारण विधायकों और सांसदों की टिकट और मंत्री पद की भूख है। जब हाईकमान टिकट काटता है या किसी और को आगे बढ़ाता है, तो नाराज नेता दूसरी पार्टी या नई पार्टी बना लेते हैं। परिवारवाद और हाईकमान कल्चर- कई क्षेत्रीय पार्टियां एक परिवार के इर्द-गिर्द घूमती हैं। जब दूसरी पीढ़ी तैयार होती है, तो पुराने नेता खुद को साइडलाइन महसूस करते हैं और बगावत करते हैं।

विचारधारा का कमजोर होना- पहले पार्टियों की पहचान किसी विचारधारा से होती थी। अब ज्यादातर पार्टियां 'पावर ब्लॉक' बन गई हैं। विचारधारा बदलते देर नहीं लगती, क्योंकि एजेंडा सत्ता है। वोटर का भरोसा कैसे टूटता है?- जब तुमने 2019 में किसी पार्टी को वोट दिया था, तुमने उसके घोषणापत्र, नेता और विचारधारा पर भरोसा किया था। 2023 में वही विधायक दूसरी पार्टी में चला जाए और 2024 में तीसरी पार्टी में, तो सवाल उठता है। मैंने वोट किसको दिया था? व्यक्ति को, सिंबल को, या पार्टी को?

क्या मेरा वोट मायने रखता है? अगर चुनाव के बाद गठबंधन बदल जाए तो जनादेश का मतलब क्या रहा? सब एक जैसे हैं- ये सनक नहीं, टूटे भरोसे की उपज है। 2023 के कर्नाटक और महाराष्ट्र चुनाव के बाद सीएसडीएस के सर्वे में 47% लोगों ने कहा कि 'दलबदल से लोकतंत्र कमजोर होता है'। इसका असर कहां दिखता है? चुनावी राजनीति पर- लोग अब स्थानीय उम्मीदवार देखने लगे हैं, पार्टी नहीं। 'पार्टी कोई भी हो, मेरा काम करे' वाला ट्रेंड बढ़ रहा है। नीति निर्माण पर- सरकारें अस्थिर हो जाती हैं। 5 साल का प्लान 2 साल में बदल जाता है क्योंकि गठबंधन बदल गया। युवा राजनीति से दूर हो रहे हैं- कॉलेज चुनावों में भी भागीदारी घट रही है। युवाओं को लगता है कि राजनीति सिर्फ सौदेबाजी है। नोटा का बढ़ना- 2019 के बाद से कई सीटों पर नोटा को मिले वोट 2-3% तक पहुंच गए हैं। ये विरोध का साइलेंट तरीका है।

दलबदल कानून कहां फेल हुआ?- 1985 में 52वां संविधान संशोधन लाकर दलबदल विरोधी कानून बनाया गया। मकसद था कि विधायक पार्टी न बदलें। लेकिन कानून में एक खामी छोड़ दी गई- अगर 2/3 विधायक साथ छोड़ दें तो वो 'विलय' कहलाता है और अयोग्यता नहीं लगती। इसी खामी का फायदा लेकर महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश में सरकारें गिरीं। सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि स्पीकर का फैसला समय पर नहीं आता, जिससे कानून का मकसद ही खत्म हो जाता है। क्या हो सकता है समाधान?- 2/3 वाली छूट हटाओ- अगर पार्टी टूटती है तो सबको अयोग्य ठहराओ। फिर जनता के पास जाओ और दोबारा चुनाव लड़ो।

फंडिंग में पारदर्शिता- चुनाव आयोग को हर लेन-देन का हिसाब मिले ताकि नेताओं को खरीद-फरोख्त न हो सके। आंतरिक लोकतंत्र- पार्टियों में चुनाव हों, युवा और कार्यकर्ताओं की सुनवाई हो। जब अंदर लोकतंत्र होगा तो बाहर टूट कम होगी। वोटर एजुकेशन- लोगों को समझाना होगा कि वोट सिंबल को जाता है, व्यक्ति को नहीं। ये बात स्कूल और कॉलेज में पढ़ाई जाए। स्थानीय मुद्दों पर वोट- लोग अब पानी, सड़क, स्कूल को देखकर वोट कर रहे हैं, न कि बड़े नेता के नाम पर। सोशल मीडिया पर जवाबदेही- विधायक अगर पाला बदलता है तो अगले 6 महीने तक ट्रोल होता है। ये डर कुछ हद तक काम कर रहा है। नए विकल्प की तलाश आप जैसे दल इसी भरोसे के संकट से पैदा हुए। पार्टियों का टूटना लोकतंत्र में स्वाभाविक है, लेकिन जब हर 2 साल में गठबंधन और दल बदल जाएं, तो जनता को लगता है कि उसका वोट सिर्फ सत्ता का सीढ़ी है। लोकतंत्र सिर्फ चुनाव नहीं है, ये भरोसे का कॉन्ट्रैक्ट है। जब पार्टियां उस कॉन्ट्रैक्ट को तोड़ती हैं, तो नुकसान वोटर को होता है। और एक बार भरोसा टूट जाए, तो उसे दोबारा जोड़ने में 10 साल लग जाते हैं। अगली बार जब कोई नेता पाला बदले, तो सवाल पूछो: 'तुम पार्टी बदले, मेरी समस्या बदली क्या?'

सड़क दुर्घटनाओं का बढ़ता संकट और जिम्मेदारी की जरूरत

'वडोदरा बस हादसा एक चेतावनी'

गुजरात के वडोदरा में हालोल-वडोदरा हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे ने एक बार फिर देश को झकझोर दिया है। राजस्थान के बांसवाड़ा से सूरत जा रही एक निजी बस खड़े ट्रक से टकरा गई, जिसमें आठ यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह ट्रक में समा गया। राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों को घंटों तक मशक्कत करनी पड़ी। यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि हमारी सड़क सुरक्षा व्यवस्था, वाहन संचालन और यातायात अनुशासन पर गंभीर प्रश्नचिह्न है।

भारत में सड़क दुर्घटनाएं अब सामान्य खबर बन चुकी हैं। लगभग हर दिन कहीं न कहीं किसी बस, ट्रक, कार या दोपहिया वाहन की टक्कर में लोगों की जान जा रही है। दुखद बात यह है कि इन हादसों में केवल एक व्यक्ति नहीं मरता, बल्कि उसके साथ पूरे परिवार की उम्मीदें और सपने भी समाप्त हो जाते हैं। परिवार का कमाने वाला सदस्य चला जाए तो पीछे रह जाने वाले लोगों का जीवन आर्थिक और मानसिक संकट में घिर जाता है। तेज रफ्तार मौत का असली कारण है। सड़क दुर्घटनाओं के पीछे सबसे बड़ा कारण तेज रफ्तार है। आधुनिक वाहन पहले की तुलना में अधिक शक्तिशाली और तेज हो गए हैं, लेकिन सड़क पर चलने वाले अनेक लोग अभी भी यातायात नियमों को गंभीरता से नहीं लेते। निर्धारित गति सीमा का पालन न करना, ओवरटेकिंग की होड़ और जल्द से जल्द गंतव्य तक पहुंचने की मानसिकता कई बार जानलेवा साबित होती है।विशेषज्ञों का मानना है कि किसी वाहन की गति जितनी अधिक होती है, दुर्घटना की स्थिति में उसके परिणाम उतने ही घातक होते हैं। चालक को वाहन नियंत्रित करने का समय कम मिलता है और टक्कर का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। वडोदरा हादसे में भी बस के ट्रक में घुस जाने से यह स्पष्ट होता है कि वाहन की गति काफी अधिक रही होगी या चालक समय पर वाहन नियंत्रित नहीं कर सका।

नींद की झपकी भी बनती है घातक

लंबी दूरी के वाहन चालकों के लिए सबसे बड़ा खतरा थकान और नींद है। बस और ट्रक चालक कई बार लगातार घंटों तक वाहन चलाते रहते हैं। पर्याप्त विश्राम नहीं मिलने पर उनकी एकाग्रता कम हो जाती है और कुछ सेकंड की झपकी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। रात और तड़के सुबह का समय विशेष रूप से जोखिम भरा माना जाता है। इसी समय शरीर स्वाभाविक रूप से विश्राम चाहता है और चालक को नींद आने की संभावना बढ़ जाती है। वडोदरा हादसा भी सुबह लगभग चार बजे हुआ, जब अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे। यदि चालक को झपकी आई हो या उसका ध्यान कुछ क्षण के लिए भटका हो तो परिणाम बेहद विनाशकारी हो सकते हैं।

इसलिए परिवहन कंपनियों और वाहन मालिकों की जिम्मेदारी है कि वे चालकों के कार्य घंटों को नियंत्रित करें और उन्हें पर्याप्त आराम का अवसर दें। केवल आर्थिक लाभ के लिए लगातार वाहन चलवाना मानव जीवन के साथ खिलवाड़ है।

शराब पीकर वाहन चलाना गंभीर अपराध है। सड़क दुर्घटनाओं का एक अन्य बड़ा कारण शराब पीकर वाहन चलाना है। नशे की अवस्था में चालक की निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। वह दूरी, गति और खतरे का सही आकलन नहीं कर पाता। यही कारण है कि अधिकांश देशों में शराब पीकर वाहन चलाने के खिलाफ कठोर कानून बनाए गए हैं। भारत में भी कानून मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन और प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी चुनौती बना हुआ है। पुलिस द्वारा समय-समय पर अभियान चलाए जाते हैं, फिर भी बड़ी संख्या में लोग नियमों की अनदेखी करते हैं। जब तक समाज में इस अपराध के प्रति शून्य सहनशीलता की भावना विकसित नहीं होगी, तब तक दुर्घटनाओं में कमी लाना कठिन होगा।

सड़क सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। अक्सर दुर्घटना होने पर पूरा दोष सरकार, प्रशासन या सड़क निर्माण एजेंसियों पर डाल दिया जाता है। निस्संदेह सरकार की जिम्मेदारी सुरक्षित सड़कें, उचित संकेतक, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और प्रभावी कानून उपलब्ध कराना है, लेकिन सड़क सुरक्षा केवल सरकार का विषय नहीं है। वाहन चालक, यात्री, वाहन मालिक और आम नागरिक भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, गति सीमा का पालन करना, मोबाइल फोन का उपयोग न करना और वाहन की नियमित जांच कराना जैसी छोटी-छोटी सावधानियां हजारों जीवन बचा सकती हैं।

जब तक नागरिक स्वयं नियमों के प्रति जागरूक और जिम्मेदार नहीं बनेंगे, तब तक केवल कानून बनाकर दुर्घटनाओं को नहीं रोका जा सकता।

कानून और दंड व्यवस्था पर प्रश्न उठते है।सड़क दुर्घटनाओं के बाद अक्सर यह सवाल उठता है कि दोषी चालकों को कठोर सजा क्यों नहीं मिलती। भारत में मोटर वाहन कानून समय-समय पर संशोधित किए गए हैं और जुर्माने भी बढ़ाए गए हैं। इसके बावजूद दुर्घटनाओं की संख्या चिंताजनक बनी हुई है। समस्या केवल कानून की नहीं बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन की भी है। कई मामलों में जांच और न्यायिक प्रक्रिया लंबी चलती है। इससे लोगों में यह धारणा बन जाती है कि नियम तोड़ने पर गंभीर परिणाम नहीं होंगे। आवश्यकता है कि दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों का शीघ्र निपटारा हो और लापरवाही साबित होने पर दोषियों को कठोर दंड मिले। इससे समाज में कानून के प्रति सम्मान और भय दोनों उत्पन्न होंगे।

भारत में सड़क दुर्घटनाओं की चुनौती

भारत विश्व के उन देशों में शामिल है जहां सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बहुत अधिक है। तेजी से बढ़ती वाहन संख्या, यातायात नियमों की अनदेखी, खराब ड्राइविंग संस्कृति और अपर्याप्त सड़क सुरक्षा जागरूकता इसके प्रमुख कारण हैं।

हर वर्ष लाखों लोग दुर्घटनाओं में घायल होते हैं और हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खो देते हैं। इनमें बड़ी संख्या युवा लोगों की होती है, जो देश की कार्यशील आबादी का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इस कारण दुर्घटनाएं केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक और सामाजिक नुकसान का भी कारण बनती हैं।

यदि दुर्घटनाओं की संख्या को कम करना है तो स्कूल स्तर से ही सड़क सुरक्षा शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। बच्चों और युवाओं में जिम्मेदार यातायात व्यवहार विकसित करना भविष्य की आवश्यकता है।

वडोदरा हादसे से सीख लेने की जरूरत है।वडोदरा का बस हादसा केवल एक समाचार नहीं है बल्कि एक चेतावनी है कि सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही कितनी बड़ी त्रासदी में बदल सकती है। आठ लोगों की जान चली गई, कई परिवारों ने अपने प्रियजन खो दिए और अनेक घायल जीवनभर उस दर्द को याद रखेंगे।

इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि चालक की सतर्कता, वाहन की तकनीकी स्थिति, सड़क पर खड़े वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था और यातायात नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। यदि इनमें से किसी एक पक्ष में भी कमी रह जाए तो परिणाम घातक हो सकते हैं।

सुरक्षित यातायात ही समाधान

सड़क दुर्घटनाएं किसी भी आधुनिक समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। इनके कारण होने वाली मृत्यु और आर्थिक क्षति को केवल भाग्य या दुर्भाग्य कहकर नहीं टाला जा सकता। यह एक ऐसी समस्या है जिसे सामूहिक प्रयासों से काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

सरकार को सड़कों और कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाना होगा। परिवहन कंपनियों को चालक सुरक्षा और प्रशिक्षण पर ध्यान देना होगा। पुलिस को नियमों का सख्ती से पालन कराना होगा और नागरिकों को जिम्मेदार यातायात व्यवहार अपनाना होगा।

वडोदरा की यह दर्दनाक दुर्घटना हमें याद दिलाती है कि सड़क पर की गई एक छोटी सी गलती कई परिवारों के जीवन में अंधेरा ला सकती है। यदि हम सचमुच ऐसी घटनाओं को रोकना चाहते हैं तो सड़क सुरक्षा को केवल नियम नहीं बल्कि सामाजिक संस्कार बनाना होगा। तभी मानव जीवन की रक्षा संभव होगी और देश सुरक्षित यातायात की दिशा में आगे बढ़ सकेगा।

कांतिलाल मांडोत

आत्मनिर्भरता स्वाभिमानी राष्ट्र का प्रतीक। आत्म सम्मान राष्ट्र की आत्मा

स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है ।एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि 'एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं',पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 75 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी।

हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है।महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी 'दैव दैव आलसी' पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी। दूसरों पर निर्भरता हमें दूसरों का अनुसरण करने के लिए मजबूर करती है। दूसरों पर निर्भर होने से हमें के अनुरूप ही जीवन जीने के लिए बाध्य होना पड़ता है। पराधीनता हमारा आत्मविश्वास सृजनशीलता सोचने की शक्ति को नष्ट कर देती है। गुलामी एक अभिशाप होती है, आत्मनिर्भरता की कमी हमें किंकर्तव्यविमूढ़ बना देती है। दूसरों की कृपा पर जीने वाला व्यक्ति जीवन के अक्षय आनंद से वंचित रहता है। खुद के परिश्रम श्रम से आगे बढ़ने वाला देश या व्यक्ति या समाज सदैव प्रफुल्लित आत्म विश्वासी तथा विकास की ओर सदैव अग्रसर रहता है। हमें सदैव अपने अंदर के आत्मविश्वास, छिपी हुई क्षमताओं मनोबल का सहारा लेकर आत्मनिर्भर या स्वावलंबी बनने का प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य को मनुष्य होने का अधिकार प्राप्त होता है। पराधीन देश सामान्य व्यक्ति सदैव पशु तुल्य होते हैं। जिनका अपना कोई विचार या व्यक्तित्व नहीं हो सकता है। कवि हरिवंश राय बच्चन की कविता- राम सहायक उनके होते, जो होते हैं, आप सहायक, हम सबको स्वयं पर भरोसा रखना आत्मबल बढ़ाने तथा आत्मनिर्भर होने की प्रेरणा देती रहती हैं। **संजीव ठाकुर**

दैनिक राशिफल

मेष
आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। धन संबंधी मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभ
आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। रुके हुए कार्य पूरे होने के संकेत हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और खान-पान में संयम बरतें।

मिथुन
नए लोगों से संपर्क लाभदायक रहेगा। नौकरी और व्यापार में प्रगति के अवसर मिल सकते हैं। अनावश्यक विवादों से बचें।

कर्क
भावनाओं पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक मामलों में धैर्य से काम लें। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

सिंह
नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने के योग हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा।

कन्या
योजनाबद्ध तरीके से काम करने से लाभ मिलेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला
दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। साझेदारी के कार्यों में सफलता मिल सकती है। किसी शुभ समाचार की प्राप्ति संभव है।

वृश्चिक
कार्यभार अधिक रह सकता है, लेकिन मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। निवेश के मामलों में विशेषज्ञ की सलाह लें।

धनु
भाग्य का साथ मिलेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं। धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी।

मकर
धन संबंधी मामलों में सावधानी रखें। नौकरी में वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

कुंभ
नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

मीन
रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंधों में सकारात्मकता रहेगी। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं।

कर्म सिद्धांत के आलोक में मोक्ष का मार्ग दिखाता है- गरुड़ महापुराण

भारतीय सनातन धर्म के अठारह महापुराणों में गरुड़ महापुराण का विशिष्ट स्थान है। यह केवल मृत्यु और परलोक का ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को धर्म, कर्म और मोक्ष की दिशा प्रदान करने वाला एक महान आध्यात्मिक ग्रंथ है। इसमें भगवान श्री विष्णु द्वारा प्रतिपादित कर्म सिद्धांत का विस्तृत विवेचन मिलता है, जिसके माध्यम से मनुष्य अपने कर्मों के अनुसार फल प्राप्त करता है और अंततः मोक्ष की ओर अग्रसर होता है। पुराणों के अनुसार पक्षीराज गरुड़ ने कठोर तपस्या कर भगवान श्री विष्णु को प्रसन्न किया। प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें वरदान मांगने को कहा। तब गरुड़जी ने अपनी माता विनता को नागों की दासता से मुक्त कराने के साथ साथ मानव कल्याण और मोक्ष के गूढ़ रहस्यों को जानने की इच्छा व्यक्त की। भगवान विष्णु ने उनकी दोनों कामनाएँ पूर्ण करते हुए उन्हें वह दिव्य ज्ञान प्रदान किया, और गरुड़ जी को अपना वाहन बनाकर यह वरदान भी दिया कि यह ज्ञान भविष्य में गरुड़ महापुराण के नाम से समस्त लोकों में प्रसिद्ध होगा।

शास्त्रों में वर्णित है कि जिस प्रकार देवताओं में महादेव, वृक्षों में पीपल और नदियों में गंगा श्रेष्ठ मानी जाती हैं, उसी प्रकार पुराणों में गरुड़ महापुराण का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसकी महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है कि जो व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ इसका श्रवण या पाठ करता है, उसे भौतिक सुखों के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति और मोक्ष की प्राप्ति भी होती है। ऐसी मान्यता है कि जिन घरों में गरुड़ महापुराण का सम्मान पूर्वक स्थान होता है,

वहाँ भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। समय के साथ एक भ्रांति समाज में प्रचलित हो गई कि गरुड़ महापुराण केवल किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद ही पढ़ा या सुनाया जाता है तथा इसे घर में रखना अशुभ माना जाता है। जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है। यह ग्रंथ जीवन को सही दिशा देने वाला ज्ञानकोश है, जिसे गीता, रामायण और अन्य पुराणों की भाँति किसी भी समय श्रद्धापूर्वक पढ़ा जा सकता है। वस्तुतः इसे केवल मृत्यु से जोड़कर देखना इसके व्यापक आध्यात्मिक संदेश को सीमित कर देना है।

गरुड़ महापुराण तीन प्रमुख भागों आचारकाण्ड, धर्मकांड (प्रेतकल्प) और ब्रह्मकांड में विभाजित है। आचारकाण्ड में सृष्टि की उत्पत्ति, ग्रह-नक्षत्रों का ज्ञान, भक्ति, वैराग्य, व्रत, तीर्थ और धर्माचरण का विस्तार से वर्णन मिलता है। धर्मकांड अथवा प्रेतकल्प में मृत्यु के बाद जीवात्मा की यात्रा, दाह-संस्कार, पिंडदान, श्राद्ध, दान तथा कर्म अनुसार स्वर्ग और नरक की अवस्थाओं का वर्णन किया गया है। वहीं ब्रह्मकांड में जीवात्मा के मोक्ष मार्ग और परम सत्य की प्राप्ति का गूढ़ विवेचन मिलता है। गरुड़ महापुराण का मूल संदेश है कि मनुष्य अपने कर्मों का स्वयं निर्माता है। मृत्यु के पश्चात न तो धन साथ जाता है और न ही सांसारिक वैभव; केवल उसके सत्कर्म, दान और पुण्य ही उसकी वास्तविक संपत्ति बनकर साथ चलते हैं। जीवन भर मन, वचन और कर्म से किए गए शुभ-अशुभ कार्यों के आधार पर ही जीवात्मा को उनके अनुरूप फल प्राप्त होता है। यही कर्म सिद्धांत इस ग्रंथ की केंद्रीय धुरी है।

हिंदू समाज में किसी परिजन की मृत्यु के पश्चात गरुड़ पुराण का पाठ कराने की परंपरा इसी उद्देश्य से विकसित हुई कि जीवित लोग जीवन की नश्वरता को समझें और धर्ममय आचरण की प्रेरणा ग्रहण करें। सामान्यतः इसमें गरुड़ महापुराण के द्वितीय खंड प्रेतकल्प के सोलह अध्यायों का वाचन कराया जाता है। वर्तमान समय की व्यस्त जीवनशैली के कारण अधिकांश लोगों ने गरुड़ पुराण को केवल शोक अवसरों पर ही सुना है। आज अनेक लोग अपने पूर्वजों के श्राद्ध, तर्पण और अन्य धार्मिक कर्तव्यों को केवल औपचारिकता या दिखावे के रूप में निभाने लगे हैं। ऐसी स्थिति में इन कर्मों का वास्तविक आध्यात्मिक उद्देश्य अधूरा रह जाता है और परिणामस्वरूप इसके व्यापक दार्शनिक और आध्यात्मिक पक्ष से समाज का एक बड़ा वर्ग अनभिज्ञ है।

आज भौतिक समृद्धि और सुविधाओं के बावजूद परिवारों में बढ़ती अशांति, तनाव, कलह और मानसिक असंतोष चिंतन का विषय है और यह भी माना जाता है कि परिवार में निरंतर कलह, मानसिक अशांति और अनेक प्रकार की परेशानियाँ पितृदोष से संबंधित हो सकती हैं। शास्त्रों में पूर्वजों के प्रति कर्तव्यों की उपेक्षा को भी अनेक समस्याओं का कारण माना गया है। गरुड़ महापुराण स्पष्ट संदेश देता है कि श्राद्ध, तर्पण, दान और अन्य धार्मिक कर्तव्य केवल औपचारिकता या दिखावे के लिए नहीं, बल्कि श्रद्धा, पवित्रता और निस्वार्थ भाव से किए जाने चाहिए। ऐसे कार्य दिवंगत आत्माओं के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ-साथ परिवार में सकारात्मक ऊर्जा, सुख और समृद्धि का वातावरण निर्मित करते हैं।

वस्तुतः गरुड़ महापुराण केवल मृत्यु का ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला मार्गदर्शक है। यह मनुष्य को सत्कर्म, सदाचार, करुणा, दान और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है तथा बताता है कि मोक्ष कोई रहस्यमयी उपलब्धि नहीं, बल्कि श्रेष्ठ कर्मों और शुद्ध आचरण का स्वाभाविक परिणाम है। गरुड़ महापुराण मनुष्य को केवल मोक्ष का मार्ग ही नहीं दिखाता, बल्कि यह भी सिखाता है कि दिवंगत परिजनों की स्मृति में किए जाने वाले सभी कार्य श्रद्धा, पवित्रता, निष्कपट भाव और बिना किसी दिखावे के किए जाने चाहिए, ताकि उनके आशीर्वाद से परिवार में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे। गरुड़ महापुराण को अन्य धार्मिक ग्रंथों की भाँति किसी भी समय श्रद्धा और शुद्ध भाव से पढ़ा या सुना जा सकता है। इसमें वर्णित गूढ़ रहस्यों और जीवन-दर्शन को समझकर मनुष्य अपने जीवन को सद्कर्मों की दिशा में ले जा सकता है तथा अधर्म और कष्टों से बचते हुए मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर हो सकता है।

अरविंद रावल

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

गाजे-बाजे के साथ निकली भव्य कलश यात्रा, जयघोष से भक्तिमय हुआ नगर

रुद्रपुर, देवरिया। दुग्धेश्वर नाथ मंदिर परिसर स्थित विष्णु मंदिर में स्थापित होने वाले रुद्रेश्वर महादेव, काल भैरव एवं बटुक भैरव की प्राण प्रतिष्ठा एवं महायज्ञ के शुभारंभ के अवसर पर गुरुवार को नाथ बाबा मंदिर परिसर से नगर में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे, धार्मिक जयघोष और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच निकली यात्रा से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। कलश यात्रा का शुभारंभ दुग्धेश्वर नाथ मंदिर से हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया। श्रद्धालु भगवान शिव और माता रानी के जयकारे लगाते हुए नगर के प्रमुख मार्गो से गुजरे। बैंड-बाजों और धार्मिक धुनों के बीच निकली शोभायात्रा आकर्षण का केंद्र बनी रही। नगर भ्रमण करते हुए कलश यात्रा यज्ञ स्थल पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलशों की स्थापना की गई। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। कलश यात्रा में यजमान परिवार के अरविन्द पाण्डेय, आदित्य पाण्डेय,विकास पाण्डेय,भोलू पाण्डेय के साथ नगर के गणमान्य नागरिक डा एस पी त्रिपाठी, सुनील मिश्रा,मन्मथ त्रिपाठी आदि श्रद्धालु एवं धर्मप्रेमी बड़ी संख्या में शामिल रहे। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से कथा एवं धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता की अपील की है।

मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण: देवरिया को 380 आवासों का लक्ष्य

देवरिया। जनपद को वित्तीय वर्ष 2026-27 में मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 380 आवासों का लक्ष्य आवंटित किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि प्राकृतिक आपदा प्रभावित, मुसहर, नट, थारू, दिव्यांगजन, निराश्रित महिला समेत विभिन्न पात्र श्रेणियों के आवासविहीन परिवारों को योजना का लाभ दिया जाएगा। विकास खंडवार लक्ष्य भी निर्धारित कर दिए गए हैं। सबसे अधिक 40 आवास भलुअनी, 35-35 रुद्रपुर और गौरीबाजार, जबकि 30-30 भाटपाररानी एवं पथरदेवा को आवंटित किए गए हैं। पात्र परिवार विकास खंड कार्यालय में आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकते हैं। सत्यापन के बाद पात्र लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराया जाएगा।

गो-आश्रय स्थलों की जांच के लिए अधिकारियों की तैनाती

देवरिया। विशेष भूसा संग्रहण अभियान के तहत संचालित गो-आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं के सत्यापन के लिए जिला प्रशासन ने अधिकारियों की तैनाती की है। मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने तीन दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जिले के विभिन्न गो-आश्रय स्थलों के लिए अलग-अलग विभागीय अधिकारियों को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें पिपराचंद्रभान, सुकरौली, घाटी, कोला महुई पाण्डेय, भेड़ापाकड़, भैंसाडाबर, सोनहुला रामनगर और घुघा स्थित गो संरक्षण केंद्र एवं आश्रय स्थल शामिल हैं।

रोजगार मेले में 120 अभ्यर्थियों का चयन

देवरिया। राजकीय आईटीआई बैतालपुर एवं जिला सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रोजगार मेले में 280 युवाओं ने प्रतिभाग किया। मेले में शामिल चार निजी कंपनियों ने साक्षात्कार के बाद 120 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन किया। जिला सेवायोजन अधिकारी रोहन अपूर्व सिन्हा ने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अन्य अभ्यर्थी भी निरंतर प्रयास जारी रखें। रोजगार मेले का उद्देश्य युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

गोरखपुर: चोरी-छिनैती गैंग पर पुलिस का शिकंजा, दो शातिर अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जिले में संगठित अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत राजघाट पुलिस ने चोरी और छिनैती की वारदातों को अंजाम देने वाले एक सक्रिय गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उसके दो सदस्यों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से अपराध जगत में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी कोतवाली के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष राजघाट द्वारा गिरोह के सरगना आदित्य चौहान और उसके सहयोगी मुख्तार अली खान उर्फ नन्दू के विरुद्ध उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम (गैंगस्टर एक्ट) के तहत कार्रवाई की गई। दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना राजघाट में मुकदमा संख्या 114/2026 दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार गैंग लीडर आदित्य चौहान अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी, छिनैती और अन्य गंभीर अपराधों को अंजाम देता रहा है। उसके आपराधिक कृत्यों के कारण आम जनता में भय और असुरक्षा का माहौल व्याप्त था। अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा गिरोह के सदस्यों की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए जिला मजिस्ट्रेट की स्वीकृति के बाद गैंग चार्ट तैयार कर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आदित्य चौहान के खिलाफ कैंट, गुलरिहा, राजघाट, शाहपुर और रामगढ़ताल थानों में लूट के प्रयास, चोरी, एनडीपीएस एक्ट, एससी/एसटी एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। वहीं मुख्तार अली खान उर्फ नन्दू के खिलाफ भी राजघाट और रामगढ़ताल थानों में चोरी तथा अन्य आपराधिक मामलों के मुकदमे दर्ज हैं। राजघाट पुलिस का कहना है कि दोनों अभियुक्त लंबे समय से संगठित तरीके से आपराधिक गतिविधियों में लिप्त थे। इनके विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई का उद्देश्य न केवल इनके आपराधिक नेटवर्क को ध्वस्त करना है, बल्कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाना भी है।

सड़क हादसे में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत

सहजनवा/गोरखपुर: सहजनवा थाना क्षेत्र के मिनवा निवासी एक 52 वर्षीय महिला को नशे में धुत बाइक सवार ने ठोकर मार दिया था। जिसकी मेडिकल कालेज में बीती रात्रि इलाज के दौरान मौत हो गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी से थाना क्षेत्र के मिनवा निवासी सुमित्रा पत्नी शीतल 52 वर्ष जिनका चौराहे पर मकान है। 7 जून को रात्रि में 8 बजे के करीब सड़क पार कर रही थी। उसी दौरान नशे की हालत में बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दिया था। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। जिला अस्पताल से रेफर होने के बाद उनका इलाज मेडिकल कालेज में चल रहा था। जिनकी बीती रात्रि इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिया भेज दिया। मृतिका के दो लड़के और दो लड़की है। सभी की शादी हो चुकी है।

सरकारी चकमार्ग से अतिक्रमण हटाने की उठी मांग, समाधान दिवस में किया शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार गोरखपुर: गोला तहसील पर आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में एक ग्रामीण ने चकमार्ग पर हुए कथित अवैध अतिक्रमण को हटाने की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि राजस्व अभिलेखों में चकमार्ग दर्ज होने के बावजूद आज तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया है।

प्राप्त विवरण के अनुसार ग्राम सिसवा निवासी हरिप्रसाद पुत्र स्व. खुरबुर ने समाधान दिवस में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि गांव के ही अनार पुत्र हरवंशी ने आराजी संख्या 101/0.036 हेक्टेयर में से 0.004 हेक्टेयर भूमि पर झोपडी आदि रखकर कब्जा कर लिया है। इस संबंध में उन्होंने तहसीलदार गोला के यहां उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 67 के तहत वाद दायर किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, मुकदमा में तहसीलदार द्वारा 2017 में बेदखली का आदेश पारित करते हुए तीन हजार तीन सै चालीस रुपये की क्षतिपूर्ति भी आरोपित की गई थी। इसके बाद चकमार्ग को खाली कराने की कार्रवाई शुरू की गई, लेकिन हल्का लेखपाल द्वारा 21 नवंबर 2017 को कथित रूप से कायमी दर्ज कर दी गई। हरिप्रसाद का कहना है कि उक्त कायमी को बाद में 27 सितंबर 2023 को निरस्त कर दिया गया, लेकिन इसके बावजूद आज तक चकमार्ग से अतिक्रमण नहीं हटाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार आईजीआरएस पोर्टल और संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत करने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

शिकायतकर्ता ने प्रशासन से आराजी संख्या 101/0.036 हेक्टेयर स्थित चकमार्ग से अवैध अतिक्रमण हटवाने तथा मार्ग को सार्वजनिक उपयोग के लिए मुक्त कराने की मांग की है। शिकायत कर्ता का यह भी आरोप है कि तहसील प्रशासन के द्वारा मामले में लापरवाही किया जा रहा है।

नेपाल का नागरिक, भारत में मास्टर! महराजगंज में दोहरी नागरिकता से नौकरी का फर्जीवाड़ा उजागर

● महराजगंज में दोहरी नागरिकता का बड़ा खेल!'सीमा पर 'नागरिकता घोटाला' ठूठीबारी के बाद निचलौल में फंसा फर्जीवाड़ा, शिक्षक की नौकरी पर संकट'

नेपाल का स्थाई निवासी भारत में बना सरकारी शिक्षक, डीएम से जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

(ठूठीबारी) निचलौल, महराजगंज। भारत- नेपाल सीमा से सटे महराजगंज जिले में दोहरी नागरिकता का सनसनीखेज मामला सामने आया है। निचलौल निवासी सीमा देवी ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा किया है। नेपाल पुलिस की कार्रवाई से बड़ा राज सामने आया जिसमें 11 जून 2026 को फर्जी नागरिकता के आरोप में लक्ष्मीपुर भुजहवां, थाना-ठूठीबारी के एक व्यक्ति को नेपाल पुलिस ने जेल भेजा। इसी तर्ज पर निचलौल का मामला भी गरमाया है। आरोप किस है कि महाशय मोहल्ला, वार्ड नं-03, नगर पंचायत निचलौल निवासी अयोध्या पटेल पुत्र स्व. ऋषिकेश पटेल वह नेपाल के जिला नवल परासी, सोनौली ग्राम -5, लुम्बिनी प्रदेश का स्थाई निवासी है। उसके पास नेपाल का नागरिकता नं-135 और मतदाता पहचान पत्र भी है।

भारत में नौकरी का खेल का भांडा भोड़ हुआ है। आरोप है कि अयोध्या पटेल नेपाल का नागरिक होते हुए भी भारत के महराजगंज जिले में मृतक आश्रित कोटे से अध्यापक के पद पर कार्यरत है। वह ग्राम -नन्दना , ब्लाक-मिठौरा, तहसील-सदर में तैनात बताया जा रहा है। फर्जी दस्तावेज का आरोप लगाते हुए शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने फर्जी परिवार रजिस्टर की नकल लगाकर नौकरी हासिल की। पुलिस क्षेत्राधिकारी निचलौल की जांच में उसने लिखित बयान दिया कि ट्ठ 'मेरे पूर्वज नेपाल में रहते थे, मेरा नेपाल से कोई रिश्ता नहीं 'जबकि शिकायतकर्ता के पास नेपाल की नागरिकता समेत सारे साक्ष्य मौजूद हैं। राजनीतिक दबाव का आरोप भी प्रार्थिनी सीमा देवी ने लगाते हुए आगे बताया कि राजनीतिक पकड़ और ऊंची पहुंच के दबाव में जांच को अधूरा कर शिकायत का निस्तारण कर दिया गया।

अब पीड़िता ने डीएम महराजगंज को पत्र देकर मांग की है कि अयोध्या पटेल की नागरिकता और परिवार रजिस्टर की निष्पक्ष जांच कराकर कानूनी कार्रवाई की जाए। पत्र के साथ नेपाल की नागरिकता, वोटर आईडी, भारत की वोटर लिस्ट और आधार कार्ड की छायाप्रति भी संलग्न की गई है।

बड़ा सवाल.... सीमा पर दोहरी नागरिकता लेकर सरकारी नौकरी करने का यह पहला मामला नहीं है। 11 जून को ठूठीबारी थाने का एक व्यक्ति भी नेपाल में जेल जा चुका है। सवाल यह है कि आखिर प्रशासन की नाक के नीचे यह खेल कब तक चलेगा? क्या डीएम महराजगंज इस मामले में सख्त कार्रवाई करेंगे?

दो दिवसीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जनपद के बैतालपुर स्थित कृषि प्रशिक्षण केंद्र सभागार में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा और कृषि विभाग के समन्वय से दो दिवसीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष काली प्रसाद ने कहा कि प्राकृतिक खेती खेती की लागत को कम करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है, जिससे रसायनमुक्त कृषि को प्रोत्साहन मिल रहा है और लोगों को गंभीर बीमारियों से बचाने में मदद मिलेगी। प्राकृतिक खेती विशेषज्ञ एवं भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष हरी राय ने बताया कि देसी गाय के गोबर, गोमूत्र, गुड़, बेसन और वन की पत्तियों से जीवामृत एवं बीजामृत जैसे प्राकृतिक खाद और कीट नियंत्रक तैयार किए जाते हैं।

भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को अनुदान उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, जल धारण क्षमता में सुधार होता है और सिंचाई की आवश्यकता कम पड़ती है। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने जीवामृत और घनजीवामृत बनाने की विधि का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने प्राकृतिक खेती से संबंधित विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, कृष्णनाथ राय, अंबिकेश पांडेय, गंगा सिंह कुशवाहा, राजेश मिश्रा, काशीपति शुक्ल, उप कृषि निदेशक सुभाष चन्द्र मौर्य सहित बड़ी संख्या में किसान एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नि:शुल्क आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

देवरिया। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, मेहरौना में कक्षा 6, 7, 8 और 9 की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह विद्यालय पूर्णतः आवासीय एवं निःशुल्क है।

ऑफलाइन आवेदन 27 जून तक जमा किए जा सकेंगे। प्रवेश परीक्षा 3 जुलाई को आयोजित होगी, जबकि चयनित विद्यार्थियों की सूची और प्रवेश प्रक्रिया 6 जुलाई को पूरी की जाएगी। आवेदन पत्र और प्रवेश पत्र विद्यालय से निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर पाण्डेय ने पात्र विद्यार्थियों से समय पर आवेदन करने की अपील की है।

अधिवक्ताओं का धरना चौथे दिन भी जारी

एसडीएम ने लिया पत्रक

रुद्रपुर, देवरिया। तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अनियमितता के विरोध में तहसील बार एसोसिएशन की अधिवक्ताओं द्वारा आज चौथे दिन भी अनवरत धरना जारी रहा। इस संबंध में बार एसोसिएशन के महामंत्री विनोद पाठक ने बताया कि आज अपराह्न एसडीएम अवधेश कुमार निगम आए थे और हमने उनको 28 सूत्रीय मांग पत्र सौंप दी है। जिसमें प्रमुख रूप से नायब तहसीलदार अनिल तिवारी के गैर जिम्मेदाराना रवैये और आर के दफ्तर, कंप्यूटर रूम की कार्यप्रणाली, एवं राजस्व न्यायालय से संबंधित कर्मचारियों द्वारा अपनी जिम्मेदारी ठीक ढंग से निर्वहन न करने से क्षुब्ध होकर यह धरना आगे भी जारी रहेगा। जब तक एसडीम कोई लिखित आश्वासन नहीं देते हैं। यह धरना हम अधिवक्ताओं की कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा या हठधर्मिता नहीं है। यह धरना जनता के लिए और जनता के हित में दिया जा रहा है। इस संबंध में एसडीएम अवधेश निगम ने कहा कि हम मांग पत्र पर अध्ययन करके एक विस्तृत रूपरेखा बनाकर इन मांगों के निस्तारण की दिशा में कार्य करेंगे और आगे अधिवक्ताओं को शिकायत करने का मौका नहीं दिया जाएगा। इस अवसर पर राजेश त्रिपाठी, आनंद शंकर मणि, विजय सिंह, विश्व विजय मल्ल, राजेश्वरी मिश्रा, फणींद्र पांडे, हनुमान शुक्ला, रामेश्वर मणि, सत्य प्रकाश गुप्ता, अजीत त्रिपाठी, कृष्ण मूर्ति मणि, शशि भूषण, सतीश गुप्ता, तारकेश्वर आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

गोरखपुर: पिपराइच के बैलो गांव में महिला की संदिग्ध मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। पिपराइच थाना क्षेत्र के ग्राम बैलो में गुरुवार को एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि पुलिस का कहना है कि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान आरती शर्मा (पत्नी छोटेलाल शर्मा) निवासी ग्राम बैलो, थाना पिपराइच के रूप में हुई है। गुरुवार को उनकी अचानक तबीयत बिगड़ने और फिर मौत होने की सूचना पुलिस को मिली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और परिजनों तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं गांव में महिला की मौत को लेकर लोगों के बीच विभिन्न प्रकार की चर्चाएं हो रही हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है ताकि किसी भी तथ्य की अनदेखी न हो।

इस संबंध में क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज ने बताया कि आरती शर्मा पत्नी छोटेलाल शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृत्यु का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद यदि किसी प्रकार की आपराधिक घटना या अन्य संदिग्ध तथ्य सामने आते हैं तो उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और सभी तथ्यों को संकलित किया जा रहा है।

गोरखपुर: कलियुगी बेटे ने कुल्हाड़ी से काटकर की पिता की निर्मम हत्या, गांव में सनसनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जिले के गुलरिहा थाना क्षेत्र के जंगल अयोध्या प्रसाद नौका टोला में बुधवार व गुरुबार की रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक कलियुगी बेटे ने अपने ही पिता की कुल्हाड़ी से वार कर निर्मम हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई और लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जंगल अयोध्या प्रसाद नौका टोला निवासी ब्रह्मदेव कनौजिया रात में अपने घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। इसी दौरान भोर के 3,30 पर उनके पुत्र गोलू ने उन पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में ब्रह्मदेव गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गए। शोर सुनकर परिवार के सदस्य और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया।

ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची गुलरिहा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू की तथा आरोपी गोलू को हिरासत में ले लिया। पुलिस घटना के पीछे के कारणों की जांच कर रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार पिता-पुत्र के बीच पहले भी विवाद होने की चर्चाएं सामने आती रही हैं, हालांकि हत्या के पीछे की वास्तविक वजह क्या है, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है। पुलिस परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम पसरा हुआ है और लोग इस घटना को लेकर स्तब्ध हैं। ग्रामीणों का कहना है कि किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि एक बेटा अपने ही पिता की इतनी बेरहमी से हत्या कर देगा।

गुलरिहा थाना पुलिस का कहना है कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है और लोग इसे रिश्तों को शर्मसार करने वाली वारदात बता रहे हैं।

सराहनीय पहल: जिलाधिकारी ने दिव्यांग व्यक्ति को मौके पर ही दिलाई ट्राईसाइकिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनता दर्शन जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान संवेदनशील एवं सराहनीय पहल देखने को मिली। जनसुनवाई के क्रम में दिव्यांग शिकायतकर्ता अनमोल पुत्र अयोध्या प्रसाद, निवासी ग्राम रुदौलिया करनैलगंज, गोण्डा ने अपनी समस्या को लेकर उपस्थित हुए। उनकी स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अपने कार्यालय कक्ष से बाहर आकर उनकी बातों को गंभीरता एवं भावपूर्ण ढंग से सुना।

अनमोल ने अपनी दैनिक जीवन की कठिनाइयों को साझा करते हुए आवागमन में आ रही समस्याओं से अवगत कराया। जिलाधिकारी ने तत्काल मामले की गंभीरता को समझते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों से मौके पर ही वार्ता की और आवश्यक निर्देश दिए। उनकी तत्परता और सकारात्मक पहल के परिणामस्वरूप कलेक्ट्रेट परिसर में ही दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई गई। साथ ही उपरोक्त व्यक्ति को दिव्यांग पेंशन व अन्य योजनाओं का लाभ शीघ्रातिशीघ्र दिलाने के निर्देश दिये हैं ।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने जिलाधिकारी की इस संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्यवाही की सराहना की। यह पहल न केवल प्रशासन की जवाबदेही को दर्शाती है, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति और सहयोग की भावना को भी मजबूत करती है।जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि हर जरूरतमंद व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिव्यांगजन एवं अन्य पात्र लाभार्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।मौके पर अपर उपजिलाधिकारी विशाल कुमार, वसीम अहमद दिव्यांग विभाग उपस्थित रहे।

गौरीगंज में भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित हुआ 'संकल्प से सिद्धि' सम्मेलन

गौरीगंज, अमेठी। भारतीय जनता पार्टी के जिला मुख्यालय, गौरीगंज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन,सेवा एवं गरीब कल्याण को समर्पित 140 करोड़ भारतीयों की निरंतर सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक भव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप में डॉ एम.पी.सिंह ने संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्पों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता एवं वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित किए हैं। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है, जिससे करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने की। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संगठन की मजबूती एवं जनसेवा के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। सम्मेलन में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, प्रमुख पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में भाजपा समर्थकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू (भानू) ने सौंपा 22 सूत्रीय ज्ञापन

● ब्लॉक अध्यक्ष हरकेश तिवारी के नेतृत्व में सौंपा गया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। भारतीय किसान यूनियन (भानू) के ब्लॉक अध्यक्ष हरकेश तिवारी के नेतृत्व में बुधवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर 22 सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधिकारी मुसाफिरखाना को संबोधित करते हुए नायब तहसीलदार के माध्यम से सौंपा गया। संगठन ने किसानों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों के शीघ्र समाधान की मांग करते हुए प्रशासन से प्रभावी कार्रवाई की अपेक्षा की। ज्ञापन में धान रोपाई के मौसम को देखते हुए सहकारी समितियों पर पर्याप्त मात्रा में खाद एवं उर्वरक उपलब्ध कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इसके अलावा शुकुल बाजार डाकघर परिसर में स्वच्छ पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था तथा छायादार शेड की व्यवस्था किए जाने की मांग भी की गई।

किसान नेताओं ने छुट्टा एवं निराश्रित गोवंशों से किसानों की फसलों को हो रहे भारी नुकसान पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रभावी नियंत्रण की मांग की। साथ ही क्षेत्र की गौशालाओं की व्यवस्थाओं की जांच कर गोवंश संरक्षण एवं किसानों की फसलों की सुरक्षा के लिए ठोस और स्थायी कदम उठाने की मांग की गई।इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों की समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं, जिनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

ज्ञापन सौंपने के अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (भानू) अमेठी के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र नाथ मिश्रा सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। किसान नेताओं ने प्रशासन से किसानों के हित में त्वरित एवं प्रभावी कदम उठाने की मांग करते हुए कहा कि कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए किसानों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान आवश्यक है।

संक्षिप्त खबरें

दस्तावेज लेखक, स्टांप वेंडर नाराज नए आदेश से रोजगार छिनने का आरोप, ज्ञापन सौंपा

सुल्तानपुर- गुरुवार को दस्तावेज लेखकों, स्टांप वेंडरों और कंप्यूटर ऑपरेटरों ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध रजिस्ट्री और पंजीकरण विभाग से जुड़े एक नए आदेश को लेकर है। तहसील संघ ने इस संबंध में जिला निबंधक को एक ज्ञापन सौंपा है। यह पूरा मामला उत्तर प्रदेश शासन के पंजीकरण एवं निबंधन विभाग द्वारा 4 जून को जारी एक पत्र (संख्या 2523 / ई-पंजीकरण / शि0क0लख0 / 2026) से जुड़ा है। इस नए आदेश के तहत अब विशिष्ट या निजी संस्थाओं को भी दस्तावेजों का पंजीकरण कराने की अनुमति दी गई है। शासन के इस फैसले से दस्तावेज लेखक तहसील संघ सदर (रजिस्ट्री कंपाउंड) के बैनर तले कार्यरत कर्मियों में भारी नाराजगी है। संघ ने जिला निबंधक सुल्तानपुर को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि सरकार का यह कदम लाखों लोगों की आजीविका पर सीधा असर डालेगा। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि इस नई योजना के लागू होने से उत्तर प्रदेश के लाखों अधिवक्ता, बैनामा लेखक, स्टांप वेंडर, कंप्यूटर ऑपरेटर और मुंशी बेरोजगार हो जाएंगे। प्रदर्शनकारियों ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक तरफ रोजगार देने का दावा किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ ऐसे फैसलों से बना-बनाया रोजगार छीना जा रहा है। नाराज कर्मियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि इस शासनादेश को तत्काल वापस नहीं लिया गया, तो सदर तहसील के सभी कार्यरत व्यक्ति पंजीकरण कार्य से पूरी तरह विरत रहेंगे। इसका अर्थ है कि आदेश वापस होने तक रजिस्ट्री का कामकाज पूरी तरह ठप रहेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में शैलेंद्र श्रीवास्तव, मो. अकरम, राजेश श्रीवास्तव, अब्दुल हसन, विजय कुमार सिंह और अरविंद सिंह यादव सहित दर्जनों प्रमुख पदाधिकारी और तहसील कर्मी शामिल थे।

जामिया इस्लामिया में शुरू हुआ जलसा शोहदा-ए-इस्लाम

मौलाना अब्दुल अली फारूकी ने किया संबोधित

जामिया इस्लामिया सुल्तानपुर में प्रसिद्ध दीनी कार्यक्रम 'जलसा शोहदा-ए-इस्लाम' के 20वें वर्ष का बुधवार को शुभारंभ हुआ। दो दशकों से लगातार आयोजित हो रहा यह जलसा क्षेत्र में दीनी, तालीमी और सामाजिक जागरूकता का महत्वपूर्ण मंच माना जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ आलिम-ए-दीन मौलाना मोहम्मद उस्मान कासमी ने की। इस जलसे में जनपद सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में अकीदतमंदों और उलेमा-ए-किराम ने शिरकत की। पहली नशिस्त में मुख्य वक्ता के रूप में मौलाना अब्दुल अली फारूकी ने कुरआन, सीरत-ए-नबी और सहाबा-ए-किराम की शिक्षाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कुरआन इंसानियत के लिए एक मुकम्मल मार्गदर्शक है और इसकी शिक्षाओं पर अमल कर ही दुनिया और आखिरत में कामयाबी हासिल की जा सकती है। उन्होंने सहाबा-ए-किराम की जीवनशैली को आदर्श बताते हुए कहा कि अल्लाह और उसके रसूल से सच्ची मोहब्बत का तकाजा है कि इंसान उनके बताए हुए रास्ते पर चले। मुहर्रम के महीने के संदर्भ में मौलाना फारूकी ने कहा कि नए इस्लामी वर्ष की शुरुआत आपसी भाईचारे, अमन, खुशहाली और नेक कार्यों के संकल्प के साथ की जानी चाहिए। उन्होंने लोगों से समाज में प्रेम, सद्भाव और इंसानियत के मूल्यों को बढ़ावा देने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में मौलाना अब्दुल अली फारूकी ने देश में अमन-चैन, तरक्की, खुशहाली और मानवता की भलाई के लिए विशेष दुआ कराई। जलसे के सफल आयोजन में जामिया इस्लामिया प्रबंधन समिति, स्थानीय उलेमा तथा स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं, सोशल मीडिया इंचार्ज अलकमा नोमान ने कार्यक्रम की लाइव कवरेज और सोशल मीडिया प्रसारण की जिम्मेदारी संभाली, जिसके माध्यम से देश-विदेश में मौजूद लोग भी जलसे की गतिविधियों से जुड़े रहे। जलसे का सिलसिला आगामी सत्रों में भी जारी रहेगा, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले उलेमा-ए-किराम अपने विचार रखेंगे।

अमेरिकी नौसेना के हमले में भारतीय नाविकों की मौत, वामपंथी दलों ने किया प्रदर्शन, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर- संयुक्त वामपंथी मोर्चा की जिला इकाई ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन अमेरिकी नौसेना द्वारा स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में भारतीय नाविकों वाले वाणिज्यिक जहाजों पर किए गए हमले और उसमें तीन भारतीय नाविकों की मौत के विरोध में था। मोर्चा के पदाधिकारियों ने इस संबंध में राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।वामपंथी दलों ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से गुजर रहे भारतीय नाविकों वाले कमर्शियल जहाजों पर अमेरिकी नौसेना के हमले की कड़ी निंदा की है। मोर्चे के अनुसार, इस हमले में तीन भारतीय नाविक मारे गए हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय क्रू वाले जहाजों पर यह इस तरह का तीसरा हमला है, और अमेरिकी सरकार उन जहाजों पर लगातार हमले जारी रखने की धमकी दे रही है जो उसके प्रतिबंधों का उल्लंघन करेंगे।ज्ञापन में केंद्र की भाजपा सरकार पर देश की पारंपरिक स्वतंत्र विदेश नीति से पीछे हटने का आरोप लगाया गया है। वामपंथी नेताओं का कहना है कि सरकार अमेरिका की 'कनिष्ठ साझेदार' बनकर अपने कर्तव्य में विफल हो रही है। उनका मानना है कि अमेरिका से माफी तक न मंगवा पाना सरकार की कमजोर प्रतिक्रिया को दर्शाता है, जो भारत की संप्रभुता और आत्मसम्मान पर आघात है।नेताओं ने यह भी कहा कि ईरान और पश्चिम एशिया पर अमेरिकी हमलों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है, जिससे ईंधन, उर्वरक और अन्य जरूरी चीजों की कीमतें बढ़ी हैं। उन्होंने मांग की कि भारत को वैश्विक दक्षिण की आवाज बनते हुए अमेरिकी आक्रामकता के खिलाफ खड़ा होना चाहिए।वामपंथी मोर्चे ने सरकार से मारे गए निर्दोष भारतीय नाविकों के परिवारों को उचित मुआवजा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार अमेरिकी आक्रामकता के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराए और भारतीय नाविकों की हत्या की निंदा करे। इसके अतिरिक्त, इन मौतों के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने के लिए भारत सरकार को सभी आवश्यक कूटनीतिक उपाय अपनाने चाहिए।ज्ञापन सौंपने वालों में राधेश्याम वर्मा (जिला मंत्री), राम प्रसाद पांडेय (राज्य सचिवालय मंडल सदस्य) और मोहम्मद सैफ अली (जिला मंत्री, भा.क.पा.) शामिल थे।

क्यों लड़िया पुलिस की बड़ी कार्यवाही बिजली का सामान चोरी करने वाले बैंक को पकड़ा

● गैंग के पास से बड़ी मात्रा में सामान बरामद दो तमंचे बिजली के तार ट्रांसफार्मर का तेल मोबाइल एवं गाड़ी बरामद की गई है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ क्यों लड़िया पुलिस ने बीती रात मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना क्षेत्र के गांव धनौर जागीर के पास ही पुलिस टीम ने चारों तरफ से घेराबंदी करके बिजली का सामान चोरी करने वाले गैंग को घेर लिया अपने को घिरा देखते हुए पुलिस टीम पर बदमाशों ने गोली चला दी जिससे पुलिस टीम बाल बाल बची। जवाब में पुलिस ने भी गोलियां दागी जिससे एक बदमाश घायल हो गया ग्रस्त पर निकले प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह बीती रात धनौर जागीर दलेल नगर मार्ग पर जा रहे थे रास्ते में मुखबिर ने पुलिस को सूचना दी बिजली का तार काटने एवं ट्रांसफार्मर से तेल निकालने का गैंग उपरोक्त जगह पर है इस पर प्रभारी निरीक्षक ने भारी पुलिस बल को सूचना देकर बदमाशों का घिराव कर दिया। जिसमें मोहम्मद आसिफ पुत्र नन्हे निवासी करमपुर चौधरी थाना इज्जत नगर बरेली मोहम्मद हसीन पुत्र इजरायल मोहम्मद मुजम्मिल पुत्र शम्सुर अहमद निवासी आमखेड़ा थाना जहानाबाद जनपद पीलीभीत मोहम्मद रेहान पुत्र तुफैल अहमद निवासी शेखपुर थाना बहेड़ी आसिफ पुत्र बशीर अहमद निवासी मंडलपुर सुमाली थाना पहेली इस्तकार पुत्र इस्लाम अहमद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से पुलिस ने ट्रांसफार्मर का तेल 33 केवि विद्युत लाइन का तार तमंचा 315 बर बरामद किए गए बदमाशों के हमले में पुलिस टीम बाल बाल बची है पुलिस पर फायर चलने वाले बदमाश को हेड कांस्टेबल नवीन कुमार ने साहस दिखाते हुए उसे दौड़ कर दबोच लिया पुलिस ने बिजली समान चोरी करने वाले गैंग को पकड़ कर बड़ी सफलता हासिल की है। इसे पकड़ने के लिए प्रभारी निरीक्षक के वेद सिंह उप निरीक्षक सौरभ कुमार यादव कांस्टेबल सुमित कुमार श्रवण कुमार नवीन कुमार एवं अन्य पुलिस बल सम्मिलित था सभी की सफलता से किए गए पुलिस के हते चढ़ा पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों को विधिवत कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

मैगलगंज वन रेंज में प्रतिबंधित पेड़ों के कटान का खेल ? बेहजम और कस्ता बीट पर उठे सवाल

मैगलगंज (खीरी)। मैगलगंज वन रेंज के अंतर्गत आने वाले बेहजम बीट और कस्ता बीट क्षेत्र में लगातार प्रतिबंधित प्रजाति के पेड़ों के कटान की चर्चाएं तेज हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित लकड़ी दिखाई देती है, लेकिन जिम्मेदार तय नहीं हो पा रहे हैं। जानकारी लेने पर जब कस्ता बीट के संबंधित कर्मचारियों से पूछा जाता है तो उनका कहना होता है कि यह मामला उनके क्षेत्र का नहीं है। वहीं बेहजम बीट से जानकारी लेने पर भी यही जवाब मिलता है कि कटान उनके क्षेत्र में नहीं हुआ है। ऐसे में बड़ा सवाल यह उठता है कि यदि दोनों बीट क्षेत्रों में प्रतिबंधित पेड़ों का कटान नहीं हो रहा है, तो फिर प्रतिबंधित प्रजाति की लकड़ी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर कैसे दिखाई दे रही है? स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि आखिर प्रतिबंधित लकड़ी का स्रोत क्या है और इसके लिए जिम्मेदार कौन है। वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि एक-दूसरे के क्षेत्र का मामला बताकर जिम्मेदारी से बचने की कोशिश की जा रही है। अब देखना यह होगा कि वन विभाग इस गंभीर मामले में जांच कर सच्चाई सामने लाता है या नहीं।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने TET अनिवार्यता पर खोला मोर्चा

●केंद्रीय शिक्षा मंत्री को भेजा ज्ञापन, लाखों शिक्षकों के भविष्य पर चिंता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उत्तर प्रदेश की सुल्तानपुर इकाई ने गुरुवार को देश के लाखों शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। महासंघ के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री को संबोधित एक पांच सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से वर्ष 2010 से पूर्व देश के विभिन्न राज्यों में नियुक्त शिक्षकों और उत्तर प्रदेश में टीईटी लागू होने की तिथि 27 जुलाई 2011 से पहले के शिक्षकों को विधायी एवं नीतिगत संरक्षण देने की पुरजोर मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि 23 अगस्त 2010 को एनसीटीई (NCTE) द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को न्यूनतम अर्हता के रूप में अधिसूचित किया गया था। इसके बाद, 29 मई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज करते हुए पूर्व के निर्णय को यथावत रखा गया है। इस अदालती फैसले के बाद से देश भर के उन लाखों शिक्षकों में गहरी चिंता और असुरक्षा की भावना व्याप्त हो गई है, जो इस नियमावली के आने से पहले ही अपनी सेवाएं पूरी योग्यता और विधिक रूप से दे रहे हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह और जिला महामंत्री सतीश कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में भारतीय विधिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था के स्थापित सिद्धांतों का हवाला दिया गया। महासंघ का तर्क है कि कोई भी नियम या नीति सामान्यतः उसके लागू होने की तिथि से प्रभावी होती है। दशकों से सेवा दे रहे इन शिक्षकों की नियुक्तियां उस समय के तत्कालीन प्रभावी नियमों और पात्रता के अनुरूप पूर्णतः वैध थीं। महासंघ ने कहा कि ऐसे में बाद में निर्मित पात्रता मानदंडों को पिछली तारीख से लागू करना प्राकृतिक न्याय,

समानता और विधिक निश्चितता के सिद्धांतों के बिल्कुल विपरीत है। महासंघ ने मांग की है कि देश के विभिन्न राज्यों में 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों और उत्तर प्रदेश में टीईटी लागू होने की तिथि 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से स्थाई रूप से मुक्त किया जाए। इसके अतिरिक्त, ऐसे अनुभवी शिक्षकों की सेवा, वरिष्ठता, पदोन्नति तथा अन्य सभी वैधानिक लाभों को पूर्ण संरक्षण प्रदान किया जाए। महासंघ ने यह भी सुझाव दिया कि आवश्यकता पड़ने पर देश की संसद में उपयुक्त विधायी संशोधन अथवा विशेष प्रावधान लाकर इस शिक्षक वर्ग को स्थाई राहत दी जाए।

रानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि पर किया गया श्रद्धांजलि कार्यक्रम

ज्ञानपुर। नगर स्थित शहीद पार्क में मंगलवार को झांसी की वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर जय बाबा बर्फानी ग्रुप के सदस्यों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके साहस, वीरता और राष्ट्रभक्ति को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई भारतीय इतिहास की ऐसी महान वीरांगना थीं, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया। उनका जीवन आज भी देशवासियों, विशेषकर महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को रानी लक्ष्मीबाई के संघर्ष, आत्मविश्वास और स्वाभिमान से प्रेरणा लेकर अपनी सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई ने देश की स्वतंत्रता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका बलिदान सदैव देशवासियों को राष्ट्रसेवा और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

सरकारी ड्यूटी के बाद निजी आवास पर मरीज देखने की चर्चा, तस्वीरों ने खड़े किए गंभीर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ। खुटार रोड स्थित एक सरकारी चिकित्सक का निजी आवास इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। सामने आई तस्वीरों में आवास के अंदर और बाहर मरीजों की मौजूदगी दिखाई दे रही है। वहीं एक व्यक्ति मरीज को दवा लिखता नजर आ रहा है, जिससे क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार, संबंधित सरकारी चिकित्सक सरकारी ड्यूटी समाप्त होने के बाद अपने निजी आवास पर मरीजों को देखते हैं। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तस्वीरों के सामने आने के बाद लोगों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि आवास पर होने वाली गतिविधियों की वास्तविक स्थिति क्या है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि निजी आवास पर नियमित रूप से मरीजों को परामर्श दिया जा रहा है, तो संबंधित नियमों और अनुमतियों की स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए। वहीं स्वास्थ्य विभाग की ओर से

अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। मामला चर्चा में आने के बाद लोगों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि तस्वीरों और उठ रहे सवालों के बीच सच्चाई सामने आनी चाहिए, ताकि जनता के बीच बनी असमंजस की स्थिति समाप्त हो सके। आवास के अंदर मौजूद मरीजों की तस्वीरों ने चर्चा को और तेज कर दिया है। अब सभी की निगाहें स्वास्थ्य विभाग की प्रतिक्रिया पर टिकी हैं।

चौपाल में अपना दल एस की नीतियों का किया बखान,अनुयायियों नें घरों पर लगाए झंडे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलागोकर्ण नाथ खीरी- अपना दल एस गोला विधानसभा के अलीगंज जोन में रामपुर जंगल, महमदपुर, अलीगंज, अलीगंज तिकुनिया, रसूलपनाह, इब्राहिमपुर, पिपरा, रामुआपुर , भैठियाआदि गांव में चौपाल बैठक करके लोगों को पार्टी की विचारधारा से अवगत कराया, पटका पहनकर पार्टी में शामिल किया और उनके मकान पर अपना दल एस का झंडा लगवाने का कार्य किया गया। चौपाल बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव पटेल ने अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के द्वारा कराए हुए कार्यों से लोगों को अवगत कराया। कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिलाने में अहम भूमिका निभाई, केंद्रीय विद्यालय बोर्डिंग विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक विद्यालय,केंद्रीय विद्यालय नीट की परीक्षा में आरक्षण दिलाने का कार्य किया। संकल्प के साथ अपना दल एस पार्टी की विचारधारा जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। जिला संरक्षक अजय कुमार वर्मा ने बताया की हमारी नेता बहन अनुप्रिया पटेल दलित पिछड़ा कमेरा शोषित वंचित समाज के लिए संघर्ष कर रही है। जिला महासचिव पटेल कपिल वर्मा ने बताया कि सभी लोग अपना दल एस की पहचान अपना दल का झंडा अपने-अपने मकान पर लगाए जिससे अपना दल एस की अलग पहचान बनेगी और बुनियादी स्तर पर पार्टी को मजबूती मिलेगी सफलता हर हाल में सुनिश्चित है। पटेल कपिल वर्मा जिला महासचिव, अजय कुमार वर्मा, ठाकुर रामनरेश सिंह, भूपेंद्र वर्मा, मदन वर्मा, विधानसभा अध्यक्ष विकास वर्मा, आदि लोग उपस्थित रहे।

सुलतानपुर में साइबर ठगी, पीड़िता के 1.76 लाख वापस

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जालसाजों के खाते कराए फ्रीज

सुलतानपुर - साइबर क्राइम पुलिस ने एक महिला से हुई 2.04 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 1.76 लाख रुपये वापस दिलाए हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक चारू निगम के कुशल निर्देशन में की गई। पीड़िता के साथ 4 अप्रैल 2025 को 5,000 रुपये, 6 अप्रैल 2026 को 99,950 रुपये और 7 अप्रैल को 1,00,000 रुपये की धोखाधड़ी हुई थी। कुल 2,04,950 रुपये की ठगी होने पर पीड़िता ने साइबर क्राइम थाना सुलतानपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जालसाजों के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं और न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए संबंधित बैंकों से पत्राचार किया गया। इसके परिणामस्वरूप, पीड़िता के खाते में 1,76,195 रुपये (एक लाख छिहत्तर हजार एक सौ पंचानवे रुपये) की धनराशि सफलतापूर्वक वापस करा दी गई। यह पूरी कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक/नोडल अधिकारी बृजनारायण सिंह और क्षेत्राधिकारी साइबर थाना आलोक कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक, साइबर क्राइम थाना के नेतृत्व में साइबर थाना टीम द्वारा की गई। साइबर क्राइम पुलिस ने जनपदवासियों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी या अपराध की घटना होने पर तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने एमआरएफ सेंटर कुतुबपुर चनौरा का किया औचक निरीक्षण

● कूड़े के विशाल ढेर देखकर भड़के जिलाधिकारी, कार्यदायी संस्था मुस्कान इंटरप्राइजेज को लगाई कड़ी फटकार

डीजल इंजन की जगह तत्काल ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली से मशीनें चलाने के दिए निर्देश, ताकि कूड़े का निस्तारण तेजी से हो सके

वेस्ट-टू-कंपोस्ट प्लांट से बनने वाली खाद की बेहतर पैकेजिंग कर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेचने की हिदायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फ़िरोज़ाबाद - जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने गुरुवार को नगर आयुक्त के साथ कुतुबपुर चनौरा स्थित मेटीरियल रिकवरी फैसिलिटी (एम0आर0एफ0) सेंटर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां संचालित 100 टीडीपी क्षमता वाले वेस्ट टू कंपोस्ट प्लांट की जमीनी हकीकत को देखा, जहां संपूर्ण जिले भर के कूड़े की रीसाइकलिंग की जाती है। इस प्लांट की कार्यदायी संस्था मुस्कान इंटरप्राइजेज है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी को केंद्र पर जगह-जगह कूड़े के विशाल ढेर जमा दिखाई दिए। इस अव्यवस्था और सुस्त कार्यप्रणाली को देखकर जिलाधिकारी ने अत्यंत नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि इस संपूर्ण कूड़े का शीघ्रातिशीघ्र (जल्द से जल्द) निस्तारण किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जब जिलाधिकारी ने निस्तारण की धीमी गति का कारण पूछा, तो कार्यदायी संस्था के प्रमुख ने अवगत कराया कि कूड़े को अलग और प्रोसेस करने के लिए जो मशीनें चलाई जा रही हैं, वे फिलहाल डीजल इंजन से संचालित हैं, जिससे गति धीमी है। इस पर जिलाधिकारी ने मौके पर ही निर्देश दिए कि प्लांट परिसर में तत्काल नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाए। डीजल इंजन के प्रयोग को बंद कर विद्युत (बिजली) का उपयोग किया जाए, जिससे मशीनें पूरी क्षमता से चल सकें। रीसाइकलिंग कार्य में तेजी लाकर स्थानीय लोगों को जल्द से जल्द दुर्गंध और प्रदूषण से राहत प्रदान की जाए। कूड़े से बनाई जा रही ऑर्गेनिक खाद (कंपोस्ट) का सही उपयोग सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त और संस्था को विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कूड़े से बन रही खाद को समुचित तरीके से पैक (पैकेजिंग) किया जाए। इसे आम जनता और किसानों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे ई-कॉमर्स साइट्स) पर उपलब्ध कराया जाए, ताकि लोग आसानी से इसका उपयोग कर सकें और कचरे से कंचन बनाने का उद्देश्य पूरी तरह सफल हो। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त प्रशान्त नागर सहित संबंधित विभागों के प्रशासनिक अधिकारी और कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की बैठक संपन्न

● पत्रकारों को वितरित किए गए परिचय पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला - नगर के स्टेशन रोड स्थित होटल जे.एस.में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तहसील टूण्डला इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं एवं संगठन की गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक मंडल उपाध्यक्ष सोमेंद्र पोनिया एवं मंडल संगठन मंत्री राजू उपाध्याय की उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष विवेक शर्मा ने की, जबकि संचालन महामंत्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने किया। बैठक के दौरान संगठन से जुड़े पत्रकारों की समस्याओं पर विचार-विमर्श करते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की गई। मंडल उपाध्यक्ष सोमेंद्र पोनियां व मंडल संगठन मंत्री राजू उपाध्याय ने पत्रकार हितों की रक्षा एवं संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया।इस अवसर पर संगठन से जुड़े सभी पत्रकारों को परिचय पत्र भी वितरित किए गए। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन की एकजुटता बनाए रखने तथा पत्रकारों के हित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में तहसील इकाई संरक्षक अरुण रावत,अध्यक्ष विवेक शर्मा, महामंत्री देवेंद्र प्रताप सिंह, योगेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष संजय पचौरी संतोष शर्मा महेश ठेनुआ, कोषाध्यक्ष सुनील गर्ग,उपेंद्र यादव, ताहिर सिद्दीकी, दिनेश कुमार, रिंकू यादव, पुष्पेंद्र कुमार, कुलदीप उपाध्याय, संतोष कुमार आदि संगठन से जुड़े पत्रकार उपस्थित रहे।

धूम धाम से मनाई गई महाराणा प्रताप की जयंती

मैलानी-खीरी। 17/6/2026 को ग्राम लोचनपुर में महाराणा प्रताप की जयंती बहुत ही धूम धाम से मनाई गई।जिला प्रभारी विपिन सिंह ने महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण किया और उन्होंने महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़ी घटनाओं पर प्रकाश डाला।उन्होंने यह भी बताया कि सभी बच्चों को महाराणा प्रताप के मार्ग का अनुसरण करना चाहिए,ताकि फिर कोई विदेशी आक्रांता हमारे धर्म और देश को मिटाने की सपने में भी कोशिश न करे।इस अवसर पर युवा करणी सेना के जिला प्रभारी विपिन सिंह, जिला अध्यक्ष रामकिशोर अर्कवंशी, जिला उपाध्यक्ष राम रतन वर्मा,जिला कार्यवाहक रजनीश, जिला मीडिया प्रभारी अंकित, विनोद अर्कवंशी, नंद राम सक्सेना, राजेश, गौरव अर्कवंशी, विजेंद्र सिंह एवम सभी सक्रिय सदस्यों सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

खेलों में खिलाड़ियों को जीतने एवं सीखने के मिलते हैं अवसर - डॉक्टर कौशल वर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलागोकर्ण नाथ खीरी- खेल के मैदान में खिलाड़ियों को जीतने एवं सीखने का अवसर मिलता है। खेलों से आपसी प्रेम, सदभाव और भाई चारे की भावना जागृत होने के साथ ही शारीरिक और मानसिक विकास भी होता है। उक्त विचार छतौनिया में चल रहे स्वर्गीय रामकुमार वर्मा की स्मृति में पांचवें नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में आठवें दिन फाइनल मैच के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि गोला के सनशाइन हॉस्पिटल के संचालक,समाज सेवी एवं भाजपा नेता डॉक्टर कौशल वर्मा ने व्यक्त किए हैं। उन्होंने स्टेडियम ग्राउंड में मौजूद खिलाड़ी टीमों का परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। आकर्ष इलेवन क्लब गोला ने टॉस जीतकर पहले खेलने का निर्णय लिया। जिसमें टीम ने 10 ओवर में 78 रन का स्कोर बनाया। जिसका पीछा करते हुए रोमांचक मुकाबले में उतरी बालाजी बेकरी क्लव गोला ने खेलते हुए 10 ओवर में 66 रन पर सिमट कर रह गई।

दोनों टीमों का मुकाबला बहुत ही शानदार व रोचक रहा। आकर्ष इलेवन नें 12 रन से जीत का खिताब अपने नाम कर लिया। मुख्य अतिथि के द्वारा 11000 रुपए नगद व ट्रॉफी विजेता टीम को एवं 5100 रुपए नगद एवं ट्रॉफी उप विजेता टीम को प्रदान की गई। अतिथि के द्वारा मेधावियों का सम्मान भी किया गया। हर्षल त्रिपाठी, शिक्षक दिनेश सिंह भदौरिया, आनंद वर्मा, वीरेंद्र वर्मा, मनोज वर्मा, मोनू शर्मा, पटेल सुशील वर्मा, अनुज प्रताप सिंह, इंजीनियर अभिषेक वर्मा, सुरेंद्र आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

थाना अहरौरा पुलिस द्वारा क्रूरता पूर्वक मारपीट कर वध हेतु ले जाए जा रहे 18 राशि गोवंश बरामद, 01 शातिर गो-तस्कर गिरफ्तार

मीरजापुर। अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ तथा गो-तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सहित इनामियां अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिया गया है। उक्त निर्देश के अनुक्रम में पुलिस अधीक्षक आपरेशन व क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के नेतृत्व में थाना अहरौरा पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है । दिनांकः 18.06.2026 को थाना अहरौरा पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई की कुछ तस्कर जंगल के रास्ते गोवंश को क्रूरता पूर्वक मारपीट कर वध हेतु ले जा रहे है । इस सूचना पर थाना अहरौरा पुलिस टीम द्वारा थाना अहरौरा क्षेत्रांतर्गत ग्राम दादो जंगल से क्रुरता पूर्वक मारपीट कर वध हेतु ले जा रहे 18 राशि गोवंश के साथ अभियुक्त हजारी बियार पुत्र होरीलाल बियार निवासी यूसूफपुर थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया। थाना अहरौरा पुलिस द्वारा उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अहरौरा पर अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी

15 जून से बंद हुआ गंगा नदी का पान्टून पुल, वैकल्पिक मार्गों के उपयोग की अपील

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने जनपदवासियों को अवगत कराया है कि ग्राम पंचायत गौरा परमानपुर एवं सेमराध नाथ धाम के मध्य गंगा नदी पर निर्मित पान्टून पुल को वर्षा ऋतु के मद्देनजर हटाने (डिस्मेटलिंग) का कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके चलते 15 जून 2026 से पुल पर आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष वर्षा ऋतु प्रारम्भ होने से पूर्व पान्टून पुलों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत हटाया जाता है। प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार इस वर्ष भी समयबद्ध तरीके से पुल को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से बंद किए गए पान्टून पुल का उपयोग न करें तथा आवागमन के लिए निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही प्रयोग करें। साथ ही उन्होंने संबंधित विभागों को क्षेत्र में पर्याप्त सूचना एवं चेतावनी बोर्ड लगाने तथा लोगों को समय रहते जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्षा ऋतु के दौरान गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि की संभावना को देखते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना अथवा जनहानि से बचा जा सके।

तीन दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ, जोधराज तालाब पर कराया गया योगाभ्यास

सुरियावां। पतंजलि परिवार सुरियावां द्वारा आयोजित तीन दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ गुरुवार को जोधराज तालाब परिसर में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। शिविर के प्रथम दिन बड़ी संख्या में लोगों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन पतंजलि परिवार के जिला प्रभारी अश्वनी साहू ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा को स्वस्थ रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने लोगों से प्रतिदिन योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। योग शिक्षक विजय शंकर मौर्य ने उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने अनुलोम-विलोम, भस्त्रिका, उज्जायी तथा कपालभाति सहित कई प्राणायामों के लाभ बताते हुए नियमित अभ्यास करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से अनेक शारीरिक एवं मानसिक रोगों से बचाव किया जा सकता है। शिविर में योग के प्रति लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रतिभागियों ने योगाभ्यास के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विजय शंकर राय, वशिष्ठ नारायण दुबे, रमणीक शर्मा, दशरथ कौशल, महेंद्र प्रसाद, दिलीप कुमार, अवधेश विश्वकर्मा, राजकुमार सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

ड्रमडगंज क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार बड़े-बड़े बोर्ड लगाकर बड़े-बड़े सर्जन डाक्टर के नाम की लिस्ट लगाकर कर रहे हैं व्यापार

● अस्पताल में प्रबंधक सहित स्टॉप का डिग्री चेक किया जाए तो नहीं है किसी भी व्यक्ति पास डिग्री सिर्फ उड़ा रहे हैं मानक की धजिया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया मीरजापुर। ड्रमडगंज क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों का भरमार लगा हुआ है हाईवे के किनारे बड़े-बड़े बोर्ड लगाकर झोलाछाप चला रहे हैं बड़ी हॉस्पिटल जबकि किसी भी अस्पताल में स्वास्थ्य संबंधित मानक की व्यवस्था नहीं है मानक के विपरीत चल रहे हैं हॉस्पिटल सिर्फ मरीजों को चुतिया बना कर पैसा ऐठने का करते हैं काम किसी भी अस्पताल में नहीं है फायर की व्यवस्था डिग्री भी राम भरोसे ही है सिर्फ बाहरी डॉक्टर के नाम का लिस्ट लगाकर कर रहे हैं अपना व्यापार कोई भी सर्जन डॉक्टर हॉस्पिटल में नहीं बैठता ग्रामीणों ने बताया कि कोई हॉस्पिटल में मानक की व्यवस्था नहीं है सिर्फ मरीजों को ले जाकर के लावारिस की तरफ बेड पर सुला दिया जाता है। हॉस्पिटलों में जितने भी डॉक्टर मेडिसिन रखे गए हैं किसी भी के पास नहीं है कोई डिग्री अगर हॉस्पिटल के स्टॉप की डिग्री चेक किया जाए तो खुलेगा हॉस्पिटल का सारा पोल

अगर उनकी हॉस्पिटल की जांच किया जाए तो खुलेगा बहुत बड़ा राज सिर्फ हॉस्पिटल बनवाकर हॉस्पिटल के नाम पर कर रहे हैं गोरख धंधा मिर्जापुर जिले के रीवा हाईवे पर तमाम सैकड़ो हॉस्पिटल फर्जी चल रही है जिसमें लगभग हॉस्पिटलों का ना तो रजिस्ट्रेशन है ना तो कोई कागजात सिर्फ हवा हवाई मानक को अनदेखी करते हुए चला रहे हैं हॉस्पिटल बने बैठे हैं प्रबंधक तमाम हॉस्पिटलों का मामला तेजी से वायरस होता है लेकिन नहीं होता उस पर कोई कार्रवाई ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग करना चाहते हैं कि ऐसे भ्रष्ट झोलाछाप डॉक्टरो के उपर कार्रवाई किया जाए जिससे मरीज का जान बच सके और मरीज सुरक्षित रह सके।

सड़क हादसे में मोपेड सवार महिला की मौत

चुनार, मिर्जापुर। कोतवाली क्षेत्र के पिरल्लीपुर वाराणसी मिर्जापुर राज़ मार्ग पर गुरुवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे में मोपेड पर बैठी महिला की सड़क पर गिरने से मौत हो गई। मृतका की पहचान सुनीता देवी उम्र (40) वर्ष पत्नी रामप्रकाश प्रजापति निवासी अहरौरा डीह थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका अपनी बहन के घर पिरल्लीपुर गयी थी और सुबह ही अपने पति के साथ मोपेड पर बैठ कर अपने घर अहरौरा जा रही थी। ज्यों ही हाईवे पर पहुंची झपकी आने लगी जिससे मोपेड अनियंत्रित होकर कर गाड़ी से निचे गिर गई जिससे उसे सिर में गम्भीर चोट आ गई। हादसा इतना गम्भीर था कि सुनीता देवी का मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर चुनार पुलिस मौके पर पहुंच गई। और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

3-सादा वाउचर अपलोड करके निकाला गया है- ग्राम पंचायत का भुगतान

● शिकायत के बाद भी नहीं हुई सचिव के ऊपर कारवाई ब्लॉक पर बैठे पंचायत विभाग के अधिकारी दे रहे हैं सचिव को सह।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

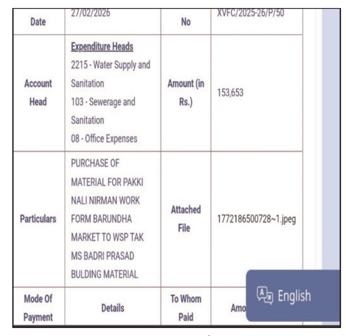

Date	27/02/2026	No	XVFC/2025-26/P/50
Account Head	Expenditure Heads 2215 - Water Supply and Sanitation 103 - Sewerage and Sanitation 08 - Office Expenses	Amount (in Rs.)	153,653
Particulars	PURCHASE OF MATERIAL FOR PAKKI NALI NIRMAN WORK FORM BARUNDHA MARKET TO WSP TAK MS BADRI PRASAD BULDING MATERIAL	Attached File	1772186500728~1.jpeg
Mode Of Payment	Details	To Whom Paid	Amo

हलिया मीरजापुर। हलिया विकासखंड के ग्राम पंचायत बेलन बरौधा मे फर्जी वाउचर फिट करके कराया गया है ग्राम पंचायत का भुगतान यहां तक की सादा वाउचर लगाकर करा लिया गया है भुगतान शिकायत के बाद भी नहीं हुई सचिव के ऊपर कोई कार्रवाई ग्रामीणों ने बताया कि इसका सह ब्लॉक पर बैठे पंचायत राज विभाग के मुखिया के द्वारा किया जा रहा है। सचिव तो भ्रष्ट ही है। इसके अलावा ब्लॉक पर बैठे पंचायत राज विभाग के मुखिया इससे भी कहीं ज्यादा भ्रष्टाचार में सम्मिलित हैं जबकि सरकार भ्रष्टाचारियों के ऊपर नकेल कस रही है लेकिन वही सरकार के ही कर्मचारी भ्रष्टाचारियों को सह देने में सफल है। जबकि बेलन बरौधा के जितने भी कलस्टर के गांव हैं हर ग्राम पंचायत में सचिव के द्वारा भ्रष्टाचार किया गया है। लेकिन शिकायत के बाद भी सचिव के ऊपर नहीं हुई करवाई यह सोचने का विषय है कि इतना भ्रष्टाचार होने के बाद भी जिले के प्रशासन नहीं कस पा रहे हैं नकेल भ्रष्टाचार में सम्मिलित अधिकारियों के ऊपर वर्तमान सरकार दावा कर रही है कि हो रहा है भ्रष्टाचारियों के उपर कार्रवाई लेकिन जिले में बैठे आला अधिकारी भ्रष्टाचारियों को सह देने में जुटे हुए हैं साथ ही साथ ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत में नहीं होता सचिव के दर्शन फिर भी अधिकारी नहीं दे रहे हैं सचिव के ऊपर ध्यान साथ ही साथ ग्रामीणों ने कहा कि जब तक ऐसे भ्रष्ट सचिव के उपर कार्रवाई नहीं होगा तब तक ग्रामीण नहीं छोड़ेंगे शिकायत करने का पीछा ग्रामीणों ने ऐसे भ्रष्ट सचिव को हटाने का किया मांग।

इस संबंध में ब्लॉक पर बैठे एडीयो पंचायत रूपेश श्रीवास्तव से बात किया गया तो रूपेश श्रीवास्तव ने साफ अपना पल्ला झाड़ने हुए कहा कि ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान और सचिव की कुछ कहा सुनी चल रही है जिससे कोई किसी का मतलब नहीं है।

पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग में त्वरित कार्यवाही करते हुए 24 घण्टे के अन्दर घटना से सम्बन्धित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

● चोरी की धनराशि व घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। थाना सन्तनगर, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 17.06.2026 को वादी चौधरी गौतम पुत्र स्व0 कालिका गौतम निवासी शीतलगढ़ पटेहरा खर्द थाना सन्तनगरजनपद मीरजापुर द्वारा अज्ञात अभियुक्तों के विरूद्ध टैम्पु में वादी का पैसा चोरी के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी। उक्त के सम्बन्ध में लिखित तहरीर के आधार पर थाना सन्तनगर पर मु0 अ0सं0-57/2026 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए चोरी की घटना से सम्बन्धित बरामदगी व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थानाध्यक्ष सन्तनगर को निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना सन्तनगर पर पंजीकृत उपरोक्त

अभियोग में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में दिनांकः18.06.2026 को उप निरीक्षक सुशील कुमार मय पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित प्रकाश में आये 02 अभियुक्तों 1. मोहर्रमदीन पुत्र सुनौवर अली उर्फ जादू व 2. अरमान अली पुत्र सुनौवर अली उर्फ जादू निवासीगण देवरी कला थाना मड़िहान जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर उपरोक्त चोरी की घटना से सम्बन्धित 13,000 रुपये व घटना में प्रयुक्त आटो वाहन संख्या UP 63 CT 4432 को बरामद किया गया। थाना सन्तनगर पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय/जेल भेजा गया।

अवैध खनन और ओवरलोडिंग पर प्रशासन का शिकंजा, 45 वाहनों पर कार्रवाई

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देश पर जनपद में अवैध खनन, अवैध परिवहन एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 1 जून से 15 जून 2026 के बीच 45 वाहनों पर कार्रवाई की गई है। मामले में लगभग 20 लाख रुपये की जुर्माना धनराशि वसूली की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) शुभांगी शुक्ला के पर्यवेक्षण में खनन विभाग एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच एवं चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध खनन, बिना अनुमति खनिज परिवहन तथा ओवरलोडिंग के मामलों का खुलासा हुआ। जांच के दौरान बिना वैध अनुमति के मिट्टी खनन एवं परिवहन में संलिप्त 4 जेसीबी मशीनें, 3 ट्रैक्टर मय छिलनी/स्क्रैपर तथा 25 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पकड़ी गईं। वहीं ओवरलोडिंग करते पाए गए 13 अन्य वाहनों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की गई।

योग स्वस्थ,सुखी और निरोग जीवन का सबसे सशक्त आधार- योगी राम ध्यान आर्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व चुनार नगर में योग के प्रति जन-जागरण का उत्साह निरंतर बढ़ता जा रहा है। पतंजलि योग समिति के तत्वावधान में आर. टी. सी. किला ग्राउंड,चुनार में आयोजित छह दिवसीय निः शुल्क योग शिविर के तीसरे दिन गुरुवार को दर्जनों लोगों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया। शिविर में नगर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं योग साधकों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। शिविर को संबोधित करते हुए पतंजलि योग समिति के तहसील प्रभारी योगी राम ध्यान आर्य ने कहा कि योग प्रकृति का अनुपम उपहार है,जो मनुष्य को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनाता है।आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग ही वह माध्यम है,जो व्यक्ति को तनावमुक्त,निरोग बनाए रखता है।उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस केवल एक दिवस का आयोजन नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण का एक व्यापक जनआंदोलन है। योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर अनेक प्रकार की बीमारियों, मानसिक तनाव और जीवनशैली जनित विकारों से बचा जा सकता है।योगी जी ने उपस्थित प्रतिभागियों को योग जॉगिंग,सूर्य नमस्कार,ताड़ासन, वृक्षासन, अर्धचंद्रासन एवं विभिन्न सूक्ष्म व्यायामों का अभ्यास कराया। साथ ही कपालभाति, अनुलोम- विलोम सहित विभिन्न प्राणायामों की विधियों का प्रशिक्षण देते हुए उनके स्वास्थ्य लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने योगाभ्यास के दौरान आवश्यक सावधानियों तथा संतुलित एवं प्राकृतिक जीवनशैली अपनाने के व्यावहारिक उपाय भी बताए। उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का साधन नहीं,बल्कि आत्मबल, सकारात्मक सोच,अनुशासन एवं कार्यक्षमता को बढ़ाने वाली जीवन पद्धति है। नियमित योग करने वाला व्यक्ति जीवन की चुनौतियों का

सामना अधिक आत्मविश्वास और संतुलन के साथ कर सकता है।शिविर में उपस्थित लोगों ने योगाभ्यास के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश ग्रहण किया तथा आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अधिकाधिक लोगों को जोड़ने और योग को जन- जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम का संचालन कमलाकर गुप्ता ने किया। शिविर में प्रमुख रूप से अनिल गुप्ता, पंकज सिंह, विनय सेठ, दीनानाथ गुप्ता, आनंद सेठ, मुकेश वर्मा, अवधेश वर्मा, शिवपूजन साहू, महेंद्र वर्मा माखन लाल सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं योग प्रेमी उपस्थित रहे।

विकसित भारत प्रदर्शनी के दूसरे दिन विकास योजनाओं की उपलब्धियों से रूबरू हुए नागरिक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में जिला प्रशासन एवं सूचना विभाग द्वारा आयोजित विकसित भारत प्रदर्शनी के दूसरे दिन कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक भदोही विपुल दुबे एवं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने फीता काटकर एवं प्रदर्शनी का अवलोकन कर किया। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी आमजन को दी गई। प्रदर्शनी में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायती राज, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, उद्यान, पशुपालन तथा अन्य विभागों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आगंतुकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विपुल दुबे ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प तभी साकार

होगा जब सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। केंद्र एवं प्रदेश सरकार किसानों, महिलाओं, युवाओं, गरीबों तथा समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने लोगों से सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाने का आह्वान किया।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य आमजन को विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं उपलब्धियों से अवगत कराना है, ताकि पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का अधिकाधिक लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाभार्थीपरक योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने में कोई कमी न रहे। इस अवसर पर कृषि विभाग द्वारा किसानों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। किसानों को आधुनिक खेती, उन्नत बीज, कृषि यंत्रों पर अनुदान, प्राकृतिक खेती एवं अन्य कृषि कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जागरूक किया गया। प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, किसानों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं तथा आम नागरिकों ने सहभागिता कर विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन किया और योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में भदोही के आशुतोष ने जीता रजत पदक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित एसएमजेएन डिग्री कॉलेज, गोविंदपुर में आयोजित ओपन नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप में भदोही के युवा तीरंदाज आशुतोष पटवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सब-जूनियर वर्ग के कंपाउंड राउंड में रजत पदक (सिल्वर मेडल) हासिल किया है। प्रतियोगिता 16 जून से 22 जून 2026 तक आयोजित की जा रही है। आशुतोष पटवा वर्तमान में श्री दयाल आर्चरी अकादमी, देवनाथपुर लक्ष्मण पट्टी (भदोही) में तीरंदाजी का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर की अपनी पहली प्रतियोगिता में ही पदक जीतकर उन्होंने जनपद का नाम रोशन किया है।

जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष विशंभर दयाल ने आशुतोष की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके अथक परिश्रम, अनुशासन और संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में आशुतोष अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भदोही का परचम लहराएंगे।

महासचिव एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से

सम्मानित शिक्षक अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर आशुतोष ने जिले के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनने का कार्य किया है। वहीं प्रशिक्षक वैभव दीक्षित ने कहा कि आशुतोष की सफलता भदोही में तैयार हो रही तीरंदाजों की नई पीढ़ी के लिए एक आदर्श उदाहरण है और भविष्य में जिले के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नई पहचान बनाएंगे। आशुतोष की उपलब्धि पर अकादमी एवं जनपद के खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर आलोक कुमार गुप्ता, विनीत जायसवाल, शुभम पटवा, दिनेश गुप्ता, उर्मिला देवी, कृष्णा सिंह, कमलेश गुप्ता, विवेक श्रीवास्तव, डॉ. रत्ना, सुमन गुप्ता, दीपक बरनवाल, संध्या मौर्य सहित अन्य लोगों ने मिठाई बांटकर उन्हें बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सरकारी हैंडपंपों में लगे सबमर्सिबल पंप हटाने के निर्देश, सीडीओ ने एक सप्ताह का दिया समय

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देश पर सरकारी हैंडपंपों में अवैध रूप से लगाए गए सबमर्सिबल पंपों को हटाने के मामले में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने जनपद के सभी छह विकास खंडों के खंड विकास अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए एक सप्ताह के भीतर विशेष अभियान चलाकर सरकारी हैंडपंपों से सबमर्सिबल पंप हटवाने को कहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सरकारी हैंडपंप ग्रामीण क्षेत्रों में आम नागरिकों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए स्थापित किए जाते हैं। इनमें सबमर्सिबल पंप लगाए जाने से हैंडपंपों की मूल व्यवस्था प्रभावित होती है तथा कई स्थानों पर आम लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा सरकारी संपत्तियों का निजी उपयोग भी नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्राम पंचायत स्तर पर टीमों का गठन कर सरकारी हैंडपंपों का सर्वे कराया जाए और जहां भी सबमर्सिबल पंप लगे पाए जाएं, उन्हें तत्काल हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अभियान की नियमित निगरानी भी की जाएगी तथा इसकी प्रगति रिपोर्ट जिला प्रशासन को उपलब्ध करानी होगी।

भीषण गर्मी के चलते आंगनबाड़ी केंद्रों का अवकाश 24 जून तक बढ़ाया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में पड़ रही भीषण गर्मी, तेज धूप एवं लू के प्रकोप को देखते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों का अवकाश 24 जून 2026 तक बढ़ा दिया गया है। यह निर्णय जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशों तथा शासन से प्राप्त आदेशों के अनुपालन में लिया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 20 मई से 15 जून 2026 तक आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन बंद किया गया था। इसी बीच उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा परिषदीय विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 20 जून तक बढ़ाए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

चूंकि आंगनबाड़ी केंद्रों में अध्ययनरत बच्चे प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों से भी कम आयु के होते हैं, इसलिए उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों का अवकाश 24 जून 2026 तक घोषित किया गया है। हालांकि अवकाश अवधि के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को नियमित विभागीय कार्यों का निर्वहन करना होगा। इस दौरान लाभार्थियों को अनुपूरक पुष्टाहार का वितरण, बच्चों का वजन, गृह भ्रमण, पोषण ट्रैकर पर फीडिंग, निर्धारित कैलेंडर के अनुसार सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन, वीएचएसएनडी सत्र तथा आरबीएसके टीम द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं संदर्भन संबंधी कार्य जारी रहेंगे। डीएम ने निर्देश दिया कि अवकाश अवधि में बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के कोई भी आंगनबाड़ी कार्यकत्री अथवा सहायिका केंद्र अथवा मुख्यालय नहीं छोड़ेगी तथा सभी शासकीय एवं विभागीय कार्यों का नियमित रूप से संपादन सुनिश्चित करेगी।

शिक्षकों के हितों की रक्षा और उनकी सेवा सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने शैक्षिक महासंघ ने किया प्रदर्शन

मीरजापुर। टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के हितों की रक्षा और उनकी सेवा सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग को लेकर गुरुवार को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के बैनर तले शिक्षकों ने जिलाध्यक्ष राजनाथ तिवारी एवं महामंत्री सत्य व्रत सिंह चंदेल के नेतृत्व मे भारी संख्या मे कलेक्ट्रेट पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। इसके बाद जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला अध्यक्ष राजनाथ तिवारी के नेतृत्व में जिले के विभिन्न विकास खंडों से बड़ी संख्या में शिक्षक कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। शिक्षकों ने एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की तथा जोरदार प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार तक अपनी बात पहुंचाने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में टीईटी व्यवस्था लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों ने वर्षों तक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे शिक्षकों पर बाद में बने नियमों को पूर्व प्रभाव से लागू करना न्यायसंगत नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां पूरी, 21 जून को जनपदभर में होगा सामूहिक योगाभ्यास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सभी उपजिलाधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों एवं नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 21 जून को जनपद की सभी ग्राम पंचायतों, विकासखंडों, तहसीलों तथा चयनित सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि योग स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवनशैली का आधार है। वर्तमान समय में बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों के बीच योग शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। उन्होंने जनपदवासियों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री के

निर्देशों के क्रम में जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर, ग्राम सचिवालय, पंचायत भवन, खेल मैदान तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें ग्रामवासियों, जनप्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, युवाओं, छात्र-छात्राओं एवं सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

योग दिवस के सफल आयोजन के लिए 20 जून को विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। इसके तहत योग कार्यक्रम स्थलों पर साफ-सफाई, कूड़ा निस्तारण एवं पर्यावरणीय स्वच्छता संबंधी कार्य कराए जाएंगे, ताकि प्रतिभागियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम स्थलों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर अधिकाधिक लोगों को योग कार्यक्रमों में शामिल करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि योग दिवस को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि 21 जून को आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लें और योग को अपनाकर स्वस्थ एवं निरोग जीवन की दिशा में कदम बढ़ाएं।

संक्षिप्त खबरें

नैनी गुरुद्वारा सहित कई जगहो पर प्रसाद वितरित हुआ

नैनी-प्रयागराज। घन-घन श्री गुरु अर्जन देव महाराज जी के शहीदी गुरूपर्व पर श्रद्धा भाव के साथ नैनी गुरुद्वारा संगत,गुरबाणी से सराबोर हो रहा था साहिब श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के आगे संगतो का प्रातः काल से ही मत्था टेककर आशीर्वाद लेने वालों का सिलसिला बराबर चलता रहाद्य रागी जत्थों ने शब्द-कीर्तन सुना कर संगत को निहाल किया गुरुद्वारे में गुरु नाम की गूंज होती रही। शबद कीर्तन,गुरु इतिहास,अरदास,हुक्मनामा उपरांत गुरुद्वारा गेट पर छबील व चने का प्रसाद अटूट वितरित हुआ। नैनी काटन मिल मिर्जापुर रोड़ पर जे.एस,हांडा शोरूम व जी.ई.सी कंपनी के सामने शरबत का वितरण होता रहा। सेवा मे सर्वश्री ज्ञानी निहाल सिंह, दवेन्द्र सिंह,परमिंदर सिंह बंटी, सरदार पतविंदर सिंह, सुरेंद्र सिंह, लखविंदर जग्गी, राजू चढ़ा, गोल्डी, गुरूनाम सिंह, देविंदर पाल सिंह, हरप्रीत सिंह, योगेन्द्र सिंह, सनप्रीत सिंह, मनजीत सिंह,जसवीर सिंह सोढ़ी सहित बड़ी संख्या मे सेवादार राहगीरों की सेवा सत्कार में प्रयत्नशील रहे।

ऑपरेशन दहन के तहत 15 किलोग्राम मादक पदार्थों का विनिष्टीकरण

प्रयागराज। जनपद में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन दहन के तहत जब्त किए गए 15.59 किलोग्राम मादक पदार्थों का विधिक प्रक्रिया के अनुसार विनिष्टीकरण किया। यह कार्रवाई नारकोटिक्स टास्क फोर्स (अपराध शाखा), थाना खुल्दाबाद एवं थाना शाहगंज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा संपन्न कराई गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार नशे के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा समाज को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। न्यायालय के निर्देशों एवं निर्धारित कानूनी प्रक्रियाओं का पूर्ण पालन करते हुए जब्त किए गए मादक पदार्थों को सुरक्षित रूप से नष्ट किया गया। विनिष्टीकरण के दौरान कुल 15.59 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किए गए, जिनमें 7 किलोग्राम 450 ग्राम गांजा, 55 ग्राम स्मैक, 5.09 किलोग्राम नशीला पाउडर तथा 2.5 ग्राम डायजापाम शामिल रहा। ये सभी मादक पदार्थ विभिन्न अभियानों के दौरान पुलिस द्वारा बरामद किए गए थे और संबंधित मामलों में आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी होने के बाद इनके विनिष्टीकरण की प्रक्रिया अपनाई गई।

फाफामऊ में पीडीए का बड़ा अभियानः आधा दर्जन अवैध निर्माण सील

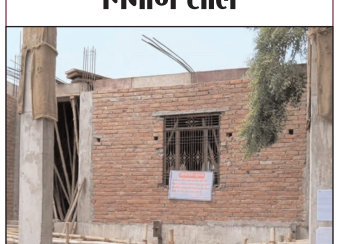

फाफामऊ/प्रयागराज। शहर में अवैध निर्माणों पर अंकुश लगाने के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने गुरुवार को फाफामऊ क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाते हुए बिना स्वीकृत मानचित्र के कराए जा रहे करीब आधा दर्जन निर्माणों को सील कर दिया। पीडीए की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और निर्माणकर्ताओं में अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। प्राधिकरण के अधिकारियों की टीम ने फाफामऊ के विभिन्न स्थानों पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई भवनों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निर्माण बिना मानचित्र स्वीकृति और आवश्यक अनुमति के कराया जाता पाया गया। अधिकारियों ने संबंधित निर्माणकर्ताओं से अभिलेख और स्वीकृत नक्शे की मांग की, लेकिन वैध दस्तावेज प्रस्तुत न किए जाने पर नियमानुसार सीलिंग की कार्रवाई की गई। पीडीए अधिकारियों ने बताया कि शहर और आसपास के क्षेत्रों में अवैध निर्माणों की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इसी क्रम में विशेष अभियान चलाकर ऐसे निर्माणों को चिन्हित किया गया। कार्रवाई के दौरान निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से रोक दिए गए तथा भवनों को सील कर दिया गया।

हिरासत में मौत और पुलिसिया हिंसा के मामलों में अभियोजन मंजूरी जरूरी नहीं: मध्य प्रदेश हाईकोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज– मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि हिरासत में मौत या पुलिसिया हिंसा के मामलों में पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) की धारा 197 के तहत पूर्व सरकारी मंजूरी की आवश्यकता नहीं होती। अदालत ने दो पुलिस आरक्षकों की याचिका खारिज करते हुए कहा कि ऐसे कृत्यों का सरकारी कर्तव्य के निर्वहन से कोई उचित संबंध नहीं माना जा सकता। जस्टिस गजेंद्र सिंह की एकल पीठ इंदौर में वर्ष 2015 में हुई एक युवक की कथित हिरासत मौत से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता पुलिसकर्मियों ने तर्क दिया कि उनके खिलाफ अभियोजन चलाने से पहले सरकार की मंजूरी आवश्यक है, क्योंकि कथित घटनाएं उनके आधिकारिक कर्तव्यों से जुड़ी हैं। मामले के अनुसार, अनुसूचित जाति समुदाय से संबंध रखने वाले 24 वर्षीय पंकज वैष्णव को 19 दिसंबर 2015 को स्कूटर चोरी के मामले में पूछताछ के लिए इंदौर के एमआईजी थाने लाया गया। उसी रात उसकी पुलिस हिरासत में मौत हो गई। पुलिस ने इसे आत्महत्या बताया। घटना के बाद CrPC की धारा 176 के तहत स्वतंत्र जांच कराई गई। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की गई जांच में निष्कर्ष निकाला गया कि यह मामला आपराधिक मानव वध का प्रतीत होता है।इसके बाद दो आरक्षकों और एक थाना प्रभारी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने, अवैध निरुद्ध करने और झूठे साक्ष्य देने सहित विभिन्न आरोपों में आरोपपत्र दायर किया गया। हाईकोर्ट ने कहा कि धारा 197 के संरक्षण का लाभ तभी मिल सकता है, जब आरोपित कृत्य और सरकारी कर्तव्य के निर्वहन के बीच स्पष्ट और उचित संबंध हो। लेकिन वर्तमान मामले में ऐसा कोई संबंध नहीं पाया गया। अदालत ने कहा, 'यह ऐसा मामला नहीं है, जिसमें पुलिसकर्मी किसी हिंसक भीड़ को नियंत्रित कर रहे थे और बल प्रयोग करते हुए अपनी सीमा से आगे बढ़ गए हों। यहां आरोपित बल प्रयोग उस समय किया गया, जब मृतक पुलिस हिरासत में था और थाने के नियंत्रण में था। ऐसी स्थिति में बल प्रयोग या शारीरिक हमला करने का कोई औचित्य नहीं था। 'हाईकोर्ट ने कहा कि कानून पुलिस को कुछ विशेष परिस्थितियों में बल प्रयोग की अनुमति देता है, जैसे हिंसक भीड़ को तितर-बितर करना, गिरफ्तारीअदालत ने सुप्रीम कोर्ट के उन फैसलों का भी उल्लेख किया, जिनमें कहा गया कि हिरासत में हिंसा और मौत सभ्य समाज में सबसे गंभीर अपराधों में से हैं तथा यह व्यक्ति के मूल मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है। इन टिप्पणियों के साथ हाईकोर्ट ने आरक्षकों की पुनरीक्षण याचिका खारिज की और स्पष्ट किया कि हिरासत में मौत या पुलिसिया हिंसा जैसे मामलों में धारा 197 के तहत अभियोजन मंजूरी का संरक्षण उपलब्ध नहीं होगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सभी जिलों में भव्य आयोजन करें सामाजिक संगठन : रजनीकांत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी एनजीओ प्रकोष्ठ, काशी प्रांत के प्रांत सहसंयोजक रजनीकांत श्रीवास्तव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को काशी प्रांत के सभी जिलों में नेतृत्व के दिशा-निर्देशानुसार भव्य एवं व्यापक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। उन्होंने काशी प्रांत के सभी जिला संयोजकों एवं सहसंयोजकों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यरत सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सेवा कार्यकर्ताओं एवं जागरूक नागरिकों से संपर्क स्थापित कर योग दिवस के कार्यक्रमों में अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करें।

रजनीकांत श्रीवास्तव ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवन का आधार है। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। इसलिए प्रत्येक सामाजिक संगठन, समिति एवं स्वयंसेवी संस्था को अपने स्तर पर योग दिवस का आयोजन अवश्य करना चाहिए।उन्होंने बताया कि काशी प्रांत के किन-किन जिलों एवं स्थानों पर सामाजिक संगठनों द्वारा योग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, इसकी जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि योग दिवस के सफल आयोजन में योगदान देने वाले संगठनों एवं कार्यकर्ताओं को आगामी सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन सभी संस्थाओं एवं व्यक्तियों को समर्पित होगा, जिन्होंने समाज को स्वस्थ एवं जागरूक बनाने की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया है। अंत में रजनीकांत श्रीवास्तव ने सभी सामाजिक संगठनों, युवाओं, महिलाओं एवं नागरिकों से अपील की कि वे 21 जून को आयोजित योग कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लें तथा 'स्वस्थ भारत, समर्थ भारत' के संकल्प को साकार करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

गैंगस्टर एक्ट के वांछित आरोपी को नवाबगंज पुलिस ने दबोचा, चोरी की बाइक व तमंचा बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नवाबगंज । पुलिस टीम ने गैंगस्टर एक्ट के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल तथा एक अवैध देशी तमंचा बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध नया मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार थाना नवाबगंज पर पंजीकृत मुकदमा संख्या 175/2026, धारा 2/3 उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे अभियुक्त अंकित कुमार गौतम पुत्र फूलचन्द्र निवासी कटरा कौडिहार, थाना नवाबगंज को गुरुवार को मादूपुर रामनगर के पास से गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल (वाहन संख्या UP70 GB 7120) तथा एक अवैध देशी तमंचा .315 बोर बरामद किया गया। बरामद मोटरसाइकिल थाना मऊआइमा में दर्ज मुकदमा संख्या 183/2026 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता से संबंधित चोरी की वाहन पाई गई।

गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना नवाबगंज में मुकदमा संख्या 234/2026 धारा 317(2)/347 भारतीय न्याय संहिता एवं 3/25 आयुध अधिनियम के तहत नया अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी एक संगठित आपराधिक गिरोह का सदस्य है, जिसका सरगना छैला बाबू सरोज निवासी बरेज, श्रृंगवेरपुर बताया गया है। गिरोह के सदस्य आर्थिक एवं भौतिक लाभ के लिए चोरी, वाहन चोरी तथा वाहनों के इंजन और चेसिस नंबर बदलकर उन्हें बेचने जैसे संगठित अपराधों को अंजाम देते रहे हैं।

जयमाल के बाद दूल्हा बेहोश, मुंह से झाग निकलता देख लड़की ने शादी से किया इंकार

बहरिया (प्रयागराज)। गंगापार के बहरिया इलाके में उस समय घराती-बरातियों में खलबली मच गई, जब अचानक दूल्हा बेहोश हो गया। गेस्ट हाउस में बुधवार को आई बरात में जयमाल के बाद दूल्हा अचेत हो गया और उसके मुंह से झाग निकलने लगा। यह देख लड़की ने विवाह से मना कर दिया। लड़की पक्ष के लोगों ने दूल्हे व उसके पिता को जबरन बैठा लिया। सूचना पर मौके पर पहुंची बहरिया पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले गई। वहां घंटे भर चली पंचायत के बाद दोनों पक्षों में में आपसी समझौते के बाद शादी तोड़ दी गई और बरात बिन दुल्हन के वापस लौट गई। प्रतापगढ़-प्रयागराज सीमा स्थित एक गांव से बहरिया क्षेत्र के एक गेस्ट हाउस में बुधवार रात बरात आई थी। द्वारचार पर बरात पहुंची तो भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद जयमाल का कार्यक्रम शुरू हुआ। वर-वधु ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई। कुछ देर बाद स्टेज से दूल्हा जैसे ही चंद कदम आगे बढ़ा अचानक गिर पड़ा। उसके मुंह से झाग निकलने लगा। वह अचेत था। यह देख लड़की पक्ष के लोगों में खलबली मच गई। दुल्हन ने शादी से साफ इन्कार कर दिया। समझाने-बुझाने के बाद भी वह नहीं मानी।

कठिन समय में इफको हमेशा देश के साथ खड़ी रही है-: जयंतीभाई मोहनभाई पानसुरिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। अमरेली जिला सहकारी खरीद विक्रय संघ (गुजरात) के अध्यक्ष जयंतीभाई मोहनभाई पानसुरिया ने कहा है कि इफको किसानों के लिए एक समर्पित संस्था है जो कठिन समय में हमेशा देश के साथ खड़ी रही है। हमें इफको जैसी संस्था से सीखना चाहिए कि कैसे अनुशासन में रहना चाहिए।

पानसुरिया मोतीलाल नेहरू ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, कॉर्डेट इफको फूलपुर के प्रशिक्षण कक्ष में अमरेली जिले में कृषि और संबंध सहकारी समितियों के अध्यक्षों एवं सदस्यों के लिए आयोजित एकदिवसीय प्रशिक्षण भ्रमण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिलीप भाई सिंघानी अध्यक्ष इफको की अगुवाई में इफको प्रगति की राह पर है। अमरेली जिला सहकारी खरीद विक्रय संघ (गुजरात) के अध्यक्ष श्री जयंतीभाई मोहनभाई पानसुरिया ने प्रारंभ में सभी प्रतिभागियों के साथ कॉर्डेट की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण किया। तत्पश्चात कॉर्डेट फूलपुर प्रधानाचार्य डॉ. विवेक दीक्षित ने सभी का स्वागत करते हुए कॉर्डेट की गतिविधियों से परिचित कराया। प्रभारी समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम राजेश कुमार सिंह ने खेती में जैव उर्वरकों ,जैव अपघटकों और नीम खली के प्रयोग को विस्तार से बताया। इसी क्रम में प्रभारी प्रशिक्षण मुकेश तिवारी ने नैनो उर्वरकों से संबंधित जानकारी साझा की। इसी क्रम में सभी प्रतिभागियों को इफको नैनो यूरिया संयंत्र एवं परंपरागत यूरिया संयंत्र का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम की अगुवाई इफको फूलपुर इकाई प्रमुख पी.के. सिंह ने की। उनके साथ में शंभू शेखर उप महाप्रबंधक कार्मिक एवं प्रशासन, अनिल कुमार सिंह वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिक एवं प्रशासन, अखिलेश शुक्ला अधिकारी प्रशासन, एवं कोरडेट की टीम उपस्थित रही।

मोहर्रम की तैयारियों में जुटा प्रशासन

● यातायात पुलिस व नगर निगम का संयुक्त अतिक्रमण विरोधी अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को यातायात पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने खुल्दाबाद क्षेत्र से करेलाबाग तक विशेष अतिक्रमण एवं यातायात जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान अधिकारियों ने सड़क किनारे किए गए अतिक्रमणों, अवैध पार्किंग और यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने वाले स्थलों का निरीक्षण कर लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संयुक्त टीम ने मरकरी चौराहा (खुल्दाबाद) से करेलाबाग तक पैदल भ्रमण करते हुए सड़क किनारे लगे अस्थायी ठेले, खोमचे, दुकानों के बाहर फैले सामान तथा अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने दुकानदारों, वाहन चालकों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उन्हें आगामी मोहर्रम के दौरान प्रशासन द्वारा लागू किए जाने वाले यातायात एवं सुरक्षा संबंधी नियमों की जानकारी दी। अभियान के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि मोहर्रम के जुलूस मार्गों और प्रमुख सड़कों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा। सड़क किनारे ठेले, खोमचे या अन्य अस्थायी दुकानें लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही सार्वजनिक मार्गों पर वाहन खड़े कर यातायात बाधित करने वालों पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी। यातायात पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों से अपील की कि वे अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें और सड़क किनारे अव्यवस्थित पार्किंग से बचें। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। यातायात कर्मियों द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने से जाम और अन्य समस्याओं से बचा जा सकता है। नगर निगम अधिकारियों ने व्यापारियों और दुकानदारों से अनुरोध किया कि वे अपनी दुकानों का सामान सड़क तक न फैलाएं तथा सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखें। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर चालान, जुर्माना एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

स्मार्ट राशन कार्ड बनाने के नाम पर वसूली कर रहे कोटेदार, रुपये न देने पर कार्ड निरस्त करने की दी जा रही धमकी

प्रयागराज। लाभार्थियों का स्मार्ट राशन कार्ड बनाने के नाम पर कोटेदार धन उगाही कर रहे हैं। राशन कार्ड धारकों को कोटेदार स्मार्ट कार्ड बनाने के नाम 300 रुपये वसूल रहे हैं। जो पैसा देने से इन्कार करते हैं, उनका राशन कार्ड निरस्त करने की धमकी दी जाती है। यही नहीं लिए गए पैसे की कोटेदार रसीद भी देते हैं, लेकिन इस खेल से खाद्य एवं रसद विभाग अनभिज्ञ है। खुलेआम सारा खेल चल रहा है, लेकिन विभाग के अधिकारियों को कुछ पता नहीं है। शहर के चक जीरो रोड की रहने वाली राशन कार्ड धारक सुलेखाबानो, चौक की रेशमा, जीरो रोड के रामचंद्र व सोहन लाल ने बताया कि कोटेदार पिछले एक माह से स्मार्ट राशन कार्ड बनवाने के लिए दबाव बना रहा था। इसके लिए उसने 300 रुपये जमा करवाए। नियम विरुद्ध यह खेल महीनों से चल रहा है, लेकिन विभागीय अधिकारी व कर्मचारियों को इसकी भनक नहीं है। वहीं, कुछ लोगों का आरोप है कि सारा खेल विभाग के संरक्षण पर चल रहा है। शासन को ओर से स्मार्ट (प्लास्टिक का) राशन कार्ड बनाने का कोई आदेश नहीं है। स्मार्ट राशन कार्ड बनाने के नाम पर जो कोटेदार वसूली कर रहे हैं, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जल्द ही जांच टीम गठित की जाएगी। दोषी पाए जाने पर कोटा निरस्त करने के साथ एफआइआर दर्ज कराई जाएगी।

'CCTV बंद करके खोले जाते हैं गुल्लक '; फलाहारी महाराज ने CM योगी को खून से लिखा खत

● मंदिर प्रबंधन कमेटी पर लगाये गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

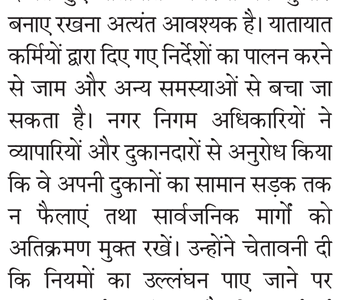

ब्यूरो प्रयागराज। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा प्रकरण में जांच के बाद मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर के चढ़ावे को लेकर सीबीआई जांच की मांग उठने लगी है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास समिति अध्यक्ष दिनेश फलाहारी ने बुधवार को खून से पत्र लिखकर मुख्यमंत्री से सीबीआई जांच की मांग की है. इस दौरान उन्होंने गंभीर आरोप लगाए हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास समिति अध्यक्ष दिनेश फलाहारी महाराज ने बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खून से पत्र लिखा है. उन्होंने मंदिर प्रबंधन कमेटी पर गंभीर आरोप लगाये हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर में दाने के रुपये, चढ़ावा, आभूषणों को सीसीटीवी कैमरे बंद करके प्रबंधन कमेटी वाले लोग बंदरबांट करके करोड़ों की गाड़ियों और कोठियों में प्रस्थान कर गये हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जो प्रबंधन कमेटी वाले पहले स्कूटर पर आते थे, आज करोड़ों की गाड़ियों में चलते हैं. करोड़ों के बंगला, कोठी और फॉर्म हाउस हैं. उनका आरोप है कि उत्तर प्रदेश ही नहीं उत्तराखंड में भी इन लोगों ने जमीनें खरीदी हैं। उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे की जांच होनी चाहिए, अगर ऐसा नहीं किया गया तो वह प्रयागराज हाईकोर्ट में एक प्रार्थना पत्र देकर अपनी शिकायत दर्ज कराएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस समय गुल्लक खुलता है वहां के सीसीटीवी कैमरे भी बंद कर दिए जाते हैं. उन्होंने कहा कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ हो रहा है. यह बहुत ही दुखद है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस प्रबंधन को अपने हाथ में ले लें।

जन्मभूमि सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने इस प्रकरण में कुछ भी बोलने से मना कर दिया और कहा मंदिर में जो चढ़ावा आता है, उसका लिखित में लेखा-जोखा दर्ज किया जाता है. इन लोगों की बातें निराधार हैं।

देश की शिक्षा प्रणाली एक्सटोर्शन मशीन

● बच्चों को दबाती-कुचलती है इसे बदलना होगाः राहुल गांधी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को 'कोचिंग हब' के रूप में विख्यात कोटा शहर में छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' में देश की शिक्षा प्रणाली की प्रासंगकिता पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह हमारे बच्चों को दबाती और कुचलती है जो देश के लिए सही नहीं है। उन्होंने देश की शिक्षा प्रणाली को बदलने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''हिंदुस्तान की शिक्षा प्रणाली अपने बच्चों को 'प्रेशराइज' (दबाव में) करता है। यह उन्हें 'स्ट्रेस' (तनाव) देता है। यह बच्चों को दबाता और कुचलता है, जो देश के भविष्य के लिए बिल्कुल सही नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''मैं चाहता हूं कि हम सब मिलकर इसके खिलाफ लड़ाई लड़ें, ताकि आगे से किसी भी बच्चे को 'आत्मघाती' कदम न उठाना पड़े।'' इससे पहले राहुल गांधी ने कहा कि उनकी छात्रों और युवाओं के साथ इस संवाद का मकसद राजनीतिक नहीं है। उन्होंने कहा, ''यह कोई राजनीतिक बैठक नहीं है। इसमें भारत की शिक्षा प्रणाली पर चर्चा होगी कि इसमें क्या कमियां हैं और क्या सुधार करने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, ''यह बैठक आपके बारे में है, उन युवाओं के बारे में है जो अपना भविष्य बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह शाम आपके बारे में है, उन चुनौतियों के बारे में जिनका आप हर दिन सामना कर रहे हैं। ' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा की तैयार कर रहे पांच छात्रों को मंच पर बुलाया और उनसे बात की। उन्होंने एक छात्रा और उसके अभिभावकों से भी मंच पर बात की। उन्होंने कहा, ''हम अभी आज राजनीतिक बात नहीं कर रहे हैं। मैं हिंदुस्तान के भविष्य की बात कर रहा हूं, आपके भविष्य की बात कर रहा हूं, देश के भविष्य की बात कर रहा हूं। हमें इस (शिक्षा) प्रणाली को बदलना होगा और इस प्रणाली को ठीक करना होगा।'' उन्होंने कहा कि हम ऐसी शिक्षा प्रणाली चाहते हैं जो हर भारतीय को बड़ा सपना देखने का मौका दे और उसे पूरा करे। सबसे बड़ी बात आपका यह सपना न्यूनतम लागत पर, बिना आपकी जेब से लाखों करोड़ रुपये छीने करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''देश की शिक्षा प्रणाली हिंदुस्तान के सबसे गरीब मध्यम वर्ग के लोगों से एक परीक्षा के लिए उतना पैसा छीनता है जितना शिक्षा का बजट है और पांच बड़ी परीक्षा के लिए उतना पैसा छीनता है जितने पांच बड़े मंत्रालयों को बजट मिलता है। ये शर्मनाक है। हमें इसे बदलना होगा।'' उन्होंने कहा, ''भारत की शिक्षा प्रणाली शोषण (एक्सटोर्शन) मशीन है। ये आपसे पैसे लेने का 'सिस्टम' है। ये सिर्फ शिक्षा देने का 'सिस्टम' नहीं है। ये परीक्षा के आधार पर आपसे लाखों करोड़ रुपये छीनने का 'सिस्टम' है।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि यह कार्यक्रम इस आंदोलन की शुरुआत है। उन्होंने युवाओं से इससे जुड़ने और अपने सुझाव देने की अपील की कि हम इस प्रणाली को कैसे बदलें।

सचिव की पोल खोलने, खुद घोटाले में फंसे दो प्रधान

प्रयागराज। किसी ने सही कहा है कि जब खुद का घर शीशे का हो तो दूसरों के मकान में पत्थर नहीं मारते। गंगापार के धनूपुर ब्लाक की दो ग्राम पंचायतों किरांव व शंकरपुर के प्रधान शायद इस कहावत को भूल गए। एक सप्ताह पहले दोनों प्रधानों के प्रतिनिधियों ने सचिव पर कूड़ेदान की खरीद में करीब छह लाख के गबन का आरोप लगाया। बीडीओ ने जांच तो 16.28 लाख का घोटाला सामने आया। खास बात यह है कि इस घोटाले में अब वह प्रधान खुद भी फंस रहे हैं, जिन्होंने सचिव की शिकायत की थी। फिलहाल, प्रकरण की विस्तृत जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर दी गई है।सचिव की पोल खोलने, खुद घोटाले में फंसे दो प्रधान; प्रयागराज में 16.28 लाख रुपये की हेराफेरी किरांव की प्रधान निर्मला देवी और शंकरपुर की प्रधान सोनी देवी हैं। दोनों ही ग्राम पंचायतों में एक ही सचिव संगमलाल पटेल की तैनाती हैं। दोनों प्रधानों के प्रतिनिधि 11 जून को डीडीओ जीपी कुशवाहा से मिले थे। डीडीओ के निर्देश पर धनूपुर के बीडीओ उमेश कुमार सिंह ने प्रकरण की जांच की। विकास विभाग के एक उच्चपदस्थ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सिर्फ कूड़ेदान की खरीद की हेराफेरी पकड़ी गई थी। इस खुलासे के बाद जब सचिव को तलब किया तो 16.28 लाख का घोटाला उजागर हुआ। अधिकारी के मुताबिक यह पूरा भुगतान मई और जून में किया गया था। हैंडपंपों की मरम्मत, इंटरलाकिंग, ह्यूमपाइप व कूड़ेदान की खरीद के नाम पर यह धनराशि निकाली गई है। शंकरपुर में करीब 4.53 लाख तो किरांव में 11.75 लाख रुपये का भुगतान हुआ है। विभागीय अधिकारी ने बताया कि पहले दोनों प्रधानों ने बिना काम कराए भुगतान कराया था। जब सचिव को इसका पता चला तो उसने भी बगैर काम के धनराशि निकाल ली।

यूपी बोर्ड ने 465 स्कूलों की मान्यता रद्द की

● लिस्ट में प्रयागराज के 25 विद्यालय शामिल, एडमिशन पर लगी रोक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश ने नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रदेश के 465 विद्यालयों की मान्यता तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी है. इस बड़ी कार्रवाई की जद में आए हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अकेले प्रयागराज जिले के 25 विद्यालय शामिल हैं। परिषद द्वारा कराई गई आंतरिक जांच में यह बात सामने आई है कि इन डिफाल्टर विद्यालयों से पिछले दो वर्षों में एक भी छात्र बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित नहीं हुआ था. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव ने समीक्षा के बाद मान्यता निरस्त किए गए सभी विद्यालयों की आधिकारिक सूची जारी कर दी है। शर्तों का उल्लंघन करने पर भेजा गया था नोटिसः ये सभी प्रभावित विद्यालय उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित विद्यालय मान्यता प्रदान करने की नियमावली के विशेष प्रावधानों के तहत मान्यता प्राप्त थे. बाद में शासन और बोर्ड द्वारा विभिन्न स्तरों पर की गई आकस्मिक जांच और परीक्षण में पाया गया कि संबंधित विद्यालय निर्धारित अनिवार्य शर्तों को पूरा नहीं कर रहे थे। ऐसे लापरवाह विद्यालयों को बोर्ड द्वारा पहले कारण बताओ नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का अंतिम अवसर भी दिया गया था. लेकिन निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रबंधन से कोई संतोषजनक जवाब न मिलने पर अंततः इनकी मान्यता समाप्त करने का कड़ा निर्णय लिया गया। इतना ही नहीं, परिषद ने संबंधित सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि इन विद्यालयों में वर्तमान में पठन-पाठन कर रहे विद्यार्थियों के भविष्य की रक्षा की जाए. छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए उन्हें पास के अन्य सरकारी व मान्यता प्राप्त विद्यालयों में समायोजित (शिफ्ट) कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रयागराज समेत यूपी के 21 जिलों में हुई कार्रवाईः बोर्ड द्वारा जारी की गई इस ब्लैकलिस्टेड सूची में आगरा, अलीगढ़, मथुरा, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, कौशांबी, सुल्तानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ़, मऊ, बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, वाराणसी और मिर्जापुर सहित कुल 21 से अधिक जिलों के विद्यालय मुख्य रूप से शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

हरियाली से गुलजार होंगी गयाजी की बंजर पहाड़ियां, 'सीड ब्लॉक' तकनीक से बनेंगे नए इको-टूरिज्म हब

पटना। गयाजी की सूनी बंजर पड़ी पहाड़ियों को अब इको-टूरिज्म केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके तहत इन पहाड़ियों पर हरियाली बढ़ाते हुए पर्यटकों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। पर्यटन विभाग ने इसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। विभाग के अनुसार, डुंगेश्वरी, ब्रह्मयोनि, प्रेतशिला, रामशिला, गुरूपा और बराबर जैसी पहाड़ियों पर सीड ब्लॉक तकनीक का उपयोग करते हुए एक लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। यह पौधे वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से लगाई जाएगी। सीड ब्लॉक तकनीक बंजर भूमि पर तेजी से हरियाली विकसित करने की प्रभावी तकनीक है। इसमें कोकोपीट, वर्मी कंपोस्ट और मिट्टी को मिलाकर एक विशेष गाढ़ा मिश्रण तैयार किया जाता है, जिसमें पानी सोखने की अच्छी क्षमता होती है। इस गीली मिट्टी को दबाकर छोटे-छोटे चोकोर (क्यूब) ब्लॉक का रूप दे दिया जाता है। इन ब्लॉक में बने गड्ढों में सीधे बीज डाल दिए जाते हैं। जब तक बीज अंकुरित होकर पौधा बनता है, मिट्टी का यह ब्लॉक ही उसके लिए गमले और पोषक तत्व दोनों का काम करता है।गया की पहाड़ियों के अलावा कैमूर के माता मुंडेश्वरी धाम में भी इको टूरिजम विकसित करने की योजना है। इसके साथ ही इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पूरे प्रदेश में 24 से अधिक स्थलों को विकसित किया जा रहा है। इनमें वन्यजीव अभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यान, झीलें, जलप्रपात और पहाड़ियां शामिल हैं।

'बढ़ती उम्र के असर में बयानबाजी कर रहे लालू', नीतीश पर टिप्पणी को लेकर मंत्री अशोक चौधरी का पलटवार

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत के क्रम में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी ने गुरुवार को कहा कि नीतीश कुमार को लेकर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का बयान राजनीति से प्रेरित है। मद्य निषेध मंत्री मदन सहनी तथा समाज कल्याण मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता भी जन सुनवाई कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस अवसर पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, प्रो. नवीन आर्य चंद्रवंशी, लोकप्रकाश सिंह एवं अरविंद कुमार सिंह 'छोटू सिंह' भी उपस्थित थे। अशोक चौधरी ने कहा कि जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को लेकर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव द्वारा दिया गया बयान पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है। सभी को पता है कि आवास एवं सुरक्षा से जुड़े सभी निर्णय सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुरूप लिए जाते हैं। बढ़ती उम्र के प्रभाव में लालू प्रसाद यादव इस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर राज्य सरकार अपराध और अपराधियों के प्रति शुरू से ही 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर कार्य कर रही है। अपराध नियंत्रण के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है तथा किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री मदन सहनी ने कहा कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून प्रभावी रूप से लागू है और इस पर सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शराब के अवैध कारोबार में संलिप्त असामाजिक तत्वों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है तथा कानून का उल्लंघन करने वालों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने कहा कि एनडीए सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नीतीश कुमार के सुशासन और समावेशी विकास के विजन के अनुरूप राज्य के हर वर्ग और हर क्षेत्र तक विकास की रोशनी पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मंडरो प्रखंड में आम उत्सव सह बागवानी मेला का भव्य आयोजन, जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने किया उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मंडरो, साहिबगंज, झारखंडः- मंडरो प्रखंड परिसर में कृषि एवं बागवानी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आम उत्सव सह बागवानी मेला का भव्य आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन मंडरो प्रमुख शिला देवी ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता शिवशंकर गुप्ता, बीपीओ अभिषेक आनंद, जेई नेहाल आलम सहित कई प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए प्रमुख शिला देवी ने कहा कि क्षेत्र में आम एवं अन्य बागवानी फसलों की अपार संभावनाएं हैं। किसानों को आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से इस तरह के आयोजनों का विशेष महत्व है। उन्होंने किसानों से बागवानी के क्षेत्र में आगे बढ़कर अपनी आय बढ़ाने का आह्वान किया। सामाजिक कार्यकर्ता शिवशंकर गुप्ता ने कहा कि बागवानी किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का एक प्रभावी माध्यम है। ऐसे मेले किसानों को नई जानकारी, तकनीक और बाजार से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने किसानों को सरकार की विभिन्न कृषि एवं बागवानी योजनाओं का लाभ उठाने की सलाह दी। बीपीओ अभिषेक आनंद एवं जेई नेहाल आलम ने भी किसानों को संबोधित करते हुए बागवानी फसलों की उन्नत खेती, सिंचाई व्यवस्था, पौधों की देखभाल तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने किसानों की समस्याएं भी सुनीं और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। मेले में विभिन्न प्रकार के आम, एवं बागवानी उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन किया और विशेषज्ञों से खेती संबंधी जानकारी प्राप्त की। आयोजन स्थल पर किसानों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड के विभिन्न विभागों के कर्मी, जनप्रतिनिधि, किसान एवं स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आम उत्सव सह बागवानी मेला किसानों के लिए ज्ञानवर्धक एवं लाभकारी साबित हुआ तथा कृषि एवं बागवानी के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शहरी बेघर परिवारों को मिलेगा पक्का घर, बिहार सरकार ने मंजूर किए 74.94 करोड़ रुपये

पटना। शहरी क्षेत्रों में रहने वाले गरीब और आवासविहीन परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने के लिए बिहार सरकार ने प्रधानमंत्री आवास (शहरी) योजना के तहत 74.94 करोड़ रुपये खर्च करने की स्वीकृति दी है। इस राशि का उपयोग राज्य के विभिन्न शहरों में चल रही आवास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने और लाभार्थियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में किया जाएगा। सरकार के अनुसार, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने योजना के लिए केंद्रांश की राशि जारी की है। इसके अनुरूप राज्य सरकार ने भी अपना अंशदान उपलब्ध कराया है। केंद्र और राज्य सरकार की राशि को मिलाकर कुल 74 करोड़ 94 लाख रुपये से अधिक की राशि खर्च की जाएगी। इस राशि के उपयोग की मंजूरी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए दी गई है। योजना के तहत नगर निकायों और संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों को इस राशि का उपयोग प्रधानमंत्री आवास (शहरी) योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार करना होगा। इससे निर्माणाधीन आवासों का काम तेज होगा और पात्र लाभार्थियों को समय पर सहायता मिल सकेगी।

ब्लड मैन निर्मल जैन ने 101वीं बार रक्तदान कर किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- गौर स्पोर्टस वुड परिवार, सेक्टर 79 नोएडा द्वारा थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए पहली बार वोलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन एवं पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्प हॉस्पिटल के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन ब्लड मैन निर्मल जैन ने 101वी बार रक्तदान कर के किया तत्पश्चात सुनील भट्ट ,रमेश यादव, सुसांत जैन, संजय कपूर, रीकी कुमार, आसीस ,आस्था ,आर के भारती, अभीषेक ,अखिलेश, अनुज, एच सरमा, महिपाल,एम सिंह, प्रदीप कुमार, विवेक, रत्नेश आदि अनेक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। रक्तदान के पश्चात एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन ने समस्त रक्तदाताओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनके इस कदम के लिए बहुत-बहुत साधुवाद किया। साथ ही रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। ब्लड मैन निर्मल जैन को 101वी रक्तदान करने

पर गौर स्पोर्टस वुड परिवार, हजारीबाग के सांसद मनीष जैसवाल विधायक प्रदीप प्रसाद आदि अनेक संस्थाओं ने बधाई दी। एसोसिएशन के सदस्यों ने काहा कि हमे अपने अध्यक्ष निर्मल जैन पर गर्व है जो स्वयं तो रक्तदान करते हुए अन्य लोगों को भी रक्त दान के लिए प्रेरित करते हैं। परिवार के डॉ डी डी अग्रवाल, शेलेदंर सिन्हा, उमेश कुमार, पी के गोयल, रमेश मितल आदि अनेक सदस्यों ने रक्तदाताओं का मनोबल बढ़ाने कार्य किया। शिविर को सफल बनाने में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्प अस्पताल के डॉ मीनाक्षी डॉ राकेश डॉ आराध्या डॉ सोहन, सुभम, राज, विमलेस, कमलेस, ज्योति, मोहित करण एवं उनकी टीम का विशेष सहयोग रहा।

बिहार में बढ़ेंगे ट्रामा सेंटर और हर टोल प्लाजा पर होगी एंबुलेंस, निशांत कुमार करेंगे अस्पतालों का औचक निरीक्षण

पटना। राज्य के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों द्वारा मरीजों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतों पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि मरीजों के हितों से कोई समझौता नहीं होगा। जरूरत पड़ने पर वे स्वयं अस्पतालों के निरीक्षण पर निकलेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में ट्रामा सेंटर की संख्या बढ़ाई जाएगी। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में नए ट्रामा सेंटर स्थापित किए जाएंगे। अभी नौ ट्रामा सेंटर परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। प्रत्येक टोल प्लाजा पर एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि सड़क दुर्घटना की स्थिति में घायल लोगों को तत्काल पास के ट्रामा सेंटर तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने बुधवार को प्रदेश जदयू कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम में यह बात कही। कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा शामिल हुए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पीएमसीएच में सांस संबंधी बीमारियों के उपचार के लिए अब 24 घंटे इमरजेंसी सेवा उपलब्ध रहेगी। बिहारवासियों को 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए तमाम जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, नवीन आर्य चंद्रवंशी एवं अरविंद कुमार सिंह उर्फ छोटू सिंह मौजूद थे।

बरही विद्युत विभाग कार्यकाल में विद्युत विपत्र शिकायतें निवारण शिविर का आयोजन

● बढ़े हुए बिजली बिल को लेकर उमड़े उपभोक्ता, शिकायत निवारण शिविर में हुई सुनवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से गुरुवार को बरही विद्युत विभाग कार्यालय परिसर में विद्युत विपत्र शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों, विद्युत विपत्र (बिजली बिल) में विसंगतियों तथा मोबाइल नंबर अपडेट कराने से जुड़े अनुरोधों का निपटारा किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे उपभोक्ताओं ने बढ़े हुए बिजली बिल को लेकर अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। कई उपभोक्ताओं ने बिल में आई अनियमितताओं की जांच कर उचित सुधार की मांग की। विभागीय अधिकारियों ने प्राप्त आवेदनों पर सुनवाई करते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया, वहीं कुछ मामलों का त्वरित निष्पादन भी किया गया। इस अवसर पर बरही विद्युत विभाग के एसडीओ सौरभ लिंडा ने कहा कि ऐसे शिविरों का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान करना है। उन्होंने बताया कि विभाग उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए लगातार प्रयासरत है और भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। शिविर में हजारीबाग के एक्सक्यूटिव क्षेत्रमोहन, बरही जेई अभिषेक आनंद, हरिद्वार मिश्रा, राजेश पांडेय, दिलशाद आलम, रमेश कुमार, दीपक राणा सहित विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पलामू माओवादी की आतंक में पति की हत्या, 19 वर्षों से दर-दर भटक रही विधवा महिला

● सरकारी योजनाओं से अब तक वंचित आशा कुंवर ने पलामू उपायुक्त से लगाई आवास की गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पलामू, झारखंडः- जिले के पाटन प्रखंड अंतर्गत ग्राम कानोदी टोला सोनपुरवा से एक मार्मिक मामला सामने आया है, जो सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति पर कई सवाल खड़े करता है। गांव की विधवा महिला आशा कुंवर आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। उनका आरोप है कि वर्ष 2007 में जब झारखंड के कई इलाकों में माओवादी गतिविधियां चरम पर थीं, उस दौरान उनके पति स्वर्गीय मुनी यादव की नक्सलियों ने हत्या कर दी थी। बताया जाता है कि गांव में एक नहर निर्माण कार्य चल रहा था, जिसमें मुनी यादव मुंशी के रूप में कार्यरत थे। आरोप है कि माओवादियों द्वारा लेवी की मांग की गई थी, लेकिन मांग पूरी नहीं होने पर उनकी हत्या कर दी गई। घटना के बाद पलामू न्यायालय में मामला दर्ज हुआ, लेकिन 19 वर्ष बीत जाने के बावजूद परिवार को न्याय और सरकारी सहायता का अपेक्षित लाभ नहीं मिल सका। विधवा आशा कुंवर बताती हैं कि पति की मौत के बाद उन्होंने अकेले अपने तीन बेटियों और दो बेटों का पालन-पोषण किया। मजदूरी कर बच्चों को पढ़ाया-लिखाया और उनकी शादी-विवाह भी कराई। लेकिन संघर्ष का सिलसिला यहीं नहीं रुका। कुछ वर्ष पूर्व उनके बड़े पुत्र की किडनी की बीमारी के कारण मृत्यु हो गई। लगातार दुखों और आर्थिक संकटों का सामना करने के बावजूद उन्हें आज तक कोई विशेष सरकारी सहायता प्राप्त नहीं हुई। आशा कुंवर का आरोप है कि सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास योजना, अंबेडकर आवास योजना समेत कई कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उन्हें नहीं मिला। जबकि उनके अनुसार गांव के कई अन्य लोगों को इन योजनाओं का लाभ दिया गया है। उनका

घर जर्जर अवस्था में है, दरवाजे तक की समुचित व्यवस्था नहीं है और बरसात के दिनों में रहने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पति की माओवादी हत्या के बाद उन्हें उम्मीद थी कि प्रशासन उनकी स्थिति को समझेगा, लेकिन आज तक कोई अधिकारी उनकी समस्याओं का जायजा लेने उनके घर नहीं पहुंचा। आशा कुंवर ने पलामू उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत से मांग की है कि उनकी स्थिति की जांच कर उन्हें अविलंब प्रधानमंत्री आवास योजना अथवा किसी अन्य आवासीय योजना के तहत आवास उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें।

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने टाटीझरिया में किया तूफानी दौरा, गांवों में लगाई चौपाल

● पीएम मोदी के 12 वर्षों के विकास कार्यों को जन- जन तक पहुंचाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टाटीझरिया, झारखंडः- भाजपा संगठन के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल इन दिनों अपने क्षेत्र के सघन प्रवास पर हैं। लगातार तीसरे दिन अपने प्रवास कार्यक्रम के तहत सांसद जायसवाल ने मांडू विधानसभा क्षेत्र के टाटीझरिया और विष्णुगढ़ प्रखंड के विभिन्न गांवों का तूफानी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण चौपालों के जरिए प्रबुद्धजनों और स्थानीय जनता से सीधा संवाद स्थापित किया। दौरे की शुरुआत में टाटीझरिया प्रखंड के सत्रह माइल चौक पर पहुंचने पर स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने सांसद मनीष जायसवाल का फूल-मालाओं के साथ आत्मीय और जोरदार स्वागत कर उनका हौसला बढ़ाया। सांसद मनीष जायसवाल ने टाटीझरिया प्रखंड अंतर्गत डहरभंगा पंचायत के विभिन्न गांवों में गोधिया, घुघुलिया, केसडा, बौधा और छोटा डहरभंगा और टाटीझरिया का सघन दौरा किया। गोधिया गांव में श्रीराम मंदिर के समीप ग्रामीणों से बातचीत के दौरान स्थानीय लोगों ने तालाब, सड़क और मंदिर के लिए प्रतिमा से जुड़ी समस्याएं रखीं, जिसपर सांसद ने जल्द समाधान का भरोसा दिया। छोटा डहरभंगा में सांसद मनीष जायसवाल ने विशिष्ट भाजपा नेत्री गोमदी देवी से खास मुलाकात की और क्षेत्र के विकास पर चर्चा की। इसके बाद टाटीझरिया के शिव मंदिर परिसर में भी भारी संख्या में जुटे लोगों के साथ सांसद ने जनसंवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। कई मामलों में सांसद मनीष जायसवाल ने त्वरित पहल करते हुए ऑन द स्पॉट निराकरण किया तो कई समस्याओं के समाधान का भरोसा जताया। दौरे के दौरान डूमर ग्राम पंचायत के निवासी और सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी रामेश्वर पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और भाजपा के कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। टाटीझरिया शिव मंदिर प्रांगण में सांसद मनीष जायसवाल ने उन्हें भाजपा का पट्टा और फूल-माला पहनाकर पार्टी में उनका स्वागत किया और इसे अपना सौभाग्य बताया। सांसद मनीष जायसवाल ने जनता को संबोधित करते हुए कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साल 2014 से 2026 तक के 12 वर्षों का लंबा कार्यकाल देश के लिए अभूतपूर्व बदलाव, विकास और जनकल्याण का काल रहा है। शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार मैं क्षेत्र की जनता के बीच जाकर पीएम मोदी के इस 12 साल के 'विश्वास और विकास' के कार्यों का लेखा-जोखा रख रहा हूँ। जनता का जो स्नेह और आशीर्वाद मिल रहा है, वह यह साफ दर्शाता है कि लोगों का भरोसा भाजपा पर अडिग है। क्षेत्रवासियों की समस्याओं का समाधान मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। सांसद मनीष जायसवाल के इस तूफानी दौरे के दौरान हर जगह उनके साथ भाजपा के पदाधिकारी, कद्दावर नेता और स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, हजारीबाग जिला सांसद प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, मांडू विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि द्वारिका सिंह उर्फ खोखा सिंह, लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, टाटीझरिया भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाशपति सिंह और टाटीझरिया प्रमुख सह सांसद प्रतिनिधि संतोष मंडल, भाजपा कार्यकर्ता निखिल सिंह, सुशांत सिंह, उपेंद्र पांडेय, सहदेव गोप, सुरेंद्र कुशवाहा, सुरेश कुशवाहा, अनिल प्रसाद, परमेश्वर यादव, जीतन यादव, सूरज यादव, पूनम देवी, रजनीकांत चौधरी, झुनझुन गुप्ता और कृष्णा साव भी पूरे दौरे में शामिल रहे।

जोनिहिया में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, 351 कलश यात्रा से भक्तिमय हुआ पूरा क्षेत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दारू, हज़ारीबाग, झारखंडः- प्रखंड क्षेत्र के जोनिहिया गांव में आयोजित श्री श्री 1008 रुद्र महायज्ञ सह नंदी प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान 351 महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा में भाग लिया। गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।कलश यात्रा जोनिहिया यज्ञ मंडप से विधिवत पूजा-अर्चना के बाद शुरू हुई। श्रद्धालु झुमरा होते हुए मेढ़कुरी शिवानी नदी पहुंचे, जहां आचार्य डॉ. अनुग्रह नारायण शर्मा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश में पवित्र जल भरवाया गया। इसके बाद सभी श्रद्धालु कलश लेकर पुनः यज्ञ मंडप पहुंचे, जहां विधि-विधान से कलश स्थापना की गई।यात्रा में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश लेकर शामिल हुईं, वहीं युवा और बुजुर्ग भी पूरे उत्साह के साथ भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही।मुख्य पुजारी तपेश्वर सिंह, रवि कुमार सिंह एवं सुरेश सिंह ने बताया कि महायज्ञ के तहत प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। शनिवार को वेदी पूजन, रविवार को नगर भ्रमण एवं प्रवचन तथा 22 जून सोमवार को रुद्राभिषेक, नंदी प्राण प्रतिष्ठा, महाआरती, प्रसाद वितरण एवं भंडारे के साथ महायज्ञ का समापन होगा।

'विदेशी हसीना' के इश्क में पटना का बाबू कंगाल!

पटना। गर्दनीबाग इलाके में रहने वाले एक 25 वर्षीय युवक को विदेशी लड़की से ऑनलाइन डेटिंग करना महंगा साबित हुआ। साइबर ठगों ने खूबसूरत लड़की की आड़ में युवक को ऐसा जाल बिछाया कि उसने अपनी गाढ़ी कमाई के चार लाख रुपये गंवा दिए। ठगी का शिकार होने के बाद पीड़ित ने साइबर थाने में मामला दर्ज कराया है। इस धोखाधड़ी की शुरुआत इंस्टाग्राम पर दिखे एक आकर्षक विज्ञापन से हुई। विज्ञापन में दावा किया गया था कि इसके जरिए दुनिया भर की सुंदर लड़कियों से ऑनलाइन डेटिंग की जा सकती है। युवक इस जाल में फंस गया और दिए गए नंबर पर संपर्क किया। अपराधियों ने उसे 'मांगर बेला' नाम की एक कथित विदेशी लड़की से कनेक्ट कर दिया। कुछ दिनों तक मीठी बातें कर लड़की ने युवक का भरोसा जीत लिया। भरोसा जीतने के बाद लड़की ने युवक को एक वेबसाइट का लिंक भेजा और कहा कि इस पर कुछ आसान टास्क पूरे करके वह घर बैठे लाखों कमा सकता है। शुरुआत में युवक को कुछ टास्क के बदले मुनाफा भी मिला। इसके बाद लड़की के कहने पर उसने बड़ी रकम निवेश करना शुरू कर दिया। जब युवक ने अपना पैसा निकालना चाहा, तो वह अटक गया। लड़की ने टैक्स और अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर उससे और पैसे डलवा लिए। चार लाख रुपये डूबने के बाद युवक को समझ आया कि वह ठगा जा चुका है।

सेठ घाट पर 20 जून को होगा योग दिवस कार्यक्रम

लखीमपुर खीरी। शहर में विकास कार्यों के तहत सैधरी-घोसियाना रोड स्थित राम घाट तक 8.15 करोड़ रुपये की लागत से नई सड़क का निर्माण कराया जाएगा। आवास विकास से नगर पालिका तक दूसरी सड़क भी बनाई जाएगी, जबकि सेठ घाट के सौंदर्यीकरण का कार्य जारी है। सदर विधायक योगेश वर्मा ने कहा कि सरकार क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं 20 जून को उल्ल नदी किनारे स्थित सेठ घाट पर योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन होगा। विधायक योगेश वर्मा और नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने नगरवासियों से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

बच्चा गांव में कल होगा भव्य जलसा

●देश के नामचीन उलेमा करेंगे शिरकत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मंडरो, साहिबगंज, झारखंडः- मंडरो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बच्चा गांव में कल 20 जून को चार मुहर्रम के अवसर पर एक भव्य धार्मिक जलसा का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़े-बड़े औलामा-ए-कराम और इस्लामी विद्वान शिरकत करेंगे तथा दीन-ए-इस्लाम की शिक्षाओं पर रोशनी डालेंगे। बच्चा गांव के इमाम शाहबाज कमर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह जलसा चार मुहर्रम की बरकत और धार्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों के पहुंचने की उम्मीद है और आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। जलसे में उलेमा-ए-कराम अपने बयान के माध्यम से इंसानियत, भाईचारा, अमन-शांति और इस्लामी तालीमात पर चर्चा करेंगे। आयोजन समिति ने क्षेत्र के लोगों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर जलसे को कामयाब बनाने की अपील की है। स्थानीय लोगों में जलसे को लेकर उत्साह का माहौल है और दूर-दराज के इलाकों से भी लोगों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

बिहार में फर्जी ऑनलाइन आदेश से बदल रहे जमीन के फैसले

● बिहार के अंचल कार्यालयों में फर्जी ऑनलाइन आदेशों के जरिए जमीन संबंधी फैसलों को बदला जा रहा है। पूर्वी चंपारण और सीतामढ़ी में ऐसे मामले सामने आने के बाद सरकार ने आरसीएमएस पोर्टल से आदेशों के मिलान का निर्देश दिया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार के अंचल कार्यालयों में ऐसे मामले आ रहे जो गंभीर हैं। इनमें डीसीएलआर या अपर समाहर्ता के आदेश को छेड़छाड़ कर बदल देते हैं। यही नहीं, फर्जी आदेश को आनलाइन अपलोड भी करा देते हैं। इसके आधार पर अंचल कार्यालय से अपने हिसाब से काम कराते हैं। पूर्वी चंपारण में इस तरह का मामला पकड़ में आने के बाद सरकार सतर्क है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की उपनिदेशक मोना झा ने सभी अपर समाहर्ता, डीसीएलआर और अंचल अधिकारी को पत्र जारी किया है। इसमें उच्चतर राजस्व न्यायालय के आदेश के अनुपालन के समय आरसीएमएस (राजस्व न्यायालय प्रकरण प्रबंधन प्रणाली) पोर्टल से उसका मिलान निश्चित रूप से करने को कहा है। पूर्वी चंपारण में ऐसा मामला सामने आने के बाद इस तरह का निर्देश जारी हुआ है। जारी पत्र में उपनिदेशक ने लिखा है कि डीसीएलआर, मोतिहारी सदर के नाम से फर्जी आदेश जारी कर उसका अनुपालन अंचल कार्यालय से कराया गया। इसे देखते हुए दाखिल-खारिज प्रक्रिया समेत भूमि संबंधी अन्य मामलों के निष्पादन में इस तरह के फर्जीवाड़े से इन्कार नहीं किया जा सकता।

मोतिहारी सदर डीसीएलआर ने अपने ही आदेश की कापी को देखा तो पकड़ाया मामला

मोतिहारी सदर की डीसीएलआर प्रीति कुमारी ने इस मामले को पकड़ा था। विवादित भूमि की म्यूटेशन अपील की जांच के दौरान उन्होंने अपने ही कोर्ट से जारी आदेश को देखा तो शक हुआ। इसके बाद मामले में जारी मूल आदेश से इसका मिलान कराया गया। सदर अंचल कार्यालय में जमा की गई कापी पूरी तरह फर्जी पाई गई। हस्ताक्षर से लेकर ज्ञापांक और दिनांक सब फर्जी निकले। इस पत्र के आधार पर दो मामलों का म्यूटेशन भी करा दिया गया था।

मामले में प्राथमिकी के बाद एक साइबर कैफे से इस तरह का फर्जीवाड़ा किए जाने की बात सामने आई। इस तरह के फर्जीवाड़े को रोकने के लिए ही अब आरसीएमएस पोर्टल पर अपलोड आदेश से मिलान करने को कहा गया है।

सीतामढ़ी में भी फर्जीवाड़ा

सीतामढ़ी के रुन्नीसैदपुर में भी इसी तरह का मामला सामने आया है। इसमें अंचलाधिकारी के आदेश को डीसीएलआर ने खंडित कर दिया। डीसीएलआर के आदेश को अपर समाहर्ता ने भी सही करार दिया। इसके बावजूद फर्जीवाड़ा कर रुन्नीसैदपुर अंचल कार्यालय से आदेश के उलट कार्य करा लिया गया। मामला प्रमंडलीय आयुक्त के यहां आया है। इसकी जांच की जा रही। सरकार के सतर्क होने से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि फर्जी आदेश को आनलाइन अपलोड कर जमीन संबंधी मामले को प्रभावित किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

21 दिन पहले हुई शादी के बाद मायके आई नव विवाहिता हुई लापता

कोंच(जालौन)- कोतवाली कोंच क्षेत्र के एक गांव में मायके से एक नवविवाहिता के संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो जाने की घटना प्रकाश में आयी है। लापता हुई नवविवाहिता के माँ-बाप ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसकी विवाहित बेटी को गांव का ही एक युवक अपने जीजा के साथ मिलकर बहला-फुसला कर अपने साथ ले गया है, साथ ही घर में रखी नगदी और बेटी के जेवरात भी गायब हैं। लापता नवविवाहिता की शादी महज 21 दिन पहले ही हुई थी और फिलवक्त वो यहां पर अपने मायके आई हुई थी। शिकायती पत्र में बताया कि बीती 16 जून को दोपहर करीब 12 बजे उसकी विवाहित बेटी अपनी एक सहेली की शादी के बाद सहेली द्वारा आयोजित पार्टी में शामिल होने के लिए पड़ोसी गांव गई हुई थी। देर शाम तक जब बेटी वापस अपने मायके नहीं लौटी तो उन्होंने बेटी की खोजबीन शुरू की। इस दौरान पता चला कि गांव का ही एक युवक और उसका जीजा बहला फुसलाकर बेटी को अपने अपने साथ ले गए हैं। आरोप लगाया कि घर में रखे करीब 62 हजार रुपए नगदी और बेटी के जेवरात भी मौके से गायब है। पीड़ित माँ-बाप ने मामले में पुलिस से कार्यवाही किए जाने की मांग की है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह का कहना है कि शिकायती पत्र में लगाए गए आरोपों की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी, फिलहाल महिला की तलाश में पुलिस संलग्न है।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनी आमजन की समस्याएं, दिये त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- गुरुवार दिनांक 18.06.2026 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों एवं नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, साइबर अपराध, गुमशुदगी, राजस्व संबंधी प्रकरणों सहित विभिन्न पुलिस संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की तथ्यपरक जांच करते हुए पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना प्राथमिकता रहे। साथ ही शिकायतकर्ताओं को की गई कार्यवाही से समय-समय पर अवगत कराने तथा जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशील एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा उत्पीड़न पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। जिन प्रकरणों में तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें प्राथमिकता के आधार पर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

स्टेशन पर महिला यात्री के गले से सोने की चेन उड़ाई

ट्रेन में चढ़ते समय भीड़ का फायदा उठाकर शातिर ने दिया वारदात को अंजाम

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

ललितपुर। रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। झांसी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर ट्रेन में चढ़ रही एक महिला यात्री के गले से अज्ञात बदमाश ने सोने की चेन पार कर दी। घटना के बाद महिला ने डायल-112 पर सूचना दी, जिसके आधार पर जीआरपी ललितपुर में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बिहार के सीवान जनपद के थाना पचरुखी क्षेत्र स्थित ग्राम नैनेपुरा निवासी कबिता देवी पत्नी रविन्द्रय राय अपनी पुत्री शिल्पी कुमारी के साथ यात्रा कर रही थीं। 16 जून को वह झांसी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर खड़ी 12191 जबलपुर-निजामुद्दीन सुपरफास्ट एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार हो रही थीं। इसी दौरान कोच के दरवाजे पर अत्यधिक भीड़ थी। पीड़िता के अनुसार ट्रेन में चढ़ते समय किसी अज्ञात व्यक्ति ने भीड़ का फायदा उठाकर उनके गले में पहनी करीब 10 ग्राम वजन की सोने की चेन झपट ली और मौके से फरार हो गया। चोरी गई चेन की अनुमानित कीमत लगभग 65 हजार रुपये बताई गई है। घटना के तुरंत बाद महिला ने डायल-112 पर सूचना दी। इसके बाद 17 जून की सुबह जीआरपी थाना ललितपुर में लिखित तहरीर दी गई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 305(बी) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

आईजीआरएस शिकायतों की समीक्षा में जिलाधिकारी सख्त

- सुबह 10 से 12 बजे तक तहसीलों में बैठकर जनसुनवाई करें अधिकारी-जिलाधिकारी

प्रत्येक शिकायत आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराने के निर्देश-जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा करते हुए समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक तहसील मुख्यालय पर बैठकर जनसुनवाई करें तथा प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त होने वाली शिकायतों को आईजीआरएस पोर्टल पर भी दर्ज कराया जाए, जिससे उनकी नियमित निगरानी एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित हो सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि तहसील स्तर की समस्याओं का निस्तारण तहसील स्तर पर तथा ब्लॉक स्तर की समस्याओं का निस्तारण ब्लॉक स्तर पर ही प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इससे शिकायतकर्ताओं को अपनी समस्याओं के समाधान हेतु उच्च स्तर के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने समस्त खंड विकास अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि वे ब्लॉक मुख्यालय पर आने वाले फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनें तथा उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का समाधान अधिकतम स्थानीय स्तर पर सुनिश्चित किया जाए, जिससे लोगों को अनावश्यक रूप से अन्यत्र भटकना न पड़े। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को

शिकायतों के निस्तारण में पूर्ण संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए तथा कहा कि शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने 17 जून से 23 जून 2026 तक एक सप्ताह का विशेष राजस्व निस्तारण अभियान जिसमें कुर्रा बंटवारा (धारा-116), नामांतरण (धारा-34), पैमाइश (धारा-24), मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना तथा स्वामित्व/घरौनी योजना से संबंधित प्रकरण की समीक्षा किये, कुल 1076 लंबित राजस्व वादों के सापेक्ष आज 170 वादों का निस्तारण हुआ है जिसपर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्ति किये, जिलाधिकारी ने कहा कि इस अभियान से सम्बन्धित राजस्व वादों का ससमय निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

सीएमओ ने सीएचसी का किया निरीक्षण, दिए दिशा निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मुख्य चिकित्सा अधिकारी हरिनंदन प्रसाद गुरुवार की दोपहर औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्धारित समय पर अस्पताल न पहुंचने वाले चिकित्सकों और कर्मचारियों पर उन्होंने नाराजगी जताई तथा समय पालन सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

सीएमओ ने सबसे पहले उपस्थिति रजिस्टर का निरीक्षण किया। निर्धारित समय पर चिकित्सकों और कर्मचारियों को उपस्थित रहने की बात कही। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक और चिकित्सकों को निर्देश दिए कि मरीजों को बाहर की दवाएं लिखने की शिकायत किसी भी स्थिति में नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी चिकित्सक द्वारा बाहर की दवा लिखे जाने का मामला सामने आया तो संबंधित चिकित्सक के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की

जाएगी। सीएमओ ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने एक्स-रे कक्ष, बीपी कक्ष, प्रसव कक्ष, नेत्र कक्ष और ऑपरेशन कक्ष सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया तथा जहां कमियां मिलीं, उन्हें तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। सीएमओ ने दवा वितरण केंद्र पर पहुंचकर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही दवाओं के बारे में जानकारी ली और वितरित दवाओं की भी जांच की। अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए उन्होंने स्वच्छता में सुधार लाने के निर्देश दिए।

पालिकाध्यक्ष ने बैठक कर कर्मचारियों को दिए दिशा निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- आगामी मोहर्रम त्योहार पर नगर में साफ सफाई, प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने के साथ ही आवारा जानवरों के विचरण पर रोक लगाए जाने की मंशा से पालिकाध्यक्ष ने सफाई नायकों और कर्मचारियों की बैठक लेकर उन्हें जरूरी दिशा निर्देश दिए। गुरुवार को नगर पालिका कार्यालय में बैठक लेते हुए पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने निर्देशित किया कि आगामी त्योहारों को देखते हुए नगर के मुख्य मार्ग सहित सभी वार्डों में प्राथमिकता के आधार पर प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए। पोलों पर लगी लाइटें जो खराब स्थिति में हैं और जल नहीं रही है वो सभी लाइटें बदली जायें। उन्होंने निर्देश दिए कि आम रास्तों में समय से झाड़ू लगाकर नालियों की साफ सफाई की जाए और कूड़ा यहां वहां जमा न रहने पाए, बल्कि कूड़े को निर्धारित स्थान पर ले जाकर जमा करें। पालिकाध्यक्ष ने कहा की साफ सफाई और प्रकाश व्यवस्था में लापरवाही न बरती जाए, नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इससे पहले पालिकाध्यक्ष ने वार्ड नंबर 18 प्रताप नगर का भ्रमण कर उक्त व्यवस्थाएं परखी। वार्ड वासियों ने साफ सफाई व्यवस्था लचर होने की शिकायत की जिसको लेकर उन्होंने शीघ्र ही व्यवस्था दुरुस्त कराने का आश्वासन दिया। नगर पालिका में हुई बैठक में सभासदगण भी मौजूद रहे।

टीईटी/सीटीईटी पास शिक्षामित्रों के समायोजन की मांग

ललितपुर। टीईटी पास उत्थान शिक्षामित्र उत्थान समिति के बैनर तले शिक्षामित्रों ने मुख्यमंत्री एवं बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन बीएसए के माध्यम से प्रेषित कर टीईटी/सीटीईटी उत्तीर्ण शिक्षामित्रों को सहायक अध्यापक पद पर समायोजित किए जाने की मांग उठाई है। कहा गया है कि प्रदेश में लगभग 50 हजार शिक्षामित्र ऐसे हैं जो स्नातक, बीटीसी तथा शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी/सीटीईटी) उत्तीर्ण कर चुके हैं और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा निर्धारित शिक्षक बनने की सभी योग्यताएं पूरी करते हैं। इसके साथ ही उन्हें परिषदीय विद्यालयों में 20 वर्षों से अधिक समय तक अध्यापन कार्य का अनुभव भी प्राप्त है। शिक्षामित्रों ने अपने ज्ञापन में उल्लेख किया कि सुप्रीम कोर्ट में रामशरण मौर्य बनाम उत्तर प्रदेश सरकार मामले में 18 नवंबर 2020 को दिए गए आदेश तथा सरकार द्वारा प्रस्तुत हलफनामे के अनुसार 51,112 पद रिक्त बताए गए हैं। ऐसे में लंबे अनुभव और निर्धारित योग्यता रखने वाले टीईटी पास शिक्षामित्रों का रिक्त पदों के सापेक्ष समायोजन कर उन्हें सहायक अध्यापक बनाया जाए।

यात्रियों से भरी तेज रफ्तार प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर पलटी, 12 यात्री घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- नदीगांव थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक बड़ा सड़क हादसा घटित हो गया। उरई से नदीगांव जा रही यात्रियों से भरी एक प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। इस हादसे में एक दंपत्ति समेत कुल एक दर्जन यात्री घायल हुए हैं, इनमें से 10 घायलों को उपचार के लिए नदीगांव सीएचसी और घायल दंपत्ति को कोंच सीएचसी में भर्ती कराया गया है। उधर, बस दुर्घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम और सीओ मौके पर पहुँचे और घायल यात्रियों की जानकारी लेकर उनका हालचाल जाना।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार की दोपहर उरई से नदीगांव की ओर जा रही प्राइवेट बस यूपी 92 बीटी 2896 करीब डेढ़ बजे नदीगांव थाना क्षेत्र के कन्हरी-कनासी गांव के बीच पहुंची ही थी कि अचानक चालक का तेज रफ्तार बस की स्टेयरिंग से नियंत्रण हट गया, जिसके चलते बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। बस के पलटते ही उसमें सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। राहगीरों सहित स्थानीय ग्रामीण भागकर मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। सूचना पर नदीगांव थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और फिर बस से बाहर

बस दुर्घटना में घायल श्यामलाल (65) निवासी ग्राम चकधारी, रामबली (60) निवासी ग्राम टीहर, सुनीता (45) निवासी ग्राम लालपुर, रामप्रकाश (65) निवासी ग्राम नावली, रामसिंह (70) निवासी ग्राम खजुरी, रामवती (60) निवासी ग्राम टीहर, रजनी (40) निवासी ग्राम पर्वतपुरा, कृष्णस्वरूप (62) निवासी ग्राम मडोरा‌कली, नारायण सिंह (70) निवासी ग्राम नरौल, विशाल (17) निवासी ग्राम गिदवासा को नदीगांव सीएचसी और दंपत्ति विनीता (38) अरविंद (41) निवासी ग्राम पचोखरा को कोंच सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

निकाले गए घायल यात्रियों को एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए नदीगांव और कोंच सीएचसी में भर्ती कराया गया। कुछ यात्रियों को हल्की और कुछ को गंभीर चोटें आई हैं। एसडीएम हेमंत कुमार पटेल और सीओ परमेश्वर प्रसाद ने मौके पर पहुंचकर घटना के बाबत जानकारी ली। दोनों अधिकारियों ने घायलों का हालचाल भी जाना। वहीं पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को दुर्घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है।

सड़क दुर्घटना में नर्स हुई घायल

कोंच (जालौन)- सीएचसी केंद्र के मुख्य गेट के समीप एक सड़क हादसे में अर्बन हॉस्पिटल की स्टाफ नर्स घायल हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह अस्पताल के कार्य से सीएचसी जा रही थी और सड़क पार कर रही थी। मोपेड गाड़ी लूना की टक्कर से घायल हुई नर्स कोउपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, गुरुवार की सुबह करीब 11 बजे अर्बन हॉस्पिटल में कार्यरत स्टाफ नर्स रचना गौतम पत्नी विपिन अस्पताल के काम से सीएचसी अधीक्षक से मिलने जा रही थी। जब वह सीएचसी के मुख्य गेट के समीप पहुंचकर सड़क पार कर रही थी, तभी सामने की ओर से आ रही मोपेड गाड़ी लूना के चालक ने लापरवाही बरतते हुए रचना को जोरदार टक्कर मार दी और सड़क पर गिरकर वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उपचार के लिए तत्काल ही उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया।

संगोबांध आरोग्य मंदिर में वर्षों से लापता डॉक्टर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पेज न, 1 की शेष खबर

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि डॉक्टर वास्तव में अपनी ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हो रहे हैं तो उनकी उपस्थिति कैसे दर्ज हो रही है और उनके वेतन का भुगतान किस आधार पर किया जा रहा है? यह जांच का विषय है। ग्रामीणों में चर्चा है कि क्या स्वास्थ्य विभाग इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई करेगा या फिर मामला जांच और कागजी कार्रवाई तक ही सीमित रह जाएगा। लोगों का कहना है कि यदि नियमित निरीक्षण होता तो शायद ऐसी स्थिति पैदा ही नहीं होती। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि वर्षों से नदारद बताए जा रहे होमियोपैथिक और एलोपैथिक डॉक्टरों की जिम्मेदारी तय होगी या नहीं? क्या विभाग उनकी उपस्थिति, कार्यप्रणाली और वेतन भुगतान की जांच कराएगा? या फिर ग्रामीणों को आगे भी डॉक्टरों के इंतजार में ही रहना पड़ेगा? जनता को अब स्वास्थ्य विभाग के जवाब और कार्रवाई का इंतजार है।

म्योरपुर सीएचसी अधीक्षक का पक्ष- इस मामले में म्योरपुर अधीक्षक ने कहा

कि,डॉक्टरों की रोस्टर ड्यूटी बनाकर सीएमओ कार्यालय को भेज दी गई है। यदि कोई डॉक्टर अपनी ड्यूटी पर उपस्थित नहीं रहता है तो उसकी उपस्थिति दर्ज नहीं की जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस बावत मुख्य चिकित्साधिकारी ने प्रकरण की जाँच करा करके नियमानुसार कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया है। वहीं जिला होमियोपैथिक चिकित्साधिकारी ने कहा कि प्रकरण की जाँचकर कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी।

सबसे बड़ा सवाल कि डॉक्टर नदारद, अब कार्रवाई का इंतजार!

हाजिरी किसकी, ड्यूटी कौन कर रहा?

संगोबांध में गायब डॉक्टरों पर कब गिरेगी गाज?

जनता पूछ रही सवाल, स्वास्थ्य विभाग कब देगा जवाब?

डॉक्टर नहीं, फिर वेतन किस बात का?

भारत सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं जन-जागरूकता अभियान आयोजित

- किसानों से जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान

जनपद के 22 प्राकृतिक खेती क्लस्टरों से जुड़े 2750 किसानों की सहभागिता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- कार्यालय उप कृषि निदेशक, मंगुराही, सोनभद्र में भारत सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं जन-जागरूकता अभियान का आयोजन मा0 विधायक घोरावल श्री अनिल कुमार मौर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख रॉबर्ट्सगंज अजित रावत, पूर्व सांसद रामसकल, जिलामंत्री प्रसन्न पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं किसानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। सर्वप्रथम उप कृषि निदेशक राजकुमार ने कृषि विभाग द्वारा संचालित प्राकृतिक खेती कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में 22 प्राकृतिक खेती क्लस्टर संचालित हैं, जिनसे 2750 किसान जुड़े हुए हैं। उन्होंने जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, दशपर्णी एवं नीमास्त्र के प्रयोग से रसायन-मुक्त एवं स्वास्थ्यवर्धक कृषि को बढ़ावा देने पर बल दिया। पूर्व सांसद श्री रामसकल ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम कर प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया तथा किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा एवं अन्य योजनाओं का लाभ लेकर आय बढ़ाने की सलाह दी। प्रगतिशील कृषक श्री विद्यापति ने जैविक खेती के अपने अनुभव साझा करते हुए गोबर की खाद एवं प्राकृतिक कृषि तकनीकों के लाभ बताए। उन्होंने सब्जी उत्पादन में प्राकृतिक खेती की सफलता के उदाहरण भी प्रस्तुत किए। विधायक घोरावल अनिल कुमार मौर्य ने किसानों से रसायन-मुक्त खेती अपनाकर

स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने मोटे अनाजों के अधिकाधिक उपयोग पर बल देते हुए कहा कि प्राकृतिक कृषि पद्धति स्वास्थ्य संरक्षण और पर्यावरण संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में दिनेश बियार एवं अन्य वक्ताओं ने भी किसानों को सनई, ढैंचा जैसी फसलों को हरी खाद के रूप में प्रयोग करने तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। अंत में जिला कृषि अधिकारी वीरेन्द्र कुमार ने विभागीय योजनाओं एवं उपलब्ध बीजों की जानकारी देते हुए सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सैनिकों और उनके परिजनों की समस्याओं के समाधान को प्रशासन गंभीर

- एडीएम की अध्यक्षता में हुई सैनिक बंधु बैठक, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) दिनेश कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सैनिक बंधु बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के भूतपूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों तथा वीरांगनाओं (सैन्य विधवाओं) की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक का शुभारंभ जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल आशीष अहलूवालिया (अवकाश प्राप्त) द्वारा अतिथियों एवं उपस्थित अधिकारियों के स्वागत के साथ हुआ। उन्होंने केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों से योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। बैठक में पिछली सैनिक बंधु बैठक में उठाए गए प्रकरणों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि कई मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण कर दिया

गया है, जबकि कुछ प्रकरण अभी भी लंबित हैं। इस पर अपर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सैनिकों एवं उनके आश्रितों से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। अपर जिलाधिकारी दिनेश कुमार ने कहा कि देश की रक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सैनिकों और उनके परिवारों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों एवं सैन्य विधवाओं से अपील की कि वे अपनी समस्याएं सैनिक बंधु बैठक के माध्यम से प्रशासन के समक्ष रखें, ताकि उनका समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी, जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के कर्मचारी, बड़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिक, उनके परिजन एवं आश्रित उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सैनिकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

पच्चीस हजार रुपये का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

जखौरा पुलिस को मिली बड़ी सफलता

ललितपुर। अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जखौरा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। एसपी मो. मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह एवं सीओ सदर सुनील कुमार के पर्यवेक्षण में जखौरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित ग्राम करगन नयाखेड़ा निवासी नितिन ठाकुर उर्फ नितेन्द्र पुत्र भूपेन्द्र सिंह उर्फ बलवीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी थाना जखौरा में पंजीकृत मु.अ.सं. 42/2026 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहा था। लंबे समय से फरार रहने के कारण उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की विधिक कार्रवाई की गई। पुलिस अभिलेखों के अनुसार गिरफ्तार गैंग लीडर नितिन ठाकुर के विरुद्ध विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें मारपीट, धमकी, एससी/एसटी एक्ट तथा गैंगस्टर एक्ट से संबंधित मामले शामिल हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार बैस, वरिष्ठ उपनिरीक्षक अरुण कुमार, उपनिरीक्षक विवेक धामा, हेड कांस्टेबल अरविन्द कुमार तथा कांस्टेबल श्याम सुन्दर शामिल रहे।

सिद्धनपुरा में सड़क, नाला और पेयजल संकट से परेशान लोग

- कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के नाम भेजा ज्ञापन
- बरसात में जलभराव और गर्मियों में पानी की किल्लत से जूझ रहे वार्डवासी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। नगर के शिवाजी वार्ड नंबर-1 स्थित सिद्धनपुरा मोहल्ला नेहरू नगर के निवासियों ने क्षेत्र में व्याप्त सड़क, नाला एवं पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा। मोहल्लावासियों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया गया है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया कि मोहल्ले में आज तक नाला और सीसी रोड का निर्माण नहीं कराया गया है। इसके चलते बरसात के दिनों में क्षेत्र में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है। सड़कों पर कीचड़ और गंदा पानी भर जाने से लोगों का आवागमन बाधित हो जाता है तथा स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जलभराव और गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बना रहता है। मोहल्लावासियों ने चिंता जताई कि यदि समय रहते नाला निर्माण नहीं कराया गया तो आगामी बरसात में स्थिति और भी विकट हो सकती है। ज्ञापन में पेयजल समस्या को भी प्रमुखता से उठाया गया है। क्षेत्रवासियों के अनुसार मोहल्ले में पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। गर्मी के दिनों में स्थिति और गंभीर हो जाती है तथा लोगों को दूर-दूर से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। महिलाओं और बच्चों को रोजाना पानी की व्यवस्था करने में काफी समय और श्रम लगाना पड़ता है। मोहल्लावासियों ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में भी कई बार अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। क्षेत्र में

डीएम को ज्ञापन देने पहुंचे मोहल्लेवासी

न तो सड़क निर्माण का कार्य शुरू हुआ और न ही पेयजल व्यवस्था में कोई सुधार किया गया। क्षेत्र के लोगों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए सिद्धनपुरा में सीसी रोड और नाला निर्माण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए तथा पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि वार्डवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें और उन्हें रोजमर्रा की समस्याओं से राहत मिल सके। इस दौरान संजय अहिरवार, तिरुपति रावत, सरोज, सलमा, रानी, धनुष, जशोदा, भारती, पिस्ता, नीता शर्मा, प्रिंस, स्वरूप सिंह लोधी एवं बड़ी संख्या में मोहल्लावासी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में क्षेत्र की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।

आंधी-बारिश में पेड़ गिरने से महिला की मौत, परिवार में मचा कोहराम

आंधी-बारिश से बचने के लिए अलग-अलग पेड़ों के नीचे खड़े हुए दंपति, आम का पेड़ गिरने से महिला की मौत

बार। थाना क्षेत्र के ग्राम सेमरा भागनगर में गुरुवार दोपहर आए तेज आंधी-तूफान और बारिश के दौरान एक दर्दनाक हादसे में 48 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान सरजू बाई पत्नी चुन्नालाल पाल निवासी सेमरा भागनगर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सरजू बाई अपने पति चुन्नालाल पाल के साथ खेत पर बकरियां चरा रही थीं। दोपहर करीब 3:30 बजे अचानक मौसम खराब हो गया और तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए पति-पत्नी जल्दबाजी में अलग-अलग पेड़ों के नीचे जाकर खड़े हो गए। इसी दौरान तेज आंधी के कारण खेत में स्थित एक विशाल आम का पेड़ जड़ समेत उखड़कर सरजू बाई के ऊपर गिर गया। घटना के समय पास के खेत में मृतका का भतीजा नंदराम पाल भी मौजूद था। पेड़ गिरने की तेज आवाज सुनकर वह मौके पर पहुंचा। उसे पता था कि उसकी चाची खेत पर बकरियां चराने आई थीं। मौके पर पहुंचने पर उसने देखा कि सरजू बाई पेड़ की मोटी डालियों के नीचे दबी हुई हैं। उसने तत्काल परिजनों और ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए और पेड़ की डालियों को हटाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक सरजू बाई की मौत हो चुकी थी।

संक्षिप्त खबरें

सपा विधायक पर अभद्र टिप्पणी करने पर केस दर्ज

प्रतापगढ़। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोगों के जिगर में दबी बातें उभर कर तैरने का दौर चल गया है और लोग मन का मंसूबा सोशल मीडिया प्लेट फॉर्म जी भर के उड़ेल दे रहे हैं। ऐसे साइबर अपराध पर लगाम लगाने के लिए शासन ने काफी कड़ाई की है। सोशल मीडिया प्लेट फॉर्म पर महिला सांसद कंगना रनौत के खिलाफ अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में रानीगंज विधानसभा के सपा विधायक डॉ राकेश कुमार वर्मा के खिलाफ प्रतापगढ़ साइबर थाने मे प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामला को लेकर भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अंशुमान सिंह ने तहरीर देकर शिकायत की है।उन्होंने आरोप लगाया है कि विधायक डॉ राकेश कुमार वर्मा ने 17 जून को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सांसद एवं महिला जनप्रतिनिधि कंगना रनौत के संबंध में अमर्यादित,अशोभनीय और महिला सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली भाषा का प्रयोग करते हुए सार्वजनिक पोस्ट की जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही थी,जिससे महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंची। इस वायरल घटना से जनमानस में रोष व्याप्त है।

दिलीपपुर स्टेट की रानी सुभमा सिंह का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

प्रतापगढ़। विकास खंड बाबा बेलखरनाथ धाम क्षेत्रांतर्गत स्थित दिलीपपुर स्टेट के राजा उदय प्रताप सिंह की पत्नी एवं राजपरिवार की रानी सुभमा सिंह (78) का बुधवार देर रात लखनऊ के एक निजी अस्पताल में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही दिलीपपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई।रानी सुभमा सिंह अपने पीछे पुत्र कुंवर सूरज प्रताप सिंह तथा पुत्री श्वेता सिंह सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर क्षेत्र के लोगों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो. शिवाकांत ओझा, पूर्व विधायक रानीगंज धीरज ओझा, बाबा बेलखरनाथ धाम ब्लॉक प्रमुख सुशील सिंह, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव, युवा मोर्चा अध्यक्ष अंशुमान सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख श्यामू ओझा, पूर्व विधायक राम शिरोमणि शुक्ल, कृष्ण कांत मिश्र, प्रशांत सिंह उर्फ बबलू सिंह, कृष्ण कुमार सिंह उर्फ रिंकू सिंह, कौशल सिंह तथा सुधाकर सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने शोक व्यक्त किया।रानी सुभमा सिंह के निधन से राजपरिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

भागवत कथा सुनने से होता है मानव जीवन का कल्याण: मधुसूदनाचार्य महराज

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बिस्कोहर के वार्ड नंबर 15 डेगहर में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के दूसरे दिन कथा व्यास स्वामी मधुसूदनाचार्य महाराज ने भगवान के 24 अवतारों एवं नारद महिमा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान विभिन्न अवतारों के माध्यम से धर्म की स्थापना और मानव कल्याण का संदेश देते हैं। नारद जी के प्रसंगों के माध्यम से भक्ति, सत्संग और सदाचार के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कथाव्यास ने कहा कि भागवत कथा समाज में नैतिक मूल्यों, आपसी प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना को मजबूत करती है तथा लोगों को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। इस दौरान यज्ञाचार्य बनवारी लाल, सुरेंद्र कुमार त्रिपाठी, शीला देवी, महेंद्र मणि त्रिपाठी, मनोज त्रिपाठी, धर्मेंद्र, अविनाश त्रिपाठी सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

ट्रक की ठोकर से बाइक सवार दो महिलाएं घायल

सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के बिस्कोहर-उत्तर यादवडीह मार्ग पर गुरुवार सुबह गैस सिलिंडर लदी ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो महिलाएं घायल हो गईं। बलरामपुर जिले के महजिदिया गांव निवासी दीपा साहू (30) और राधा देवी (32) अपने रिश्तेदार अरुण साहू के साथ शादी का सामान खरीदने बिस्कोहर आ रही थीं। उत्तर यादवडीह के पास पीछे से आए गैस सिलेंडर लदी ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में राधा देवी सड़क से दूर जा गिरी जबकि दीपा साहू गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से दोनों को निजी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सीएचसी इटवा रेफर कर दिया गया। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस जांच में जुटी है।

कानपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राकृतिक खेती को बताया स्वस्थ समाज और समृद्ध राष्ट्र का अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आज यहां गुरुवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद कहा कि प्राकृतिक खेती केवल कृषि पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज और समृद्ध राष्ट्र का अभियान है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और पेस्टीसाइड के बढ़ते प्रयोग ने धरती की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंचाया है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर डाला है। इसअवसर पर किसानों को सम्मानित करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि, 12 सालों में हमने बदलते भारत को देखा जो बिना रुके थके, चल रहा है। अपने विरासत व विकास को आगे बढ़ा रहा है भारत।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंनेकहा कि प्राकृतिक खेती केवल कृषि पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज और समृद्ध राष्ट्र का अभियान है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और पेस्टीसाइड के बढ़ते प्रयोग ने धरती की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंचाया है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर डाला है।

सीएसए परिसर में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय लोग हैंडपंप और तालाब का पानी पी लेते थे, लेकिन आज किडनी, लीवर और अन्य गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके पीछे खानपान और रसायनयुक्त कृषि का प्रभाव भी एक कारण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था अन्न के नाम पर जहर परोसने का काम नहीं कर सकती, इसलिए प्राकृतिक खेती की ओर लौटना समय की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने गोसंरक्षण को प्राकृतिक खेती से जोड़ते हुए कहा कि हम सभी गोमाता की पूजा करते हैं। गोआधारित खेती से गोवंश की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि शार्टकट के रास्ते अपनाने के कारण आज कई समस्याएं सामने आई हैं। यदि किसान गाय को परिवार का हिस्सा बनाएंगे तो खेती भी मजबूत होगी और गोवंश भी सुरक्षित रहेगा। वहीं मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम भी रहे । इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान भी मौजूद रहे।

राहुल गांधी का जन्मदिन वृद्धाश्रम में सेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा- डॉ. नीरज त्रिपाठी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

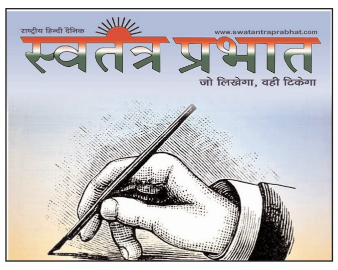

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन, अंबेडकर चौराहे पर गुरुवार को महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी ने की और संचालन कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला ने किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी का जन्मदिन प्रतापगढ़ नगर के महुली बाजार स्थित वृद्धाआश्रम में वृद्ध जनों को भोजन, फल वितरण एवं उनके साथ केक काटकर धूमधाम से मनाया जाएगा।कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि राहुल गांधी जी ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक 4000 किलोमीटर की भारत जोड़ो पदयात्रा कर देश के शोषितों, वंचितों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, गरीबों, मजदूरों, किसानों, युवाओं, महिलाओं और बेरोजगारों से सीधा संवाद किया। उनकी समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। उनके जन्मदिन को हम सेवा दिवस के रूप में मनाएंगे। कांग्रेस सेवादल जिला अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला ने कहा कि राहुल गांधी के आदर्शों पर चलते हुए सेवादल के कार्यकर्ता वृद्धाश्रम में पूरी निष्ठा से सेवा कार्य करेंगे।बैठक में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष वेदांत तिवारी, विजय शंकर त्रिपाठी, नगर अध्यक्ष मोहम्मद इश्तियाक, मौलाना वाहिद, संदीप त्रिपाठी, आर.पी वर्मा, प्रेम शंकर द्विवेदी, सरोज कश्यप, इन्द्रानंद तिवारी, चंद्रनाथ शुक्ला, रामरतन तिवारी, भवानी शंकर दुबे, सुरेश कुमार सरोज, विवेक पांडे, सुभाष तिवारी, रविंद्र मिश्रा, अनिल मौर्य, विकास जायसवाल, रियाज सुल्तान, आशिक अली, सलमान खान, अंजनी पांडे, विनीत मिश्रा बीडीसी, मुन्ना लाल यादव, प्रकाश पाण्डेय, विनय मिश्र आदि उपस्थित रहे।

लोटन पुलिस ने वसूली वारंट अभियुक्त को किया गिरफ्तार

लोटन(सिद्धार्थनगर)। पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान तथा थानाध्यक्ष लोटन हरिओम कुशवाहा के कुशल नेतृत्व में वांछित अभियुक्तों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने बृहस्पतिवार को न्यायालय से निर्गत वसूली वारंट का सफलतापूर्वक तामील कराया गया।इस दौरान अशोक कुमार पुत्र महेश, निवासी ग्राम सैनुआ, थाना कोतवाली लोटन, जनपद सिद्धार्थनगर को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 रविन्द्र सिंह, हे 0का0 धीरज पाण्डेय, का0 आनंद निषाद आदि रहे।

समाजवादी पार्टी महानगर की पीडीए यात्रा का दूसरा दिन पहुंचे किदवईनगर विधान सभा क्षेत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी महानगर पीडीए सन्देश यात्रा किदवई नगर विधान सभा के जूही से आरम्भ होकर पीडीए टीम ने पूरे क्षेत्र की जन समस्याओं का आकलन कराकर बूथ प्रभारियों को सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद ने सम्बोधन करते हुए कहा भाजपा सरकार कुंभकर्ण की नींद सो रही उसे किदवई नगर विधान सभा क्षेत्र को टूटी सड़के तथा गौशाला से दीप टाकीज तक खुदी सड़कें नजर नहीं आ रही जिसमें युवा पीढ़ी अपनी मोटर साइकिल से घर जाते हुए चुटहिल होकर अस्पताल पहुंच रहे लेकिन भाजपा सरकार का प्रशासन इस ओर मौन है। अध्यक्ष फ़ज़ल महमूद ने सम्बोधन मे कहा कि लाल कालोनी, सफेद कालोनी, हरी कालोनी, उस्मानपुर कालोनी,परमपुरवा,सहित दर्जनों क्षेत्रो में पीने के पानी का भीषण विकराल समस्या है यहा तक जनता को खरीद कर पानी पीना पड़ रहा है प्रतिदिन लाखो रुपये मूल्य को पानी बिक रहा है। जो प्यास बुझा रहा है लेकिन भाजपा के पाइप तथा हैन्डपम्प, समर्सिबल सूख रहे है। अध्यक्ष फजल महमूद ने सम्बोधन मे कहा उक्त विधान सभा क्षेत्र मे हजारो टन कूड़ा सड़को गलियो में बजबजा रहा है। सिल्ट सड़?को पर पड़ी है लेकिन भाजपा सरकार जनता को राहत देने के बजाय अस्पताल भिजवाने पर लगी है। अध्यक्ष फजल महमूद ने सम्बोधन मे कहा भाजपा देशी उत्पादक कम्पनीयो को दबा कर विदेशी कम्पनीयो को बढ़ावा दे रही जिसके कारण मंहगाई आसमान छूने जा रही है। जनसंदेश यात्रा मे प्रमुख रूप से हाजी फजल महमूद, प्रदेश सचिव के के शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, सुधांशु मिश्रा, हुकुम सिंह, मेराज अहमद, रजत मिश्रा, शादाब आलम, दीपक खोटे, सुलेखा यादव, दीप्ती सिंह, मोहसिन खान,शादाब खान, हमजा जाफरी, अकील अहमद, तुषार श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, प्रवीण मिश्रा, राजकुमार पाल, सचिन सिंह, काले खान, राजेंद्र कोरी, रेहान खान, दिनेश यादव, अरूण पांडेय, मो फैसल, आयुष खोटे आदि लोग मौजूद रहे।

सिद्धार्थनगर: बाणगंगा नदी में उतराया मिला युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। बानगंगा नदी में एक अज्ञात युवक का शव उतराया हुआ बरामद हुआ।पुलिस ने नदी से शव को बाहर निकलवाया और उसकी पहचान कराने की कोशिश की मगर उसकी पहचान नहीं हो पाई।पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरूवार को बानगंगा बैराज के पास टहल रहे कुछ लोगों ने देखा कि एक युवक का शव नदी के पास नहर में उतराया हुआ है।इतने में वहां लोगों की भीड़ इकठ्ठा हो गई और लोग उसकी पहचान करने की कोशिश करने लगे।वहां मौजूद कुछ लोगों ने दबी जुबान से कहा कि बुधवार की सायंकाल पांच बजे के आस-पास नदी में किसी के कूदने की आवाज सुनाई दी थी। शोहरतगढ़ पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाया और आसपास के लोगों को बुलाकर उसकी पहचान कराने की कोशिश की मगर उसका पता नहीं चल पाया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह ने कहा कि एक अज्ञात युवक का शव नहर में उतराया हुआ बरामद हुआ है वह काले रंग का टी-शर्ट पहने हुआ था।शव देखने से लग रहा है कि काफी देर पहले डूबने से इसकी मृत्यु हो गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट स्थिति का पता चल पाएगा।

मार्ग दुर्घटना में बाइक सवार दो घायल

सिद्धार्थनगर। इटवा-बिस्कोहर मार्ग पर भदाव गांव के पास वृहस्पतिवार दोपहर एक मार्ग दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए।हादसा इतना भीषण था कि बाइक का अगला पहिया टूटकर अलग हो गया। दुर्घटना के बाद कुछ देर तक मार्ग पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। जानकारी के अनुसार, बुड्ढी गांव निवासी जितेंद्र यादव (42) और अटल प्रजापति (38) बाइक से बिस्कोहर से अपने घर जा रहे थे। भदाव गांव के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे अज्ञात वाहन से उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इसी दौरान इटवा की ओर से आ रही एक अन्य पिकअप भी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में बाइक चालक जितेंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया है। वहीं पीछे बैठे अटल प्रजापति के सिर में चोट आई है। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। बिस्कोहर चौकी पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का दिया धरना और दिया ज्ञापन

प्रतापगढ़। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर गुरुवार को एन.आई.सी.परिसर में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (प्राथमिक संवर्ग), प्रतापगढ़ के जिलाध्यक्ष अशोक राय के नेतृत्व में विशाल भीड़ एकत्रित होकर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित सेवारत शिक्षक शिक्षिकाओं को शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता के विरोध में ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रमों का संचालन जिला महामंत्री जय प्रकाश पाण्डेय ने किया। उपस्थित शिक्षक समूह को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अशोक राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 27जुलाई2011और केन्द्रीय सेवाओं में 23 अगस्त 2010 के पूर्व से कार्यरत शिक्षकों, शिक्षिकाओं के लिए भी उच्चतम न्यायालय, द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य किया जाना सरासर अन्याय है और यह नैसर्गिक न्याय के विरुद्ध है। उन शिक्षकों पर टेट की अनिवार्यता एक जबर्दस्ती थोपी गई व्यवस्था है, जो कतई स्वीकार्य नहीं है।माध्यमिक संवर्ग के अध्यक्ष प्रभात त्रिपाठी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2017 के संसद के जिस संशोधन के आधार पर बेसिक शिक्षकों को बीस-पच्चीस साल तक नौकरी करने के बाद पुनः पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने का निर्णय दिया है, देश में वैसा उदाहरण मिलना असम्भव है। इसमें मानवीय पक्ष को पूरी तरह नकार दिया गया है। माध्यमिक संवर्ग के पूर्व प्रान्तीय कार्यकारी अध्यक्ष अरुण शुक्ल ने कहा कि संसद सर्वोच्च है और उच्चतम न्यायालय के निर्णय से बड़ी विसंगति पैदा हो गई है।

सक्रिय गैंग सदस्य की 20 लाख रुपये की अवैध चल अचल संपत्ति कुर्क

प्रतापगढ़। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के क्रम में पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में गैंगस्टर एक्ट के तहत थाना कोतवाली नगर पर पंजीकृत मु0अ0सं0-359/25, धारा- 2/3 उ0प्र0 गैंगस्टर एक्ट से संबंधित गैंग सदस्य मो0 इलियास पुत्र जान मोहम्मद निवासी रंजीतपुर चिलबिला थाना कोतवाली नगर जनपद प्रतापगढ़ के विरुद्ध धारा 14(1) उ0प्र0 गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत प्रभावी कार्यवाही की गई। थाना कोतवाली नगर पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 359/25, धारा- 2/3 उ0प्र0 गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत जिला मजिस्ट्रेट प्रतापगढ़ अभिषेक पाण्डेय द्वारा पारित आदेश के क्रम में कुर्की की कार्यवाही की गई है।कुर्क की गई अवैध चल/अचल संपत्ति में अभियुक्त मो0 इलियास की कार यूपी 72 ए वाई 1372 कीमत 8 लाख रुपए एवं फर्म किसान ग्रामोद्योग चिलबिला, प्रतापगढ़, अनुमानित मूल्य 14 लाख रुपए कुल 20 लाख रुपए की कुर्की कर ली गई है। उक्त आदेश के अनुपालन में थानाध्यक्ष कोतवाली देहात उ0नि0 पुष्पराज सिंह मय हमराह उ0नि0 अभिषेक कुमार वर्मा आदि द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए वाहन को धारा 14(1) उ0प्र0 गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत कुर्क किया गया।

पौराणिक स्थल अवध नाथ धाम में अनवरत एक माह श्री हरि कीर्तन एवं दिव्य भण्डारा संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जनपद के ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थल अवध नाथ धाम पर्वतपुर मान्धाता में ब्रम्हलीन संत श्री श्री 1008 श्री राम रुप दास जी महाराज विद्या कुण्ड अयोध्या की प्रेरणा से आयोजित एक माह दिव्य श्री हरि कीर्तन एवं विशाल भण्डारा श्रद्धा एवं उल्लास के साथ सकुशल संपन्न हुआ। यह परंपरा वर्ष 1960 ई से स्व0 कालूराम चौरसिया के सहयोग से अधिमास में प्रारंभ हुई थी। ब्रम्हलीन संत श्री राम रूप दास जी महाराज के सानिध्य में प्रारंभ हुआ यह श्री हरि कीर्तन धीरे धीरे भक्तों की आस्था और सहयोग से भव्य स्वरूप धारण कर चुका है। इस वर्ष भी पर्वत पुर,बलापुर, हसन पुर, बरियारपुर, संडवाखास सहित आस पास के ग्राम पंचायतों एवं दूर दराज के सनातन प्रेमियों के सहयोग से एक माह तक निरंतर श्री हरि कीर्तन का आयोजन किया गया।समापन पर आयोजित दिव्य विशाल भण्डारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम अध्यक्ष राम प्रताप सिंह , भैरव बख्श सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष मान्धाता, प्रधान पर्वतपुर राजेन्द्र प्रताप सिंह बबऊ, इन्द्र बहादुर पटेल,समर बहादुर सिंह पटेल,जगन्नाथ प्रसाद धुरिया, जगदीश पटेल,सूर्य बली मिश्र, पंडित लल्लन शुक्ल,मोहन सिंह, विजय प्रकाश सिंह, गणेश सिंह अधिवक्ता,अवधेश सिंह तोता, मान सिंह किसान संघ, ललित मिश्र,दयाराम निर्मल , ओमप्रकाश पुष्पाकर , शिव शंकर बौद्ध सहित क्षेत्र के तमाम गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, एवं सनातन प्रेमियों का सक्रिय योगदान रहा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व क्षेत्रीय पर्यावरण संरक्षण अधिकारी इंजीनियर जेबी सिंह, अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद प्रतापगढ़ के जिला संरक्षक नरेन्द्र बहादुर सिंह जिला अध्यक्ष राम लखन सिंह सहित संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे और आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में संस्कार, एकता और सेवा भाव को सुदृढ़ करते हैं। आयोजन समिति के ओर से प्रधान पर्वत पुर राजेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी सहयोगी ग्राम पंचायतों, दानदाताओं, कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

उन्नाव को मिली बड़ी सौगात, स्टेट कैपिटल रीजन में होगा शामिल: मुख्यमंत्री योगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने बुधवार को उन्नाव दौरे के दौरान जनपद को कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने लगभग 570 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया तथा उन्नाव को प्रस्तावित स्टेट कैपिटल रीजन (एस सी आर) में शामिल करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नाव को एससीआर में शामिल किए जाने से लखनऊ के विकास का लाभ सीधे जनपद को मिलेगा। इससे आधारभूत संरचना के विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर की तर्ज पर लखनऊ-उन्नाव-कानपुर रैपिड रेल परियोजना पर कार्य शुरू करने की तैयारी की जा रही है। प्रस्तावित परियोजना के माध्यम से हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखनऊ को भी बेहतर कनेक्टिविटी से जोड़ने की योजना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है, जिसके कारण लोग सुरक्षित वातावरण में अपने त्योहार और सामाजिक कार्यक्रम मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनपदों से प्राप्त विकास प्रस्तावों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य कर रही है और विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। कार्यक्रम के दौरान पुरवा विधानसभा क्षेत्र में कई सड़क एवं पुल निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। इनमें केकेएम सराय जोगा मार्ग से पहाड़पुर संपर्क मार्ग, हुसैनपुर-जमुका-पड़री मार्ग से पुरवियन खेड़ा मार्ग तथा मंगत खेड़ा-कांथा-सोहरामऊ मार्ग पर आरसीसी लघु सेतु निर्माण जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। सदर विधानसभा क्षेत्र में दही चौकी पावर हाउस से अग्निशमन प्रशिक्षण केंद्र दोस्ती नगर बाईपास मार्ग, मंधना-गंगा बैराज-शुक्लागंज-पुरवा-मोहनलालगंज मार्ग चौड़ीकरण तथा पंडित खेड़ा से आट संपर्क मार्ग जैसी परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया गया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के शासनकाल की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय प्रदेश में माफिया राज का बोलबाला था, जबकि वर्तमान सरकार कानून का राज स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री उन्नाव या आसपास जब भी कोई कार्यक्रम होता है तो वह कभी भी जनपद के बड़े नेताओं में गिने जाने वाले, पत्रकार, साहित्यकार, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश सरकार हृदयनारायण दीक्षित का नाम मंच से लेना नहीं भूलते। उन्होंने हृदयनारायण दीक्षित की तारीफ भी की। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री, सांसद, जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, विधायक पंकज गुप्ता, बंबालाल दिवाकर, श्रीकांत कटियार, बृजेश कुमार रावत, अनिल सिंह, आशुतोष शुक्ला, एमएलसी रामचंद्र प्रधान सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

डीसीपी यातायात का लक्ष्य : नेशनल हाईवे पर दुर्घटनाओं में कमी लाना, 338 वाहनों के चालान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर नगर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-34 (एनएच-34) पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत एनएच-34 पर 8 स्थानों पर बैरियर स्थापित करते हुए ड्यूटी लगायी गयी है, इसके अतिरिक्त तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर प्रत्येक 20 किमी पर 3 इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गयी है जिनके माध्यम से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। आज दिनांक 18.06.2026 में की गयी कार्यवाही के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 66 ट्रक, 07 बस, 93 चार पहिया/दो पहिया 166 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर 04 ट्रक, 07 बस, 100 चार पहिया/दो पहिया 111 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। गंगा बैराज पर 60 वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर की आमजनमानस से अपील की है कि ट्रैफिक नियमों का पालन करें। रॉन्ग साइड वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय हेलमेट/सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें । सड़क पर गति सीमा को निर्धारित रखें 7 ओवरटेक हमेशा दाहिनें से करें। यातायात के संकेतो का पालन अवश्य करें। शराब पीकर वाहन न चलायें। नियमों का पालन न केवल आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दूसरों की जान की हिफाजत भी करता है।

उसका में बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार कस्बा और ग्रामीण क्षेत्र में भीषण गर्मी में विद्युत उपभोक्ता बिजली कटौती जैसी आंख मिचौली से परेशान है।बिजली आने -जाने का कोई निर्धारित समय नही रह गया है और यदि कोई फाल्ट हो गया तो घंटो ठीक करने में लग जा रहे हैं। व्यवस्थागत खामियों के चलते लोगों के लिए विद्युत कनेक्शन बेमतलब साबित हो रहा है। मंगलवार को आंधी तूफान से कस्बा और ग्रामीण क्षेत्र में कई जगह पोल गिर गए और विद्युत तार टूट गया था जिसे पूर्ण रूप से आज तक विद्युतकर्मी ठीक नही कर पाए। कस्बा के उसका राजा में गुरुवार को विद्युत आपूर्ति बाधित कर घंटो फाल्ट ठीक किया गया किसी तरह दिन में करीब तीन बजे बिजली आई भी तो आधे घंटे में चली गई। लोगों का कहना है की विद्युत आपूर्ति की स्थिति बद से बदतर हो गई है।इससे लोगों में काफी रोष व्याप्त है। उपभोक्ताओं ने विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों से निर्धारित समय से विद्युत आपूर्ति करने की मांग किया है।

पेड़ लगाओ अभियान के बीच हरे नीम के पेड़ों की कटाई पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। एक ओर केंद्र और प्रदेश सरकारें पर्यावरण संरक्षण को लेकर व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चला रही हैं। नेता, अभिनेता, सामाजिक संगठन और आमजन लगातार पेड़ लगाने का संदेश दे रहे हैं ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और संतुलित पर्यावरण मिल सके। वहीं दूसरी ओर जनपद में हरे-भरे पेड़ों की कटाई की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, जिससे पर्यावरण प्रेमियों और स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ रही है। ताजा मामला उन्नाव के सोहरामऊ क्षेत्र के बीकामऊ गांव का है, जहां हरे-भरे नीम के पेड़ों की कटाई किए जाने की सूचना मिली है। यदि यह कटान बिना सक्षम अनुमति के की जा रही है, तो यह पर्यावरण संरक्षण संबंधी नियमों का उल्लंघन माना जा सकता है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि लकड़ी के कारोबार से जुड़े कुछ लोग चंद पैसों के लालच में हरे पेड़ों की कटाई करवा रहे हैं। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि जिम्मेदार विभागों की उदासीनता अथवा कथित सांठगांठ के कारण ऐसे मामलों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती और जांच के नाम पर केवल औपचारिकताएं पूरी कर दी जाती हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नीम का पेड़ केवल छाया और ऑक्सीजन का स्रोत नहीं है, बल्कि यह वायु शुद्धिकरण, भूजल संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा ग्रामीण जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा है। विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार हो रही पेड़ों की कटाई से तापमान में वृद्धि, प्रदूषण का स्तर बढ़ने और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी समस्याएं और गंभीर हो सकती हैं।

उल्लेखनीय है कि उन्नाव जनपद में पूर्व में भी विकास कार्यों एवं अन्य कारणों से हरे पेड़ों की कटाई को लेकर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में बीकामऊ गांव में सामने आई यह सूचना पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रशासन की जिम्मेदारी और बढ़ा देती है। ग्रामीणों एवं पर्यावरण प्रेमियों ने संबंधित विभागों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, अवैध कटान पर तत्काल रोक लगाने तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि पेड़ केवल वर्तमान की नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों की भी अमूल्य धरोहर हैं, इसलिए इनके संरक्षण के लिए समाज और प्रशासन दोनों को मिलकर गंभीर प्रयास करने होंगे।'उन्नाव के सोहरामऊ क्षेत्र के बीकामऊ गांव में हरे-भरे नीम के पेड़ों की कटाई की सूचना चिंताजनक है। पेड़ हमारे पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर हैं। संबंधित विभाग तत्काल मामले की जांच कर अवैध कटान पर रोक लगाए और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे। आइए, हम सभी मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें। '

चीन की धमकी और यूक्रेन का उदाहरण ताइवान में हर कोई सीख रहा ड्रोन उड़ाना

● ताइवान में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में ड्रोन उड़ाने का जुनून सवार है. चीन की तरफ से बढ़ते खतरे को देखते हुए नागरिकों ने इस हुनर को सीखने का फैसला किया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चीन के बढ़ते सैन्य खतरे के बीच ताइवान के आम नागरिक अब हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठे हैं बल्कि खुद को एक संभावित जंग के लिए तैयार कर रहे हैं. यूक्रेन युद्ध ने दुनिया को दिखा दिया है कि आधुनिक लड़ाई में छोटे-छोटे ड्रोन कितने घातक और मददगार साबित हो सकते हैं. इसी सबक को अपनाते हुए ताइवान में अब हर उम्र के लोग चाहे वो युवा हों या बुजुर्ग ड्रोन उड़ाने की ट्रेनिंग ले रहे हैं. राजधानी ताइपे के तंग कमरों से लेकर ग्राउंड तक नागरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए यह पहली बार है जब आम लोगों को ड्रोन पायलट बनाने का एक बड़ा अभियान शुरू किया गया है. द गार्जियन के मुताबिक, ताइपे के एक छोटे और खचाखच भरे कमरे में 48 साल का शख्स ड्रोन को हवा में स्थिर रखने की कोशिश कर रहा है. उसके हाथ में रिमोट कंट्रोलर है और उसकी उंगलियां जॉयस्टिक पर जमी हैं. जैसे ही बिना किसी दुर्घटना के ट्रैफिक कोन से घिरे एक आयताकार रास्ते से ड्रोन को सुरक्षित निकाल लेते हैं, पूरा कमरा तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठता है. वह शख्स कहता है, 'यूक्रेन के युद्ध ने ड्रोन के इस्तेमाल को पूरी तरह बदल दिया है. मैं इसे एक अतिरिक्त हुनर की तरह सीख रहा हूं, ताकि कल को अगर जरूरत पड़े तो मैं देश के काम आ सकूं।'

कुमा एकेडमी में अगस्त तक सारे स्लॉट बुक

यह पूरा नजारा ताइवान के पहले 'नागरिक सुरक्षा ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम' का है. इसे 'कुमा एकेडमी' नाम के एक एनजीओ की ओर से शुरू किया गया है. मई में लॉन्च हुए इस कोर्स को लेकर ताइवानी नागरिकों में इस कदर दीवानगी है कि अगस्त तक के सभी सेशन एडवांस में ही फुल हो चुके हैं. इस कोर्स के जरिए हर महीने करीब 75 लोगों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। कुमा एकेडमी के प्रवक्ता तांग त्सुंग-यी का कहना है कि इस कोर्स का मकसद आम लोगों को यह समझाना है कि युद्ध के मैदान में ड्रोन क्या भूमिका निभा सकते हैं. दिलचस्प बात यह है कि इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में समाज का हर वर्ग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहा है।

बिना जीपीएस वाले 'प्योर ताइवानी' ड्रोन

इस ट्रेनिंग की एक और बड़ी खासियत यह है कि क्लास में इस्तेमाल होने वाले ड्रोन का वजन 100 ग्राम से भी कम है और ये पूरी तरह से ताइवान में बने हैं. इन ड्रोन्स में न तो कोई जीपीएस सिस्टम है और न ही कोई ऑटो-पायलट या सेल्फ-ड्राइविंग तकनीक. इसके पीछे एक बहुत ही सोची-समझी सैन्य रणनीति है. आधुनिक युद्ध में दुश्मन सबसे पहले इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग तकनीक का इस्तेमाल करके कॉमर्शियल ड्रोन के सिग्नल ब्लॉक कर देता है. ऐसे में ऑपरेटरों को ड्रोन को पूरी तरह से अपनी आंखों और मैनुअल रिफ्लेक्सिस से उड़ाना आना चाहिए। यह फैसला ताइवान के उस बड़े अभियान का भी हिस्सा है, जिसके तहत वह ड्रोन की ग्लोबल सप्लाई चेन को पूरी तरह 'चीन-मुक्त' बनाना चाहता है. हालांकि, ताइवान की घरेलू राजनीति में इसे लेकर खींचतान जारी है.

अमेरिका ने छोड़ा साथ?

ताइवान की नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (CAA) के अनुसार, दिसंबर तक देश में रजिस्टर्ड ड्रोन्स की संख्या 39,000 को पार कर चुकी थी. सरकार ने 2024 में ड्रोन रजिस्ट्रेशन की न्यूनतम उम्र घटाकर 14 वर्ष कर दी थी. अब ताइपे के कई हाई स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियों में कैंप लगाए जा रहे हैं. यहां छात्रों को स्क्रैच से ड्रोन बनाना और उसका इस्तेमाल खोज और बचाव अभियानों में करना सिखाया जा रहा है. अगर चीन कभी ताइवान पर हमला करता है, तो ताइवान के पहाड़ी इलाकों और अग्रिम मोर्चों की निगरानी के लिए ये मानवरहित ड्रोन सबसे बड़े हथियार साबित होंगे। यह पूरी तैयारी ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका और ताइवान के रिश्तों को लेकर अनिश्चितता का माहौल है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी नेता शी जिनपिंग के बीच पिछले महीने बीजिंग में हुई मुलाकात के बाद, ट्रंप ने अभी तक ताइवान के लिए 14 अरब डॉलर के हथियार पैकेज पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं. इसके अलावा, ताइवान के आंतरिक राजनीतिक मतभेदों ने भी आम लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि उन्हें बाहरी मदद के भरोसे रहने के बजाय खुद को तैयार करना होगा।

संक्षिप्त खबरें

पंजाब ट्रेड कमीशन द्वारा बड़ी मांग पूरी होने पर महेंद्रगंज मार्केट के दुकानदारों में खुशी की लहर

राजपुरा- आज महेंद्रगंज मार्केट के दुकानदारों में खुशी की लहर दौड़ गई जब मार्केट की दशकों पुरानी मांग पूरी हो गई। जानकारी देते हुए पंजाब ट्रेड कमीशन के वाइस चेयरमैन गुरप्रीत सिंह धमोली ने बताया कि ट्रेड कमीशन के चेयरमैन टिंकू बंसल की लीडरशिप में महेंद्रगंज मार्केट में व्यापारियों की एक मीटिंग हुई, जिसमें दुकानदारों ने बताया कि लगभग एक दशक से बस स्टैंड पर बसें न आने के कारण दुकानदारों को अपनी दुकानें कम रेट पर बेचनी पड़ रही थीं और दुकानें बेचने के बाद उन्हें दूसरी दुकान में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा था। गुरप्रीत सिंह धमोली ने कहा कि पंजाब ट्रेड कमीशन की मीटिंग में अपनी मांग को मजबूती से रखने और लगातार कोशिशों के बाद आज पटियाला से दिल्ली, चंडीगढ़, मोहाली, अंबाला के लिए बसें शुरू हो गई हैं। इस खुशी में दुकानदारों ने पंजाब ट्रेड कमीशन के वाइस चेयरमैन पटियाला गुरप्रीत सिंह धमोली और राजपुरा हलके के चेयरमैन टिंकू बंसल का लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया। ये बसें राजपुरा टाउन और पुराने बस स्टैंड रेलवे स्टेशन से होकर चलेंगी, जिससे महेंद्रगंज बाजार में रौनक बढ़ेगी और शहरवासियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इस मौके पर पंजाब व्यापार आयोग राजपुरा के सदस्य मुकेश गुप्ता, कीरत सिंह सेहरा, डॉ. अशोक, नवीन सूद, सुखविंदर सिंह सुखी, चीफ इंस्पेक्टर पीआरटीसी, इंस्पेक्टर गुरतेज सिंह, इंस्पेक्टर जसपाल सिंह, बलजिंदर सिंह अड्डा इंचार्ज राजपुरा, लक्की प्रधान, विकास वर्मा, सचिन बंसल, जसविंदर सिंह, राजिंदर कुमार, जसवंत सिंह प्रधान टैक्सी स्टैंड, मोहन बेकरी, चौहान टेलर, गुरिंदर सिंह मौजूद थे। पंजाब व्यापार आयोग द्वारा बड़ी मांग पूरी होने पर महिंदरगंज बाजार के दुकानदारों में खुशी की लहर दौड़ गई।

नए भारत के शिल्पकार हैं नरेंद्र मोदी — सोमप्रकाश

होशियारपुर- भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष निपुण शर्मा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफलतापूर्वक 12 साल प्रशासनिक कार्यकाल के संबंध में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया।जिसमें प्रदेश की ओर से पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री सोमप्रकाश कैंथ ने मीडिया से मुखातिब हुए। इस मौके मीडिया से बात करते हुए पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री सोमप्रकाश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के सफल एवं ऐतिहासिक कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि देश की जनता ने लगातार तीन बार उन्हें प्रधानमंत्री बनाकर उनके नेतृत्व, कार्यशैली और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण पर अपनी मुहर लगाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने अनेक ऐसे ऐतिहासिक निर्णय और उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन्होंने देश की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया है। सोमप्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रथम कार्यकाल में जनधन योजना, स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना, डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया। दूसरे कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35-ए की समाप्ति, नागरिकता संशोधन अधिनियम, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करना तथा आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसे साहसिक और ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा कि तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ देश को विश्व की अग्रणी शक्तियों में स्थापित करने के लिए कार्य कर रहे हैं। भारत आज जी-20 की सफल अध्यक्षता, मजबूत अर्थव्यवस्था, डिजिटल क्रांति, रिकॉर्ड इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, महिला सशक्तिकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

नीरज चोपड़ा एक्शन में नजर आएंगे

● ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा 2026 सीजन की शुरुआत करने को तैयार हैं। चोपड़ा दोहा डायमंड लीग में भाला फेंकते हुए नजर आएंगे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। भारत के ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा 2026 सीजन की शुरुआत करने को तैयार हैं। नीरज शुक्रवार को दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेते हुए नजर आएंगे। भारतीय जेवलिन थ्रोअर ने पीठ में चोट के कारण पिछले साल सितंबर में वर्ल्ड चैंपियनशिप्स के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया। कई महीनों के रिहैब और ट्रेनिंग के बाद नीरज चोपड़ा कतर में वर्ल्ड क्लास खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने को तैयार हैं। 28 साल के नीरज चोपड़ा की दोहा डायमंड लीग में राह आसान नहीं होगी। गत चैंपियन केशोर्न वोलकोट, दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स और श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरागे से नीरज दो-दो हाथ करेंगे।

कड़े प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबला

याद दिला दें कि श्रीलंकाई जेवलिन थ्रोअर ने 92.62 मीटर की दूरी पर थ्रो करके सुर्खियां बटोरी और इस सीजन वर्ल्ड लीडर बने। वैसे, नीरज चोपड़ा के लिए दोहा विशेष स्थान है। पिछले साल मई में यहां नीरज ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते 90 मीटर दूरी तय की। उन्होंने 90.23 मीटर की दूरी का थ्रो किया था। दो बार के ओलिंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा को उम्मीद होगी कि वो जल्द ही अपनी लय हासिल करें और सीजन की दमदार शुरुआत करें। नीरज चोपड़ा को लाइव एक्शन में देखने के लिए, आप यहां डिटेल्स हासिल कर सकते हैं।

दिल्ली में BJP का तीन दिवसीय जनसंपर्क अभियान शुरू

दिल्ली। नरेन्द्र मोदी सरकार और रेखा गुप्ता सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी देने के लिए भाजपा ने बृहस्पतिवार से तीन दिवसीय जनसंपर्क अभियान शुरू किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष से लेकर सभी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि नागरिकों के बीच पहुंच रहे हैं। इसके साथ ही 42 स्थानों पर तीन दिनों तक चलने वाला जनकल्याणकारी शिविरों की भी शुरुआत हुई। इन शिविरों में केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी देने के साथ ही इसे प्राप्त करने में आने वाली बाधा को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

काला हिरण फिल्म पर सलमान खान का गुस्सा जायज? गवर्नर के डायरेक्टर ने बताया क्या है फिल्म मेकर की जिम्मेदारी

● काला हिरण फिल्म को लेकर अभी कुछ भी साफ नहीं दिख रहा है. पहले तो फिल्म 12 जून को रिलीज होने वाली थी लेकिन अभी दूर दूर तक इसके सिनेमाघरों में आने के आसार नहीं दिख रहे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली: काला हिरण फिल्म को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है. पहले फिल्म मेकर्स का कहना था कि फिल्म का सलमान से कोई लेना देना नहीं है. यह केवल एक सच्ची घटना पर आधारित है. अगर सलमान खुद को इसमें देखते हैं तो यह उनकी सोच है. इसके बाद फिल्म छोड़ चुके सोनू मिश्रा ने चौंकाने वाले दावे किए. उन्होंने बताया कि दो दिन की शूटिंग करने के बाद जब उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट पढ़ा कि उन्हें मीडिया में सलमान खान के खिलाफ बोलना होगा तो उन्होंने फिल्म छोड़ दी. सोनू का कहना था कि उन्होंने ये फिल्म सलमान के डर की वजह से नहीं बल्कि अपने उसूलों की वजह से छोड़ी थी. इससे साफ होता है कि फिल्म का कनेक्शन सलमान खान से तो था. बस पहले सीधे कहा नहीं जा रहा था और बाद में लोग सामने आने लगे।

बिना इजाजत फिल्म बनाना कितना सही?

सलमान खान ने फिल्म के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की। उनका कहना था कि इस फिल्म के जरिए उनके पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन किया गया है. इस मामले में 19 जून यानी कल सुनवाई होने वाली है. इससे पहले हमने इस बात को लेकर मनोज बाजपयी की फिल्म गवर्नर के डायरेक्टर चिन्मय मंडलेकर से बात की. ऐसा इसलिए क्योंकि पॉपुलर एक्टर ने अभी तक दो फिल्में डायरेक्ट की हैं और ये दोनों ही फिल्में इंस्पेक्टर जेंडे और गवर्नर दोनों ही रियल लाइफ से इंस्पायर्ड कैरेक्टर से हैं।

17 साल बाद शिकंजे में आया दुष्कर्म आरोपित, दिल्ली से कुवैत भागकर बन गया था टेलर

नई दिल्ली। बिंदापुर में शादी का झांसा देकर किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में 17 साल से फरार चल रहे इरशाद अहमद उर्फ सोनू को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए इरशाद अहमद, वारदात के बाद कुवैत भाग गया था। वह बिजनौर का रहने वाला है और 2009 से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक बिंदापुर थाने में नौ अप्रैल 2009 को अपहरण, दुष्कर्म व पाक्सो की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। पीड़िता की मां बुटीक चलाती थीं, जहां आरोपित इरशाद अहमद, दर्जी (टेलर) का काम करता था। इरशाद ने शादी का झांसा देकर पीड़िता को नाबालिग बेटी का अपहरण किया और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद से ही वह लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था, जिसके बाद 25 मई 2011 को द्वारका कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था।

सूर्यवंशी के बाद बिहार को मिली नई 'रन मशीन', अक्षरा ने ट्रिपल सेंचुरी से मचाया तहलका

● बिहार क्रिकेट का नया बवंडर!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वैभव सूर्यवंशी के बाद अब बिहार क्रिकेट में एक नया 'क्रिकेट बवंडर' सामने आया है. लेकिन यह महिला क्रिकेट में है. इस बवंडर का नाम है अक्षरा गुप्ता, जिन्होंने वनडे में तिहरा शतक जमाकर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है. अक्षरा ने भागलपुर के सैंडिस कंपाउंड ग्राउंड में गुरुवार से शुरू हुए BCA महिला -19 वन-डे ट्रॉफी टूर्नामेंट में नाबाद 306 रन की तूफानी पारी खेली जिसमें उन्होंने 55 चौके और 8 छक्के लगाए। ऐसा कर 15 साल की अक्षरा गुप्ता ने महिला घरेलू क्रिकेट में सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाली दूसरी महिला क्रिकेटर बन गई हैं. बता दें कि . महिला घरेलू क्रिकेट में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर मुंबई की इरा गुप्ता के नाम है,जिन्होंने घरेलू राज्य-स्तरीय मैच में नाबाद 346 रन बनाए थे. उनकी पारी में 42 चौके और 16 छक्के शामिल थे. अक्षरा गुप्ता के नाबाद 306 और इरा गुप्ता के नाबाद 346 रन अब महिला घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर में शामिल हो गए हैं। बिहार की अक्षरा गुप्ता ने टीम की ओर से खेलते हुए, सिर्फ़ 126 गेंदों पर नाबाद 306 रन बनाए. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 242.86 रहा और वे 233 मिनट तक क्रीज़ पर डटी रहीं. उनकी इस पारी में 55 चौके और 8 छक्के शामिल थे. उन्होंने शुरुआत से ही जबरदस्त बल्लेबाजी की और महज 16 गेंदों में ही उन्होंने अर्धशतक पूरा कर लिया और 34 गेंदों में शतक जड़ दिया, जो उनके शानदार स्ट्रोक-प्ले और टाइमिंग को दर्शाता है. इस ऐतिहासिक मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए बीसीए महिला अंडर-19 टीम ए ने 40 ओवर में 5 विकेट पर 450 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. पूरे मैच में अक्षरा छाई रहीं। अक्षरा गुप्ता की पारी को देखकर बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट हर्षवर्धन ने 15 साल की महिला बैटर को बधाई दी और कहा कि बिहार की महिला क्रिकेटर लगातार राज्य का नाम रोशन कर रही हैं. उन्होंने कहा कि 'BCA खिलाड़ियों के लिए मौके और मंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, और इस तरह का प्रदर्शन युवा क्रिकेटरों के लिए एक बड़ी प्रेरणा का काम करता है। ' सेक्रेटरी जियाउल अर्फ़िन ने भी उन्हें

शुभकामनाएं दीं. उन्होंने BCA महिला -19 वन-डे ट्रॉफी की शुरुआत में ही ऐसी प्रतिभा के सामने आने को बिहार में क्रिकेट के भविष्य के लिए बहुत अच्छा संकेत बताया और अक्षरा के उज्ज्वल करियर की कामना की।

कौन है अक्षरा गुप्ता

बिहार की रक्सौल की रहने वाली अक्षरा गुप्ता ने 14 साल से ही घरेलू मुकाबलों में अपना जौहर दिखाती नजर आ रही हैं. जिसके दम पर उन्हें बिहार की सीनियर महिला टीम में जगह मिली. बता दें कि बीसीसीआई की आयु-श्रेणी टूर्नामेंटों के चारों प्रमुख फॉर्मेट में एक ही सीजन (2024-25) में खेलने वाली देश की पहली महिला खिलाड़ी बन चुकी हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे के साथ 7.8 करोड़ की साइबर ठगी, दिल्ली पुलिस ने 4 करोड़ रुपये कराए फ्रीज

● देश के पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे और पूर्व सांसद के साथ करोड़ों रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देश के पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के बेटे और पूर्व सांसद नरेश गुजराल के साथ करोड़ों रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है. साइबर ठगों ने वॉट्सऐप पर उनकी पहचान का इस्तेमाल कर उनके कर्मचारी को झांसा दिया और करीब 7.8 करोड़ रुपये एक खाते में ट्रांसफर करा लिए।

मामले की शिकायत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. पुलिस ने मंगलवार को इस मामले में ई-एफआईआर दर्ज की. शुरुआती जांच में सामने आया है कि ठगी की गई रकम में से करीब 4 करोड़ रुपये पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए फ्रीज करा दिए हैं।

नरेश गुजराल की फोटो लगाकर भेजा मैसेज

जानकारी के मुताबिक, ठग ने नरेश गुजराल की फोटो लगाकर उनके फाइनेंस से जुड़े एक भरोसेमंद कर्मचारी को वॉट्सऐप पर मैसेज भेजा. आरोपी ने खुद को नरेश गुजराल बताया और कहा कि वह एक जरूरी मीटिंग में व्यस्त हैं। इसके बाद उसने एक बैंक अकाउंट में आरटीजीएस के जरिए पैसे भेजने के निर्देश दिए। कर्मचारी ने ठग के मैसेज पर भरोसा करते हुए 12 से 16 जून के बीच चार अलग-अलग आरटीजीएस ट्रांजैक्शन कर दिए. इन ट्रांजैक्शन के जरिए करीब 7.8 करोड़ रुपये ट्रांसफर हो गए। ठगी का खुलासा तब हुआ जब कर्मचारी ने इस लेनदेन की जानकारी नरेश गुजराल की बेटी को दी. बेटी ने जब नरेश गुजराल से बात की तो उन्होंने साफ किया कि उन्होंने ऐसा कोई पैसा ट्रांसफर करने का आदेश नहीं दिया था. इसके बाद

परिवार को साइबर फ्रॉड की जानकारी हुई। परिवार ने तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए ठगी की करीब 70 फीसदी रकम को फ्रीज करा दिया।

पुलिस कर रही जांच

दिल्ली पुलिस अब इस पूरे मामले की जांच कर रही है. पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी कौन हैं, उन्होंने बैंक अकाउंट कैसे हासिल किए और इस साइबर गिरोह के पीछे कौन लोग शामिल हैं. फिलहाल आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है।

गांधी नगर में अवैध संबंध के शक में की थी पत्नी की हत्या, मुंबई से आरोपी पति गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली। गांधी नगर इलाके में गला रेतकर पत्नी की हत्या करने वाले पति को पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। अवैध संबंध के शक में आरोपित ने पत्नी की बड़ी ही बेरहमी से हत्या की थी। आरोपित की पहचान खालिद के रूप में हुई है। हत्या के बाद आरोपित नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से ट्रेन के जनरल डिब्बे में बैठकर बिना टिकट लिए मुंबई भाग गया था। पुलिस ने इसके पास से चाकू, पासपोर्ट व अन्य सामान बरामद किया है। आरोपित पर पहले से झगड़े, मारपीट के छह आपराधिक केस दर्ज हैं। जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि 13 जून को सूचना मिली थी कि एक महिला खून से लथपथ हालत में घर में पड़ी हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची। घायल हालत में डॉ. हेडगेवार अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को जांच में पता चला कि महिला का पति फरार है।गांधी नगर थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया। पुलिस ने एसएचओ राजकुमार, इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार व रोबिन सिंह के नेतृत्व में तीन टीम बनाई। जांच में सामने आया कि आरोपित का फोन लगातार बंद है। इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय नहीं है। डिजिटल कोई सुराग नहीं मिला।

दिल्ली के माउंट कैलाश में मेड की हत्या, बैट-चाकू बरामद, आरोपी डॉक्टर भी अरेस्ट

● साउथ दिल्ली के कैलाश हिल्स में एक महिला की हत्या कर दी गई है. पुलिस ने घटनास्थल से बैट और चाकू बरामद किया. साथ ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

साउथ ईस्ट दिल्ली के अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र में एक महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. माउंट कैलाश इलाके में एक बिल्डिंग की छत पर 45 साल की मेड का शव खून से लथपथ हालत में मिला। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं पास में बैट और चाकू पड़ा हुआ था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। आशंका जताई जा रही है कि आरोपी ने बैट और चाकू से हमला कर महिला की हत्या की।

छत पर मिली महिला की लाश

सूचना मिलते ही अमर कॉलोनी थाना पुलिस हरकत में आई. कालकाजी एसीपी, एसएचओ अमर कॉलोनी और स्थानीय पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची. पुलिस टीम ने बिल्डिंग की छत पर जाकर देखा तो वहां एक महिला मृत अवस्था में पड़ी थी. महिला के शरीर पर चोट के निशान थे और चारों तरफ खून फैला हुआ था।

पुलिस ने डॉक्टर को गिरफ्तार किया

मृतका की पहचान मीना के रूप में हुई, जिसकी उम्र करीब 45 साल थी. पुलिस जांच में पता चला कि मीना घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी. घटनास्थल पर एक डॉक्टर मनीष गुप्ता भी मौजूद था, जो मृतका के पास बैठा हुआ था. पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की. पुलिस के मुताबिक, आरोपी डॉक्टर लंबे वक्त से डिप्रेशन में चल रहा है. पूछताछ में अलग अलग चीजें बता रहा है। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपी ने महिला पर हमला करने की बात स्वीकार की है. आरोपी ने बताया कि उसने पहले महिला पर बैट से वार किए और उसके बाद चाकू से हमला किया. हमले के कारण महिला की मौत हो गई. पुलिस ने आरोपी को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है. फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और हत्या के पीछे की वजह पता लगाने की कोशिश कर रही है. जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी और मृतका के बीच क्या संबंध था. दोनों के बीच किसी तरह का विवाद था या हत्या के पीछे कोई अन्य कारण था।

क्राइम टीम ने जुटाए सबूत

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने क्राइम टीम को मौके पर बुलाया. क्राइम टीम ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए हैं. फॉरेंसिक जांच के लिए जरूरी

नमूने भी लिए जा रहे हैं. इसके अलावा पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि पूरी घटना की कड़ी को जोड़ा जा सके। पुलिस के मुताबिक, वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियारों को बरामद करने की कार्रवाई की जा रही है. बैट और चाकू समेत अन्य सबूतों को जांच में शामिल किया जाएगा. अमर कॉलोनी थाना पुलिस ने हत्या की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस जांच में जुटी

पुलिस टीम अब आरोपी से विस्तृत पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि घटना से पहले दोनों के बीच क्या हुआ था. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद हत्या के कारणों और घटना की पूरी सच्चाई सामने आएगी। शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि आरोपी डॉक्टर ने बताया कि मेड कोई काला जादू करती थी. काले जादू की वजह से घर में शांति नहीं थी और पूरा परिवार परेशान था. फिलहाल पुलिस डॉक्टर से लगातार पूछताछ की जा रही है और हत्या का असली मकसद जानने की पुलिस कोशिश कर रही है।

पानी नहीं दे पा रहा जलबोर्ड, यमुनापार में रोज पौने तीन करोड़ का पानी बेच रहे माफिया

● यमुनापार में दिल्ली जल बोर्ड की नाकामी के कारण गंभीर पेयजल संकट है, जिसका फायदा उठाकर पानी माफिया अवैध भूजल दोहन से बोतलबंद पानी बेच रहे हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। यमुनापार में लंबे समय से जारी पेयजल संकट के बीच दिल्ली जल बोर्ड घरों तक पर्याप्त पानी पहुंचाने में नाकाम साबित हो रहा है। इसका फायदा उठाकर पूरे क्षेत्र में पानी माफिया सक्रिय हो गए हैं और अवैध भूजल दोहन के जरिए बोतलबंद पानी का कारोबार धड़ल्ले से चला रहे हैं। पानी की किल्लत झेल रहे परिवार रोजाना 20 लीटर के कई जार खरीदने को मजबूर हैं, जिससे उनके मासिक खर्च में भी भारी बढ़ोतरी हो रही है। हाल ही में जानी जनगणना के आंकड़ों के अनुसार यमुनापार के दोनों जिलों में लगभग 11 लाख घर हैं। इनमें से 50 प्रतिशत परिवार रोजाना लगभग 50 रुपये पानी के जार पर खर्च करते हैं। ऐसे में रोज का पानी के खर्चा का आंकड़ा लगभग पौने तीन करोड़ है। वेस्ट ज्योति नगर, विश्वास नगर, मुस्तफाबाद, भजनपुरा, यमुना विहार, मंडावली, पटपड़गंज, विनोद नगर और आनंद विहार समेत कई इलाकों में लोगों को या तो पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है या फिर गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। पिछले करीब तीन महीनों से जल बोर्ड से समाधान की उम्मीद लगाए बैठे हजारों लोग निजी पानी सप्लायरों पर निर्भर हो गए हैं, जिससे बोतलबंद पानी का कारोबार तेजी से फैल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, 20 लीटर के एक पानी के जार की कीमत 30 से 100 रुपये तक है। हालात ऐसे हैं कि मांग बढ़ते ही कीमतों में भी इजाफा होने लगता है। शिव विहार निवासी मोहन झा ने बताया कि जल संकट से इलाके के करीब 10 हजार लोग प्रभावित हैं और कई परिवार रोजाना 20 लीटर के तीन से चार जार खरीदने को मजबूर हैं।सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज पानी के प्लांटों की तुलना में क्षेत्र में कहीं अधिक सबमर्सिबल संचालित हो रहे हैं। इससे जल संकट के बीच बड़े पैमाने पर अनियंत्रित भूजल दोहन किए जाने की आशंका जताई जा रही है।वहीं, बिना प्रभावी निगरानी के सप्लाई किए जा रहे पानी की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आग की बढ़ती घटनाओं के बीच पूर्वी दिल्ली की 119 सोसायटियों को नोटिस

पूर्वी दिल्ली। आईपी एक्सटेंशन स्थित ग्रुप हाउसिंग सोसायटी क्षेत्र में आग से सुरक्षा को लेकर इंद्रप्रस्थ विस्तार सहकारी आवास सोसायटीज महासंघ ने अहम पहल करते हुए सभी 119 सोसायटीज के लिए एडवाइजरी नोटिस जारी की है। महासंघ ने हाल के दिनों में आग की बढ़ती घटनाओं को गंभीर खतरा बताते हुए, सोसायटी प्रबंधन समितियों को सतर्क रहने और आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सरकार से भी बेहतर व्यवस्थाओं की मांग की गई है। महासंघ के फाउंडर सुरेश बिंदल ने बताया कि एडवाइजरी में सोसायटीज से कहा गया है कि वे अपने परिसर में लगे सभी अग्निशमन यंत्रों की नियमित जांच कर उन्हें पूरी तरह कार्यशील स्थिति में रखें। इसके साथ ही ओवरहेड और अंडरग्राउंड टंकियों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने, फायर अलार्म, स्प्रिंकलर सिस्टम और फायर पंप की समय-समय पर जांच कराई जाए।